लोकसभा में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी वाला विधेयक पारित
- 12

दो दशकों में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता तय करेगी वृद्धि की रफ्तार : सीईए
- 12

द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगे इजराइल और भारत
- 13

बोली समाप्त होने के बाद भी मैं आंसू नहीं रोक पा रहा था : कार्तिक शर्मा
- 14

आज का मौसम

20.0° अधिकतम तापमान

10.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.59

सूर्यास्त 05.19

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष चतुर्दशी, 04:59 उपरांत अमावस्या विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 18 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 24, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

चांदी की चमक ने बनाया नया रिकॉर्ड, भाव दो लाख के पार

नई दिल्ली, एजेंसी

- घरेलू-वैश्विक मांग के कारण आया 7,300 रुपये का उछाल

घरेलू और वैश्विक बाजारों में मांग मजबूत होने से चांदी के भाव में बुधवार को 7,300 रुपये का उछाल आया और यह पहली बार दो लाख रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी का भाव बुधवार को 2,05,800 रुपये किलोग्राम रहा।

स्थानीय सर्राफा बाजार में सोने की कीमत भी 600 रुपये चढ़कर सभी करों सहित 1,36,500 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई जो मंगलवार को 1,35,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोने की कीमत 18.59 अमेरिकी डॉलर यानी 0.43% बढ़कर 4,321.06 अमेरिकी डॉलर औंस हो गई। इसके अलावा, हाजिर चांदी ने विदेशी बाजार में पहली बार 66 डॉलर प्रति औंस का आंकड़ा पार कर लिया। चांदी में 2.77 अमेरिकी डॉलर यानी 4.35 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 66.52 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।

कोहरा : एक्सप्रेस वे पर अधिकतम गति सीमा घटाने की तैयारी

मुख्यमंत्री ने जारी किए कड़े निर्देश, यमुना एक्सप्रेस वे हादसे के बाद शुरू किए गए कई एहतियाती उपाय

राज्य ब्यूरो लखनऊ/एजेंसी

- सभी एक्सप्रेस वे पर 120 के बजाय 80 किमी घंटे हो सकती है अधिकतम गति

यमुना एक्सप्रेस वे समेत कई सड़कों पर मंगलवार को घने कोहरे में भीषण दुर्घटनाएं होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को हादसे रोकने के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं। राजमार्ग अधिकारियों ने इसके बाद एक्सप्रेसवे और राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है।

उप्र एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीईआईडीए) ने सरकार को सभी एक्सप्रेस वे पर कोहरा रहने तक अधिकतम गति 120 से घटाकर 80 किमी घंटा करने का प्रस्ताव भी भेजने की बात कही है। मुख्यमंत्री ने प्रशासन, पुलिस और नगर निकायों के अधिकारियों को आगाह किया है कि जनजीवन, यातायात और निराश्रितों की सुरक्षा में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सड़कों, हाईवे से लेकर एक्सप्रेस-वे तक सुरक्षा इंतजाम चाकचौबंद रखे जाएं। साथ ही, एक्सप्रेस-वे पर पेट्रोलिंग बढ़ाने, ब्लैक स्पॉट पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने, टीमें तैनात करने, क्रेन और एम्बुलेंस को उपलब्ध रखने का निर्देश दिया है।

रेड अलर्ट: 20 तक घना कोहरा

लखनऊ। प्रदेश में 17 से 20 दिसंबर के बीच घने से अत्यंत घने कोहरे और सर्दी को लेकर चेतावनी जारी की गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार पश्चिमी भारत और आसपास में बने एंटी-साइक्लोन तथा ऊपरी वायुमंडल में सक्रिय पश्चिमी जेट स्ट्रीम के प्रभाव से कोहरे की तीव्रता बढ़ी है। विभाग ने बरेली, लखीमपुर खीरी, मुरादाबाद, रामपुर, पीलीभीत, शाहजहांपुर, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, सीतापुर, बाराबंकी, बिजनौर सहित कई जिलों में अत्यंत घना कोहरा और सर्दी की अत्यधिक आशंका जताई है।

मथुरा हादसा : 15 हुई मृतक संख्या

मथुरा। यमुना एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के हुए भीषण हादसे में घायल हुए और लोगों की मृत्यु के बाद मृतकों की कुल संख्या 13 से बढ़कर 15 हो गई है। इसके साथ झुलसे शवों में से दो और की पहचान हुई है। बाकी की पहचान के लिए डीएनए जांच की जा रही है। पोस्टमॉर्टम करने वाले चिकित्सकों के एक पैनल के अनुसार पुलिस मुर्दाघर में 10 मृतकों के सिर, दो के धड़ और एक लगभग साबुत शव लेकर आई थी, जबकि बाकी बैग में सिर्फ छोटे, बुरी तरह जले हुए अवशेष थे। चिकित्सकों ने बताया कि सभी शवों के पोस्टमार्टम और डीएनए जांच की प्रक्रिया जारी है।

वाहन चालकों के लिए जारी की गई गाइडलाइन

- धुंध के दौरान वाहन की गति निर्धारित सीमा से कम रखें।
- फॉग लाइट का प्रयोग करें, लो बीम पर हेडलाइट रखें।
- इमरजेंसी इंडिकेटर्स को घने कोहरे के वक्त चालू रखें।
- सड़क पर आगे चल रहे वाहनों से पर्याप्त दूरी बनाए रहें।
- एक्सप्रेस-वे पर बार-बार लेन न बदलें, ओवरटेकिंग न करें।
- रिस्क न लें, वाहनों के पीछे रिफ्लेक्टर टेप जरूर लगवाएं।

ब्रीफ न्यूज

सबरीमला: टीडीबी के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम। सबरीमला स्थित भगवान अयप्पा मंदिर से सोना गायब होने के मामले की जांच कर रहे एसआईटी ने बुधवार को टीडीबी के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी एस श्रीकुमार को गिरफ्तार कर लिया। श्रीकुमार की गिरफ्तारी केरल हाईकोर्ट की ओर से उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के दो सप्ताह बाद हुई है। हाईकोर्ट ने कहा था कि उन पर लगे आरोप साबित हो चुके हैं। उनके साथ ही त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) की पूर्व सचिव एस जयश्री की अग्रिम जमानत याचिका भी खारिज कर दी गई।

इंडिगो संकट: यात्रियों को मुआवजे संबंधी याचिका पर सुनवाई नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को उस जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया जिसमें केंद्र और इंडिगो विमानन कंपनी को उन सभी यात्रियों को पूरे टिकट मूल्य का चार गुना मुआवजा देने का निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया गया था जिनके टिकट नवंबर और दिसंबर के दौरान नई उड़ान ड्यूटी समय सीमा (एफडीटीएल) के लागू होने के बाद रद्द कर दिए गए थे। कोर्ट ने कहा कि वह इसी मुद्दे पर पहले से दायर जनहित याचिका पर संज्ञान ले चुकी है और उसने याची 'सेंटर फॉर अकाउंटेबिलिटी एंड सिस्टमिक चेंज' को लंबित याचिका में हस्तक्षेप करने की छूट दी।

लॉरेंस बिश्नोई के पूर्व सहयोगी की हत्या मामले में पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को आरजू-अनमोल बिश्नोई-हैरी बॉक्सर गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया। पुलिस के के अनुसार, इन पर इस महीने की शुरुआत में चंडीगढ़ में दूसरे गिरोह के एक गैंगस्टर की हत्या में शामिल होने का आरोप है। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के पूर्व करीबी सहयोगी इंद्रप्रीत सिंह उर्फ पैरी की एक दिसंबर को चंडीगढ़ के सेक्टर 26 में क्लब से बाहर निकलने के बाद हत्या कर दी गई थी। यह घटना उस समय हुई जब पैरी अपनी एसयूवी में बैठा था, तभी एक बंदूकधारी ने उस पर करीब से गोली मार दी।

दिल्ली प्रदूषण पर सुप्रीम निर्देश... नौ टोल प्लाजा बंद करें, श्रमिकों को मुआवजा दें

राष्ट्रीय राजधानी में भीड़भाड़ घटाने पर जोर, 5वीं तक के स्कूल खोलने से इन्कार

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के गंभीर स्तर पर चिंता जताते हुए बुधवार को एनएचएआई और एमसीडी से कहा कि वे राष्ट्रीय राजधानी की सीमा पर स्थित नौ टोल प्लाजा को अस्थाई रूप से बंद करने या शिफ्ट करने पर विचार करें ताकि शहर में यातायात भीड़ में कमी लाई जा सके। शीर्ष कोर्ट ने पांचवीं तक के छात्रों के लिए स्कूल बंद करने के दिल्ली सरकार के निर्देश में दखल देने से इन्कार कर दिया, साथ ही प्रदूषण के कारण बेरोजगार हुए मजदूरों के लिए मुआवजा सीधे उनके खातों में ट्रांसफर करने का निर्देश दिया।

सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने वायु प्रदूषण के संकट को हर साल सामने आने वाली समस्या करार दिया और इससे निपटने के लिए कारगर एवं व्यावहारिक समाधानों का आह्वान किया। अदालत ने दिल्ली के प्रवेश बिंदुओं पर स्थित नौ टोल प्लाजा को अस्थाई रूप से बंद करने या शिफ्ट करने के संबंध में एमसीडी से एक हफ्ते के भीतर निर्णय लेने को कहा ताकि यातायात प्रवाह को सुचारु बनाए रखने के साथ उत्सर्जन में कमी लाई जा सके। साथ ही, सिर्फ प्रोटोकॉल बनाने के बजाय मौजूदा उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने की जरूरत पर भी जोर दिया। सीजेआई ने कहा, निवारक उपाय पहले से मौजूद हैं, लेकिन उनका कार्यान्वयन लगातार कमजोर रहा है। पीठ ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को अपनी दीर्घकालिक रणनीतियों पर पुनर्विचार कर उन्हें मजबूत करने का निर्देश दिया।

कोर्ट ने प्रदूषण संबंधी प्रतिबंधों से रोजी-रोटी पर पड़ने वाले प्रभाव को देखते हुए दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि वह प्रतिबंधों के कारण बेरोजगार हुए निर्माण श्रमिकों का तत्काल सत्यापन करे और यह सुनिश्चित करे कि वित्तीय सहायता सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की जाए।

दिल्ली में बीएस-4 या ऊपर के मानक वाले वाहन ही चलेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार की याचिका पर बुधवार को यह भी निर्देश दिए कि दिल्ली में सिर्फ ऐसे वाहनों को ही चलने की अनुमति दी जाएगी जो बीएस-4 उत्सर्जन मानक या उससे ऊपर की श्रेणी के हैं। कोर्ट के इस नए निर्देश के बाद अब अधिकारी उन पुराने वाहनों के खिलाफ कार्रवाई कर सकेंगे जो बीएस-चार मानकों को पूरा नहीं करते हैं। वहीं बीएस-4 या नए वाहनों को उनकी समय सीमा पूरी होने के बावजूद चलाने की अनुमति है। इससे पहले शीर्ष कोर्ट ने गत 12 अगस्त के आदेश में एनसीआर में दस साल से पुराने डीजल और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने पर रोक लगा दी थी। वहीं, दिल्ली सरकार ने गैर बीएस- 6 वाहनों का दिल्ली में प्रवेश रोकने के लिए सीमा पर यातायात पुलिस और प्रवर्तन दल तैनात करने का आदेश जारी किया है।

मजदूरों को मिलेगा 10-10 हजार रुपये का मुआवजा

दिल्ली के श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि प्रदूषण से निपटने से संबंधित चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के तीसरे और चौथे चरण से प्रभावित निर्माण मजदूरों को 10-10 हजार रुपये मुआवजा दिया जाएगा। मंत्री ने कहा कि सरकारी तौर पर पंजीकृत श्रमिकों को ही ये लाभ मिलेंगे। इसके लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उधर, सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान पीठ ने श्रमिकों को मुआवजा देने की प्रक्रिया में किसी भी तरह की गड़बड़ी के प्रति आगाह करते हुए कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि श्रमिकों के खातों में अंतरित राशि गायब हो जाए या किसी अन्य खाते में चली जाए।

आज से 50 फीसदी कर्मचारी घर से करेंगे काम

दिल्ली के श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में सभी सरकारी और निजी संस्थानों के लिए गुरुवार से 50 प्रतिशत 'वर्क-फ्रॉम-होम' सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए। ये निर्देश अस्पतालों, अग्निशमन सेवा, जेल प्रशासन, निजी परिवहन, बिजली और पानी विभागों, आपदा प्रबंधन और पर्यावरण विभाग सहित जरूरी सेवाओं पर लागू नहीं होगा। इससे पहले, दिल्ली सरकार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन समिति (सीएक्यूएम) की सिफारिश पर नौवीं और ग्यारहवीं तक के छात्रों के लिए शहर भर के स्कूलों को 'हाइब्रिड मोड' में बदलने और पांचवीं तक के छात्रों के लिए पूरी तरह ऑनलाइन पढ़ाई की भी घोषणा की थी।

यदि अतीत में उलझी रहेगी तो आगे नहीं बढ़ेगी दुनिया : मोदी

अदीस अबाबा, एजेंसी

- प्रधानमंत्री मोदी ने इथियोपियाई संसद के संयुक्त सत्र को किया संबोधित
- कहा- दोनों देश शांति, सुरक्षा, कनेक्टिविटी के मामले में प्राकृतिक साझीदार

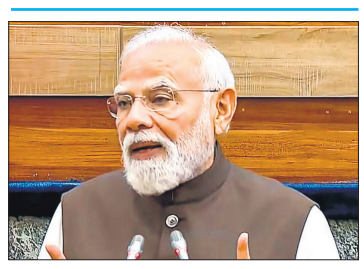

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को इथियोपियाई संसद को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और इथियोपिया क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और कनेक्टिविटी के मामले में प्राकृतिक साझीदार हैं। मोदी ने जोर दिया कि दोनों देश एक ऐसी दुनिया के लिए कार्यरत हैं जो अधिक न्यायपूर्ण, अधिक समानता मूलक और अधिक शांतिपूर्ण हो। उन्होंने कहा, अगर वैश्विक प्रणालियां अतीत में उलझी रहेंगी तो दुनिया आगे नहीं बढ़ सकती। मोदी अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा पर मंगलवार को इथियोपिया पहुंचे थे। इथियोपिया विश्व की 18वीं संसद है जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधित किया।

मोदी ने इथियोपियाई संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा, शेरों की भूमि इथियोपिया में आकर उन्हें बहुत खुशी हो रही है। उन्हें यहां घर जैसा महसूस हो रहा है क्योंकि उनका गृह राज्य गुजरात भी शेरों की भूमि है। प्रधानमंत्री ने कहा, इथियोपिया अफ्रीका के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र और भारत हिंद महासागर के केंद्र में स्थित है। हम क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और कनेक्टिविटी में प्राकृतिक साझीदार हैं। प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान सांसदों ने 50 से अधिक बार तालियां बजाईं। मोदी ने कहा, इस वर्ष की शुरुआत में रक्षा सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर के साथ आपसी सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और मजबूत हुई है। यह समझौता घनिष्ठ सैन्य सहयोग पर केंद्रित है। इसमें साइबर सुरक्षा, रक्षा उद्योगों, संयुक्त अनुसंधान और क्षमता निर्माण में सहयोग शामिल है।

भारतीय कंपनियां इथियोपिया में सबसे बड़ी निवेशक

मोदी ने कहा कि भारतीय कंपनियां इथियोपिया में सबसे बड़े निवेशकों में शामिल हैं। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में पांच अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है और 75,000 से ज्यादा रोजगार सृजित किए हैं। उन्होंने इथियोपिया के विकास में हजारों भारतीय शिक्षकों के योगदान का भी जिक्र किया। उन्होंने घोषणा की कि भारत और इथियोपिया ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि विकासशील देशों के रूप में, भारत और इथियोपिया एक-दूसरे से बहुत कुछ सीख सकते हैं और एक-दूसरे को बहुत कुछ दे सकते हैं।

सुरक्षा कारणों से भारत ने ढाका में बंद किया वीजा आवेदन केंद्र

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका स्थित भारतीय वीजा आवेदन केंद्र (आईवीएसी) ने मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखते हुए बुधवार को अपना कार्यालय बंद कर दिया। ढाका के जमुना फ्यूचर पार्क (जेएफपी) में स्थित आईवीएसी राजधानी में सभी भारतीय वीजा सेवाओं के लिए मुख्य एवं एकीकृत केंद्र है।

आईवीएसी ने कहा कि बुधवार को आवेदन जमा करने के लिए निर्धारित अपॉइंटमेंट स्लॉट वाले सभी आवेदकों के 'अपॉइंटमेंट' पुनर्निर्धारित किए जाएंगे। इससे पहले दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्लाह को तलब किया और कुछ चरमपंथी तत्वों द्वारा ढाका स्थित भारतीय मिशन के आसपास सुरक्षा संकट पैदा करने की साजिश के एलान को लेकर गंभीर चिंता जताई।

बीमा क्षेत्र में अब शत-प्रतिशत एफडीआई

नई दिल्ली, एजेंसी

- सबका बीमा सबकी रक्षा विधेयक को मिली संसद की मंजूरी

बीमा क्षेत्र में शत-प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रावधान करने वाले 'सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानूनों में संशोधन) विधेयक, 2025' को बुधवार को संसद की मंजूरी मिल गई। राज्यसभा ने विधेयक पर चर्चा और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब के बाद बुधवार को विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इसे मंगलवार 16 दिसंबर को ही पारित कर चुकी थी।

चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि शत-प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देने से विदेशी कंपनियों के लिए भारत में आना आसान होगा और उन्हें स्थानीय भागीदार खोजने की जरूरत नहीं होगी। इससे देश में बीमा कवरेज बढ़ेगा, प्रीमियम में कमी आएगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

ये होंगे बीमा क्षेत्र में प्रमुख बदलाव

- शत-प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देने के साथ पहली बार प्रावधान किया गया है कि एक बीमा कंपनी का गैर-बीमा कंपनी के साथ विलय किया जा सकता है या उसे बीमा तथा गैर-बीमा कंपनियों में बांटा जा सकता है। इसके लिए बीमा नियामक से अनुमति लेनी होगी।
- पांच प्रतिशत से कम के हिस्सेदारी स्थानांतरण के लिए पूर्वानुमति की जरूरत नहीं होगी। सभी बीमा कंपनियों और बिचौलियों के लिए अपने नाम में ''बीमा'' शब्द रखना अनिवार्य होगा। नियमों के उल्लंघन पर अधिकतम जुर्माना एक करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये कर दिया गया है।
- अब बीमा कंपनियों और बिचौलियों के लिए जुर्माने के नियम एक समान कर दिए गए हैं। पहले जहां गड़बड़ी पाये जाने पर बिचौलियों का लाइसेंस सीधे रद्द कर दिया जाता था, अब लाइसेंस निलंबित करने का प्रावधान किया गया है ताकि उन्हें सुधार करने का मौका दिया जा सके।

पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार को उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है। आयोग के माध्यम से प्रदेश में माध्यमिक और उच्च शिक्षा स्तर पर शिक्षकों की भर्ती की जानी है।

वर्ष 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी प्रशांत इसी वर्ष मई में सेवानिवृत्त हुए थे। रिटायरमेंट के बाद योगी सरकार ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। वह करीब डेढ़ साल तक प्रदेश के कार्यवाहक डीजीपी रहे और मुख्यमंत्री के सबसे भरोसेमंद अधिकारियों में उनकी गिनती होती रही है।प्रशांत कुमार मूल रूप से बिहार के सीवान जिले के निवासी हैं।

छत्तीसगढ़: पूर्व सीएम बघेल की उपसचिव रहीं सौम्या गिरफ्तार

रायपुर, एजेंसी

- ईडी ने शराब घोटाले के मामले में की गिरफ्तारी तीन दिन की हिरासत मांगी

ईडी ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यालय में पदस्थ रहीं राज्य प्रशासनिक सेवा की निलंबित अधिकारी सौम्या चौरसिया को शराब घोटाले में गिरफ्तार कर लिया। बुधवार को उन्हें रायपुर स्थित विशेष अदालत में पेश कर ईडी ने आगे की जांच के लिए तीन दिन की हिरासत की मांग की। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।

सौम्या चौरसिया कोयला लेवी घोटाले में भी आरोपी हैं। इस मामले में उन्हें 2022 में गिरफ्तार किया गया था। इस साल मई में सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के बाद जेल से रिहा किया गया था। ईडी के अनुसार, जांच के दौरान शराब और कोयला घोटाले से जुड़े कई महत्वपूर्ण आर्थिक लेनदेन और डिजिटल साक्ष्य सामने आए हैं। इन्हीं तथ्यों के आधार पर सौम्या को पूछताछ के लिए ईडी ने मंगलवार को तलब किया था।

पोंजी घोटाले में ईडी ने दंपती को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। ईडी ने एक दंपती को 300 करोड़ रुपये से अधिक की बहुस्तरीय विपणन योजना (पोंजी घोटाला) की साजिश को अंजाम देकर लोगों से ठगी के आरोप में गिरफ्तार किया है।

एजेंसी के मुताबिक 'मैक्सीजोन टच' नाम की कंपनी के निदेशक चंदर भूषण सिंह और उनकी पत्नी प्रियंका को मंगलवार को झारखंड के रांची में पीएमएलए के हिरासत में लिया। झारखंड पुलिस ने भी कुछ महीने पहले उन्हें गिरफ्तार किया था। दंपती पर उच्च मासिक रिटर्न पर आकर्षक लाभों का वादा करके लोगों के साथ बड़ी धोखाधड़ी की थी।

समारोह | पीएसी के स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया आह्वान

साहस-कर्तव्यनिष्ठा को अपनी पहचान बनाएं पीएसी के जवान

- सम्मान और सुविधाओं व संसाधनों निरंतर वृद्धि का दिलाया भरोसा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएसी के जवानों से अपील की कि साहस, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, व्यावसायिक दक्षता व कठिन प्रशिक्षण ही उनकी पहचान बननी चाहिए। उन्होंने सरकार की ओर से उन्हें आश्वस्त किया उनके सम्मान व सरकार के स्तर पर मिलने वाली सुविधा-संसाधन में निरंतर वृद्धि होती रहेगी।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को यूपी पीएसी के स्थापना दिवस समारोह-2025 की शुरुआत करते हुए कहा कि पीएसी बल का 78 वर्ष का इतिहास अनुशासन, शौर्य, त्याग व समर्पण का

समारोह में पीएसी की एक अधिकारी को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी।

रहा है। उन्होंने पीएसी की ओर से आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन व अवलोकन किया। सीएम ने कहा कि यूपी में पीएसी बल आंतरिक सुरक्षा, कानून व्यवस्था, आपदा प्रबंधन, प्रदेश में महत्वपूर्ण त्योहारों, अतिविशिष्ट महानुभावों के आगमन, लोकतंत्र के महापर्व चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से सुनिश्चित करने के साथ संवेदनशील परिस्थितियों में अग्रिम मोर्चे पर कार्य करता है। पीएसी के अधिकारी व कार्मिक विभिन्न आयामों के माध्यम से न सिर्फ यूपी, बल्कि देश के अंदर यूपी पीएसी बल, एसएसएफ, यातायात पुलिस, प्रतिसार निरीक्षक ड्यूटी, प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षक, एटीएस व एसटीएफ कमांडो के रूप में सेवाएं प्रदान कर कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं।

पीएसी के साहसिक कारनामों का किया जिक्र

सीएम योगी ने पीएसी बल के अदम्य साहस की भी चर्चा की। बताया कि 30वीं वाहिनी पीएसी के जवानों ने 13 दिसंबर 2001 को संसद पर हुए आतंकी हमले का जवाब दिया और पांचों आतंकवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया था। जुलाई 2005 में श्रीराम जन्मभूमि परिसर अयोध्या में आतंकी हमले के दौरान सीआरपीएफ, पीएसी और यूपी पुलिस की संयुक्त टीम ने सभी आतंकियों को मार गिराया गया था। कहा, यूपी के अंदर आत्मविश्वास का प्रमुख कारण कानून का राज है जो सुरक्षा के बेहतर माहौल में ही सुशासन की गारंटी दे सकता है।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 18 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

सांड़ के हमले में ग्रामीण घायल

बीसलपुर, अमृत विचार : खेत पर गेहूं की फसल देखने गए ग्रामीण को सांड़ ने हमला कर घायल कर दिया। गांव खानपुर उर्फ बीरमपुर निवासी राजेश कुमार बुधवार को खेत पर गेहूं की फसल में पानी लगाने के लिए गए थे। इसी दौरान उसने खेत में गेहूं खा रहे सांड़ को देखा तो भगाने का प्रयास किया। सांड़ ने हमला कर उसे घायल कर दिया। घायल को सीएचसी भर्ती कराया गया है।

50 उपभोक्ताओं ने कराया पंजीकरण

बिलसंडा, अमृत विचार : बिजली बिल राहत योजना के तहत लगे शिविर में 50 उपभोक्ताओं ने बुधवार को अपना पंजीकरण कराया। शिविर का आयोजन मुड़िया बिलहरा और नगर स्थित उपकेंद्र पर किया गया। जेई राजेश कुमार ने बताया कि कैंप में उपभोक्ताओं ने 305287 रुपये बकाया बिल भी जमा किया है। लोगों को योजना का लाभ उठाने के लिए जागरूक किया गया।

खुली बैठक में आशा का हुआ चयन

बिलसंडा, अमृत विचार : ब्लॉक क्षेत्र के गांव कनपरी में खुली बैठक कर आशा का चयन किया गया। गांव में कई वर्षों से आशा कार्यकर्ता का पद रिक्त था। प्रधान मुन्नी देवी ने बताया कि आशा के चयन को लेकर 11 आवेदन आए थे। जिनमें दो आशा शकुंतला और दिव्यांशी वर्मा का चयन किया। इस दौरान एडीओ पंचायत कृष्णा देवी, सचिव इबरार, एएनएम कल्पना, प्रधानपति नंदराम आदि मौजूद रहे।

379 पात्रों को बांटे गए स्वीकृति प्रमाण पत्र

बरखेड़ा, अमृत विचार : ब्लॉक सभागार में बुधवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, भाजपा जिला उपाध्यक्ष ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश कुमार गंगवार ने 379 लाभार्थियों को स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किए। इसके तहत आवास निर्माण के लिए 1.20 लाख रुपये की धनराशि तीन किस्तों में स्वीकृत की जाती है। इस दौरान उन गरीब परिवारों से अपील की गई जो अभी तक इस योजना का लाभ नहीं ले सके हैं। ऐसे लोग ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सचिव और खंड विकास अधिकारी से संपर्क कर अपने आवेदन पत्र भरवा सकते हैं। परियोजना निदेशक पवन कुमार, बीडीओ वेदप्रकाश, नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता, अमित कुशवाहा, नवीन यादव, दिगंबर दयाल समेत अन्य रहे।

रैन बसेरा मुसाफिरों की पहुंच से दूर, खुले में सो रहे लोग

पालिका की ओर से मोहल्ला भूरे खां में स्थायी और रोडवेज परिसर में अस्थाई रैन बसेरा बनाया, अव्यवस्था देख लौट रहे राहगीर

- व्यवस्था के नाम पर अधूरी तैयारी, लोग परेशान, अधिकांश जगह नहीं जल रहे अलाव

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : ठिठुराती सर्द रातें, घना कोहरा और गलन भरी हवाएं। इनके बीच शहर में मुसाफिरों और बेघर लोगों के लिए राहत की व्यवस्था कागजों तक ही सिमटी नजर आ रही है। नगर पालिका की ओर से मोहल्ला भूरे खां में स्थायी और रोडवेज परिसर में अस्थाई रैन बसेरा बनाया गया है। मगर वह मुसाफिरों की पहुंच से दूर हैं। रेलवे स्टेशन से रैन बसेरा की दूरी करीब दो किमी है। जहां अनजान मुसाफिर का पहुंचना आसान नहीं है। वहीं अस्थायी रैन बसेरा रोडवेज पर बनाया गया है, जहां मुसाफिर तो दूर कोई कर्मचारी भी रात में नहीं मिलता। नतीजतन यात्री खुले आसमान के नीचे ठंड से जूझने को मजबूर हैं। अलाव की व्यवस्था भी अधिकांश स्थानों पर गायब है।

नगरपालिका की ओर से हर साल सर्दी के मौसम में इन दिनों बसेरा और अलाव की व्यवस्था कराई जाती है। यह व्यवस्था अभी तक जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पा रही है। ठंड से राहत देने के लिए नगरपालिका की ओर से अलाव का टेंडर किया गया है। अलाव पर इस बार करीब आठ लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। औपचारिक तौर पर अभी 24 स्थानों पर अलाव लगाने की बात कही जा रही है। साथ ही रैन बसेरा में रजाई -गद्दे और अन्य सामान की उपलब्ध कराने का दावा है। मंगलवार रात इसकी पड़ताल की गई तो स्थायी रैन बसेरा में अभी तक कोई भी मुसाफिर ठहरने के लिए नहीं पहुंचा है। जिसके पीछे वजह है कि पालिका की ओर से रैन बसेरा की व्यवस्था के कोई होर्डिंग और प्रचार- प्रसार नहीं कराया गया है। रैन बसेरे का पता न होने के कारण अधिकतर मुसाफिर स्टेशन की बेंच और खुले आसमां के नीचे सोते मिले। कोई एक कंबल ओढ़ लिपटे था तो कोई बिना कंबल के सोता मिला। इतना ही नहीं टनकपुर हाईवे पर बने यात्री शेड में भी एक युवक कंबल ओढ़कर सोता देखा गया। जबकि रोडवेज में बने अस्थायी रैन बसेरा पर एक्का -दुक्का यात्री ही पहुंचे। जो चंद घंटे ठहराने के बाद वहां से रवाना हो गए।

छतरी चौराहा पर अलाव के नाम पर पालिका की ओर से डाली गई पेड़ की जड़।

अलाव के नाम पर खानापूर्ति

एक ओर रैन बसेरा के नाम पर औपचारिकता पूरी की गई है। वहीं दूसरी ओर अलाव के नाम पर खानापूर्ति चल रही है। निर्धारित 24 स्थानों में सिर्फ चुनिंदा स्थानों पर अलाव लगवाए जा रहे हैं। अलाव के नाम पर लकड़ी नहीं। वहां पेड़ की मोटी और गीली जड़े डाली जा रही है। जो जलाना तो दूर ठीक से सुलग भी नहीं रही। ऐसे में अलाव सिर्फ नाम मात्र के ही साबित हो रहे हैं। मंगलवार की रात नौगवां चौराहा पर अलाव मिला, जहां दो चार लकड़ी के अलावा मौके पर पेड़ की जड़े पड़ी हुई थी, जो जलने से ज्यादा धुंआ कर रही थीं। ऐसे में लोग पन्नी और अन्य सामान डालकर जलाने की कोशिश करते दिखे। इसके अलावा शहर के भीतर अन्य किसी स्थान अलाव नहीं दिखा।

खुले में कंबल ओढ़कर सोता युवक।

रैन बसेरा का पता न लगने पर स्टेशन की बेंच पर सोते मुसाफिर।

> नगरपालिका की ओर से स्थायी रैन बसेरा पहले से बना हुआ है। इसके अलावा अस्थायी रैन बसेरा रोडवेज पर बनाया गया है। जहां व्यवस्था की गई है। अलाव का टेंडर हो चुका है। अलाव जलवाए जा रहे हैं। कहीं अलाव नहीं लग रहा है, तो वहां भी लगवाया जाएगा। रैन बसेरा का प्रचार प्रसार करने के लिए भी कहा गया है। साथ ही कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई जाएगी।
> – **संजीव कुमार**, ईओ नगरपालिका पीलीभीत

मंगलवार रात स्टेशन के फर्श पर सोते मुसाफिर। ● अमृत विचार

चार दिन में 2.59 लाख बच्चों को पिलाई गई दवा

पीलीभीत, अमृत विचार : जिले में चल रहे पल्स पोलियो उन्मूलन अभियान के तहत चार दिन में ही स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बेहतरीन कार्य प्रदर्शन किया है। चार दिन में 70 फीसदी बच्चों को दवा पिलाई गई है।

क्षेत्र में बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के लिए 133 स्थायी बूथ और 38 ट्रांजिट बूथ बनाए गए। सीएमओ डॉ. आलोक कुमार ने बताया कि यह अभियान 19 दिसंबर तक चलेगा। जिसमें टीम घर-घर जाकर बच्चों को दवा पिलाएंगी। इसके लिए जिले में इस बार अभियान में 3.70 लाख बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। अभियान के लिए 1231 बूथ बनाए गए हैं। घर-घर दवा पिलाने को 801 टीमें बनाई गई हैं। इनके अलावा 38 ट्रांजिट बूथ बनाए गए हैं। यह बूथ सार्वजनिक और बाजार आदि में बनाएं जाएंगे। 38 मोबाइल टीमें बनाई गई है, जोकि क्षेत्र में भ्रमणशील रहते ईंट भट्टे और अन्य स्थानों पर काम करने वाले परिवारों के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी। अभी तक 2.59 लाख बच्चों को दवा पिला दी गई है। शेष को कवर करने के लिए टीमें लगातार भ्रमण कर दवा पिलाने का काम कर रही है।

क्रय केंद्र पर पकड़ी गई किसानों से अवैध वसूली

संवाददाता, दियोरियाकलां

अमृत विचार: एलएच चीनी मिल से संबद्ध गन्ना क्रय केंद्र पर घटतौली और किसानों से वसूली पकड़ी गई। निरीक्षण करने पहुंचे भाजपा विधायक ने गहनता से पड़ताल की तो हकीकत उजागर हो गई। विधायक ने जमकर फटकार लगाई। केंद्र प्रभारी समेत अन्य मिल के जिम्मेदारों पर एफआईआर कराने के निर्देश जिला गन्ना अधिकारी को दिए हैं।

गन्ना क्रय केंद्रों पर घटतौली और किसानों से अवैध वसूली की मिल रही शिकायतों का संज्ञान लेते हुए बीसलपुर विधायक विधायक विवेक वर्मा ने गन्ना समिति के चेयरमैन राजेश सिंह, डायरेक्टर रजनीश गंगवार, गन्ना समिति के सचिव राजेश कुमार, एसीडीआई मनोज कुमार, देवेश सिंह के साथ बुधवार को दियोरियाकलां के गन्ना क्रय केंद्र अ का निरीक्षण किया। अचानक हुई छापेमारी से क्रय केंद्र पर हड़कंप मच गया। विधायक ने क्रय केंद्र पर मौजूद किसानों से वार्ता की। जिस पर किसानों ने अनलोडिंग के नाम पर 100 रुपये की अवैध वसूली करने का आरोप लगाया। विधायक ने सेंटर इंचार्ज कमल कुमार के पास एक कापी में रखी धर्म कांटे की पर्चियां बरामद की। कापी में अलग-अलग नामों से गन्ना खरीद का हिसाब किताब लिखा पाया गया। किसानों के साथ गन्ना क्रय केंद्र पर चल रही घटतौली और अवैध वसूली पर विधायक ने नाराजगी जताते हुए फटकार लगाई। उन्होंने तत्काल जिला गन्नाधिकारी से वार्ता कर गन्ना क्रय केंद्र प्रभारी कमलेश कुमार, चीनी मिल अधिकारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए। बता दें कि संबंधित क्रय केंद्र एलएच शुगर फैक्ट्री पीलीभीत से संबद्ध हैं। लंबे समय से गन्ना क्रय केंद्रों पर बिचौलिये सक्रिय हैं। विधायक ने बताया कि गन्ना क्रय केंद्र का निरीक्षण किया गया था। इस दौरान अवैध वसूली और घटतौली पकड़ी गई है। जिसके संबंध में एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं।

गन्ना क्रय केंद्र का निरीक्षण करने पहुंचे विधायक विवेक वर्मा। ● अमृत विचार

- घटतौली करने की भी बात आई सामने, विधायक के निरीक्षण में खुली पोल
- विधायक ने गन्ना अधिकारी से वार्ता कर दिए एफआईआर कराने के निर्देश

रोटरी क्लब मेला के विजेता हुए पुरस्कृत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: शहर के राम इंटर कॉलेज मैदान पर रोटरी क्लब की ओर से आयोजित किए जा रहे शरद मेले का मंगलवार रात धूमधाम से समापन हो गया। अंतिम दिन बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे। बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने विजेताओं को पुरस्कृत किया और जमकर आतिशबाजी की गई।

कार्ड मेकिंग सीनियर वर्ग में रक्षिता प्रथम, अर्शदीप कौर द्वितीय, निकिता तृतीय रही। जूनियर वर्ग में अध्या प्रथम, श्रेष्ठा द्वितीय, स्तुति तृतीय रहीं। निर्णायक रुचि अग्रवाल व अर्चना अग्रवाल रहे। केश सज्जा प्रतियोगिता में वर्षा कुमारी प्रथम, अर्शिम द्वितीय और रमन तृतीय रहीं। जूनियर वर्ग में मानवी प्रथम, एलिना द्वितीय, जसनप्रीत कौर तृतीय रहीं। ग्रुप डांस प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। अमित भटनागर ने मिमिक्री कर सबका मनोरंजन किया। डीएम ने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों की प्रतिभागिता एवं उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है। इस मौके पर मेला चेयरमैन देवेश बंसल, अध्यक्ष डॉ. अनिल सक्सेना, परविंदर सिंह सैहमी, एसपीएस संधू, अवधेश गुप्ता, रवि अग्रवाल, मुरली मनोहर अग्रवाल, डॉ. अनुरिता सक्सेना, सतीश जायसवाल, डॉ. एसके अग्रवाल, अंचल गुप्ता, डॉ. पीएन सक्सेना, राजीव मेहरोत्रा, राकेश अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

डीएम को सम्मानित करते रोटरी क्लब के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

- अंतिम दिन बड़ी संख्या में पहुंचे दर्शक, डीएम रहे मुख्य अतिथि

मनरेगा श्रमिकों की ई-केवाईसी में पिछड़ा जिला

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: मनरेगा में फर्जी हाजिरी का खेल रोकने को सक्रिय श्रमिकों को चेहरा प्रमाणीकरण एवं ई-केवाईसी कराने के निर्देश दिए गए हैं। मगर, जनपद में विभागीय स्तर पर यह कार्य बेहद धीमी गति से चल रहा है। ऐसे में प्रदेश स्तर पर जिले की रैंकिंग पिछड़ रही है। विभागीय अफसरों की मानें तो जनपद में लक्ष्य के सापेक्ष अब तक महज 38.75 फीसदी श्रमिकों का ही चेहरा प्रमाणीकरण एवं ई-केवाईसी कराई गई है।

रोजगार के लिए ग्रामीणों का शहरी इलाकों की ओर पलायन रोकने और गांवों का विकास करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना चलाई जा रही है। इस योजना के तहत ग्रामीण इलाकों में रहने वाले जॉब कार्ड धारक को एक वित्तीय वर्ष में अधिकतम सौ दिन का रोजगार उपलब्ध कराने का प्रावधान है। अभी तक जो व्यवस्था है, उसमें मनरेगा श्रमिकों की कार्यस्थल पर काम करते फोटो पोर्टल पर अपलोड की जाती है। इसमें फर्जीवाड़े के मामले जमकर सामने आ रहे हैं। अब इस फर्जीवाड़े पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने चेहरा प्रमाणीकरण की व्यवस्था शुरू की है। इस नई व्यवस्था के तहत मनरेगा श्रमिकों का चेहरा मिलान कर ऑनलाइन हाजिरी सत्यापित की जाएगी। इधर जनपद में इस नई व्यवस्था के तहत ई-केवाईसी और फेस ऑथेंटिकेशन की जिम्मेदारी सभी 7 ब्लॉक के रोजगार सेवकों को दी गई है। जनपद की बात करें तो वर्तमान में 2.51 लाख जॉब कार्डधारक पंजीकृत हैं। इनमें से 1,78,457 सक्रिय कार्डधारक (कार्य में आगे रहने वाले) हैं। विभाग की ओर से इन सभी सक्रिय जॉब कार्ड धारकों का चेहरा प्रमाणीकरण और ई-केवाईसी की जानी है।

- जिले में महज 38.75 प्रतिशत श्रमिकों की हो सकी है ई-केवाईसी
- ई-केवाईसी में लापरवाही बरतने पर पांच ब्लॉकों के बीडीओ को जारी किए गए नोटिस

> शासन के निर्देशानुसार जनपद के मनरेगा श्रमिकों का चेहरा प्रमाणीकरण एवं ई-केवाईसी का कार्य कराया जा रहा है। इस कार्य में जनपद प्रदेश में 45वें नंबर पर है। ब्लॉक स्तर पर कार्य की स्थिति ठीक न होने के कारण पांच ब्लॉकों के खंड विकास अधिकारियों को नोटिस जारी किया गया है।
> – **हेमंत कुमार यादव**, डीसी मनरेगा।

अभी 1.09 लाख का चेहरा प्रमाणीकरण होना बाकी

जनपद में 1,78,457 मनरेगा श्रमिकों का चेहरा प्रमाणीकरण और ई-केवाईसी की जानी है। जिसके सापेक्ष अब तक महज 96216 मनरेगा श्रमिकों का ही चेहरा प्रमाणीकरण व ई-केवाईसी हो सकी है। ऐसे में अभी 1,09241 श्रमिकों का चेहरा प्रमाणीकरण एवं ई-केवाईसी कराई जानी शेष है। इस कार्य को लेकर संबंधित सभी सातों ब्लाक पर नजर डाले तो ब्लॉक पूरनपुर में 44.41 प्रतिशत कार्य पूरा किया जा सका है। जबकि लालौरीखेड़ा ब्लॉक में 31.65 प्रतिशत, बीसलपुर 35.93, मरौरी 39.69, बिलसंडा 34.65 और बरखेड़ा ब्लॉक में 38.22 प्रतिशत श्रमिकों का चेहरा प्रमाणीकरण एवं ई-केवाईसी हो सकी है। ऐसे में चेहरा प्रमाणीकरण एवं ई-केवाईसी कार्य में प्रदेश स्तर पर जिला 45वें पायदान पर पहुंच गया है। प्रदेश के कुछ जिलों में यह कार्य पूरा होने की ओर पहुंच चुका है। इधर कार्य की धीमी प्रगति पर अब ब्लॉक बीसलपुर, मरौरी, बिलसंडा, लालौरीखेड़ा और ब्लॉक बरखेड़ा ब्लॉक के खंड विकास अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

निष्क्रिय कार्यकर्ताओं पर होगी कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: समाजवादी पार्टी की ओर से पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र की बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) समीक्षा कार्यक्रम का आयोजन कोतवाली रोड पर एक प्रतिष्ठान में हुआ। जिसमें एसआईआर समीक्षा को लेकर विस्तार से चर्चा कर आगामी रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद एवं लोकसभा प्रभारी वीरपाल सिंह यादव रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने की। विशिष्ट अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष उमाशंकर यादव रहे।

मुख्य अतिथि वीरपाल सिंह यादव ने कहा लोकतंत्र की मजबूती में बीएलए की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। एसआईआर प्रक्रिया में पूरी सतर्कता और ईमानदारी से कार्य करते हुए किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकना सबकी जिम्मेदारी है। कहा जो लोग आज अनुपस्थित हैं। वह गलतफहमी में न रहें, चाहे वह टिकट आवेदक ही क्यों न हो, टिकट उन्हें ही मिलेगा, जिन्होंने इस कार्यक्रम में सहयोग किया होगा। निष्क्रिय कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई होगी। जिला अध्यक्ष ने कहा समाजवादी पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। बीएलए समीक्षा कार्यक्रम का उद्देश्य जमीनी स्तर पर कार्यों की समीक्षा कर कमियों को दूर करना है। युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू ने कहा कार्यकर्ताओं की एकजुटता ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। एसआईआर समीक्षा के माध्यम से मतदाता सूची को लेकर पूरी सतर्कता बरतना जरूरी है, ताकि किसी भी वर्ग का नाम न कटने पाए। इस मौके पर अजय भारती, संजय सिंह यादव, पवन सिंह यादव, नोमान अली वारसी, प्रशांत यादव, रामसेवक प्रजापति, ओम शर्मा, मीता सिंह दयाशंकर पासवान, मोहम्मद तुफैल अहमद, नसरुद्दीन, प्रशांत कुमार अवस्थी, सुधीर दीक्षित समेत अन्य रहे।

समीक्षा बैठक को संबोधित करते पूर्व राज्यसभा सांसद वीरपाल सिंह यादव। ● अमृत विचार

- एसआईआर समीक्षा कार्यक्रम में पहुंचे पूर्व सांसद वीरपाल सिंह

प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 19 को

पीलीभीत, अमृत विचार : जिला सेवायोजन अधिकारी विवेक कुमार शुक्ला ने बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय की ओर से 19 को एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाएगा।

रोजगार मेले में प्रतिष्ठित कंपनी एचसीएल ट्रेनिंग एंड स्टाफिंग सर्विस प्राइवेट लिमिटेड योग्य युवाओं को रोजगार का अवसर देगी। प्लेसमेंट ड्राइव में वही अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकेंगे, जिन्होंने वर्ष 2024 या 2025 में इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण की हो। यूपी बोर्ड के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम 60 प्रतिशत, सीबीएसई बोर्ड के लिए 70 प्रतिशत अंक अनिवार्य हैं। साक्षात्कार के लिए अभ्यर्थियों की आयु 17 से 23 वर्ष के बीच होनी चाहिए। अभ्यर्थियों को मेले में प्रतिभाग करते समय समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्र लेकर पहुंचे।

गन्ना लदे ट्रक में घुसी बस, छह यात्री घायल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : घने कोहरे की वजह से दृश्यता कम होते ही पूरनपुर मार्ग पर बड़ा हादसा हो गया, जब सड़क किनारे खड़े खराब गन्ना लदे ट्रक में तेज रफ्तार रोडवेज बस जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में चालक समेत छह यात्री घायल हो गए, जिन्हें पुलिस ने तत्काल अस्पताल भिजवाया।

मंगलवार देर रात पीलीभीत–पूरनपुर मार्ग पर पिपरिया कॉलोनी मोड़ के पास एक गन्ने से लदा ट्रक खराब होकर सड़क किनारे खड़ा हो गया था। ट्रक पूरनपुर से पीलीभीत की ओर जा रहा था। घने कोहरे के कारण ट्रक सड़क पर ठीक से दिखाई नहीं दे रहा था। इसी दौरान पूरनपुर की ओर से आ रही एक कार पीछे से ट्रक में जा टकराई। गनीमत रही कि इस पहली टक्कर में कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ, हालांकि वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। इसके करीब दो घंटे बाद कोहरे की मार और बढ़ गई। रात करीब 3 बजे पूरनपुर की ओर से पीलीभीत आ रही पीलीभीत डिपो की रोडवेज बस भी उसी खराब ट्रक से पीछे जा टकराई। अचानक हुई टक्कर से बस के आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसे के वक्त बस में चालक, परिचालक और कुछ यात्री समेत कुल छह लोग सवार थे। टक्कर लगते ही बस में हड़कंप मच गया और यात्री सहम गए। हादसे में बस चालक ब्रह्म पुत्र अंगन लाल निवासी चिन्नौर थाना बरखेड़ा समेत यात्रियों को चोटें आईं। बस में सवार

हादसे में क्षतिग्रस्त हुई रोडवेज बस व मौके पर लगी भीड़। ● अमृत विचार

- सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को भिजवाया अस्पताल

आयुष शर्मा पुत्र दीपक शर्मा निवासी आवास विकास कॉलोनी पीलीभीत को भी मामूली चोटें लगीं। सूचना मिलते ही थाना गजरौला पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को उपचार के लिए सीएचसी गजरौला भिजवाया। राहत की बात यह रही कि बस में यात्रियों की संख्या कम थी, अन्यथा हादसा और भी भयावह हो सकता था। एसओ गजरौला ब्रजवीर सिंह ने बताया कि हादसे का मुख्य कारण घना कोहरा और कम दृश्यता प्रतीत हुई है। वाहन चालकों से अपील है कि कोहरे के दौरान धीमी गति से वाहन चलाएं, फॉग लाइट और इंडिकेटर का प्रयोग करें। सड़क किनारे खड़े वाहनों को उचित संकेतकों के साथ खड़ा किया जाए, ताकि ऐसे हादसों से बचा जा सके।

दूसरे दिन भी जारी रहा सर्दी का सितम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : दूसरे दिन भी सर्दी ने जिले में अपना पूरा असर दिखाया। घने कोहरे और बर्फीली हवाओं के चलते धूप नहीं निकली, जिससे दिनभर गलन का एहसास रहा। पहाड़ों पर हो रही लगातार बर्फबारी का असर तराई क्षेत्र तक दिखाई दे रहा है। तापमान में आई गिरावट ने आम जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। हालात को देखते हुए प्रशासन ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर विद्यालयों के समय में बदलाव किया, ताकि ठंड और कोहरे से राहत मिल सके।

मंगलवार की तरह बुधवार सुबह घने कोहरे और बर्फीली हवाओं के साथ हुई। तेज हवा से लोगों को कोहरा और बादल छंटने की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पूरे दिन आसमान में धुंध छाई रही। कोहरे की चादर से लिपटे शहर में दिन भर चालक वाहनों की लाइटें जलाकर सफर करते हुए दिखाई दिए। सर्दी का आलम यह रहा कि लोग जगह-जगह अलाव तपाते नजर आए। सरकारी कार्यालयों में भी अफसर और कर्मचारी ब्लोअर और हीटर के आगे बैठे रहे। बाइकों पर लोग कंबल, कैप, मफलर आदि लगाए हुए दिखाई दिए। अधिकतम तापमान 20.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 08.01 डिग्री सेल्सियस रहा। दिन भर 18 से 20 किलोमीटर की रफ्तार से बर्फीली हवाएं चलती रही। यहीं हाल मंगलवार को देखने को मिला। इस दिन भी न्यूनतम तापमान छह डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बर्फीली हवाएं लोगों को नश्तर सी चुभती रही। बाजार में भी कई जगह सन्नाटा पसरा रहा। हालांकि गर्म कपड़ों का बाजार में गर्माहट देखने को मिली। जहां लोग गर्म कैप, जैकेट आदि की खरीदारी करते देखे गए। सर्द मौसम होने की वजह से अस्पतालों में बुखार, खांसी, जुकाम आदि बीमारियों के मरीज भी सामने आ रहे हैं। कृषि वैज्ञानिक डॉ. एसएस ढाका ने बताया कि 22 दिसंबर तक मौसम खराब रहने की आशंका है।

छतरी चौराहा पर छाया रहा कोहरा।

- पहाड़ों पर बर्फबारी से तराई में बढ़ी गलन, तापमान में गिरावट

शहर में आज

- शहर के अग्रवाल सभा भवन में श्रीमद भागवत महापुराण कथा शाम 6 .30 बजे।
- पावर कारपोरेशन की ओर से ग्रामीण अंचलों में राहत शिविर सुबह 10 बजे से।
- पल्स पोलियो अभियान के तहत घर-घर दवा का वितरण सुबह 09 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

चोरी के मोबाइल के साथ चोर पकड़ा

पीलीभीत, अमृत विचार : सुनगढ़ी थाना क्षेत्र निवासी नर्सरी संचालक जगन्नाथ का मोबाइल चोरी हो गया था। जो गौहनिया चौराहे के पास स्थित एक पेट्रोल पंप पर चार्जिंग पर लगा मिला। नर्सरी संचालक और उनके परिजन मौके पर पहुंच गए और मोबाइल चार्ज कर रहे युवक को पकड़ लिया और आरोपी की पिटाई लगा दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। इंस्पेक्टर नरेश त्यागी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

दो स्थानों पर लगी आग, सामान जला

बीसलपुर, अमृत विचार : ग्राम चौसर हरदोपट्टी निवासी धनीराम के घर पर पड़ी झोपड़ी में अलाव की चिंगारी से आग लग गई। हादसे में भूसा, लकड़ी समेत अन्य सामान जलकर नष्ट हो गया। पीड़ित ने 20 हजार से अधिक का नुकसान बताया है। इसके अलावा नगर के मोहल्ला दुर्गा प्रसाद निवासी अनिल कुमार कश्यप के घर में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। कमरे में रखे कपड़े, गद्दे ,मेज चारपाई समेत 15 हजार रुपये का नुकसान हो गया। दोनों हादसों की सूचना तहसील कार्यालय स्थित दैवीय आपदा पटल को दे दी गई है। राजस्व कर्मी अग्निकांड का आकलन कर रहे हैं।

18 से होंगी क्रीड़ा प्रतियोगिता

पीलीभीत, अमृत विचार : गांधी स्टेडियम में दो दिवसीय जिला स्तरीय 41वीं क्रीड़ा प्रतियोगिता 18 और 19 दिसंबर को होगी। इसकी शुरुआत बतौर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह कराएंगे। 18 और 19 दिसंबर को गांधी स्टेडियम में 41वीं जिला स्तरीय वाल क्रीड़ा प्रतियोगिता होगी जिसका उद्घाटन जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह करेंगे। इधर सर्दी बढ़ चुकी है। ऐसे में अब अवकाश की अफवाह तेज है। फिलहाल अवकाश या प्रतियोगिता से जुड़ा कोई नया आदेश भी जारी नहीं किया गया है ।

पूरनपुर में बाघ तो बीसलपुर में तेंदुआ का आंतक

बर्रामऊ में सुरक्षा की दृष्टि से गांव के बाहर दो एनाइडर समेत कैमरे लगाकर की जा रही निगरानी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

बर्रामऊ में एनाइडर लगाने के बाद निगरानी में जुटी वनकर्मियों की टीम।

अमृत विचार: बढ़ती ठंड के साथ ही जंगल से वन्यजीवों के बाहर निकलने का सिलसिला जारी है। वन एवं वन्यजीव प्रभाग की पूरनपुर रेंज में इन दिनों एक बाघ की आबादी क्षेत्र में चहलकदमी से गांवों में दहशत है। वहीं बीसलपुर रेंज के अंतर्गत गांव बर्रामऊ में सप्ताह भर से एक तेंदुआ कुनबे के साथ डेरा जमाए हुए हैं।

बुधवार को बाघ पूरनपुर रेंज के अंतर्गत गांव लोहरपुरा के नजदीक देखा गया। हालांकि यहां बाघ को पकड़ने के लिए पिंजड़ा लगाया गया है। जबकि बर्रामऊ गांव में सुरक्षा की दृष्टि से निगरानी का दायरा बढ़ाते हुए कैमरों की संख्या बढ़ाई गई है। साथ ही तेंदुआ आबादी क्षेत्र में न पहुंच जाए, इसको लेकर गांव की सीमा पर दो एनाइडर भी लगाए गए हैं। वन अफसरों का कहना है कि दोनों स्थानों पर ही टीमें निगरानी में जुटीं है। कोई अप्रिय घटना न हो, इसको लेकर ग्रामीणों को भी सतर्क किया जा रहा है।दरअसल जंगल से बाहर निकले बाघ-तेंदुआ खेतों में खड़े गन्ने को ही अपना मुफीद वास स्थल मानकर डेरा जमा लेते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक जंगल से बाहर निकले इन वन्यजीवों को आसानी से शिकार और पानी मिल जाता है। इधर बीते कई दिनों से बराही पीलीभीत टाइगर रिजर्व की बराही रेंज से सटे हुए गांवों में एक बाघ की चहलकदमी देखी जा रही है। हालांकि यह क्षेत्र वन एवं वन्यजीव प्रभाग पूरनपुर रेंज के अंतर्गत आता है। खेतों में डेरा जमाए बाघ लगातार पशुओं को निवाला बना रहा है। खेतों में बाघ की लगातार मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। हालांकि बाघ के बढ़ते मूवमेंट को देखते हुए उच्चाधिकारियों के निर्देश पर वन एवं वन्यजीव प्रभाग द्वारा गांव लोहरपुरा के नजदीक पिंजड़ा भी लगाया गया है।

- लोहरपुरा के नजदीक दिखे बाघ के पगमार्क, दोनों स्थानों पर टीमें कर रही निगरानी

जबसे पिजड़ा लगाया गया है बाघ एक बार भी पिंजड़े के आसपास नहीं पहुंचा। हालांकि पूरनपुर रेंज के वनकर्मियों की टीम लगातार बाघ की निगरानी में जुटी हुई है। बीते मंगलवार को बाघ के ताजा पगमार्क गांव पताबोझी के आसपास देखे गए थे। इसके बाद वनकर्मियों ने पगमार्क ट्रेस करने के बाद निगरानी बढ़ा दी थी। इधर बुधवार सुबह बाघ के पगमार्क गांव लोहरापुरा के नजदीक देखे जाने से हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची टीमों ने बाघ के पगमार्क ट्रेस करने के बाद ग्रामीणों को सतर्कता बरतने की अपील की है। पूरनपुर रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी सोवरन सिंह ने बताया कि टीमें लगातार बाघ की निगरानी कर रही है। बुधवार को लोहरपुरा के नजदीक पगमार्क ट्रेस किए हैं। ग्रामीणों को भी सतर्क किया जा रहा है।

तेंदुआ के नजदीक आने से बजेगा सायरन

वन एवं वन्यजीव प्रभाग की बीसलपुर रेंज के अंतर्गत बरखेड़ा ब्लॉक के गांव बर्रामऊ में 9 दिसंबर से एक तेंदुआ डेरा जमाए हुए हैं। ग्रामीणों की मानें तो तेंदुआ के साथ दो शावक भी देखे जा रहे हैं। वनकर्मियों की टीमों द्वारा खेतों में तेंदुआ के पगमार्क ट्रेस होने के बाद संबंधित क्षेत्र में तीन कैमरा ट्रैप लगाकर निगरानी शुरू की गई थी। बताते हैं करीब दो दिन पूर्व गांव की एक महिला गोबर डालने खेतों की ओर जा रही थी। रास्ते में तेंदुआ देख महिला ने भागकर जान बचाई। जिस स्थान पर तेंदुआ देखा जा रहा है, उसके नजदीक ही ग्राम प्रधान माखन लाल का घर भी है। बुधवार को तेंदुआ की बढ़ते मूवमेंट को देखते हुए यहां डब्ल्यूटीआई की ओर से दो एनाइडर (ऑटोमैटिक सायरन) लगा दिए गए हैं। ताकि तेंदुआ के आबादी के नजदीक आने पर ग्रामीणों को इसकी जानकारी हो सके। साथ यहां एक कैमरा ट्रैप और लगाया गया है। ऐसे में अब यहां कैमरा ट्रैप की संख्या बढ़कर चार हो चुकी है। वन दरोगा सुरेश गंगवार ने बताया कि बुधवार को तेंदुआ की कोई लोकेशन नहीं मिल सकी है। सुरक्षा की दृष्टि से एनाइडर लगाने के साथ कैमरों की संख्या भी बढ़ा दी गई है।

लीज की मियाद पूरी, पेट्रोल पंप का लाइसेंस निरस्त

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- पूर्व मंत्री की जमीन पर बहन के नाम पर था पेट्रोल पंप का लाइसेंस
- जिलाधिकारी और पूर्ति अधिकारी ने की कार्रवाई

अमृत विचार : जमीन के लीज का समय पूरा होने के बाद पूर्व मंत्री की बहन के पेट्रोल पंप की एनओसी डीएम ने निरस्त कर दिया। इस के बाद पूर्ति विभाग ने कार्रवाई करते हुए संबंधित पेट्रोल पंप का लाइसेंस निरस्त कर पेट्रोल डीजल की बिक्री पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। पूर्व मंत्री के अधिवक्ता की ओर से की गई शिकायत पर संज्ञान लेते हुए प्रशासन ने कार्रवाई की है। फिलहाल मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री डॉ .विनोद तिवारी के अधिवक्ता ने बीते दिनों एक शिकायत की थी, कि कस्बा गजरौला में तिवारी फिलिंग स्टेशन के नाम से पेट्रोल पंप है। ये जमीन पूर्व मंत्री की है। पेट्रोल पंप का लाइसेंस उनकी बहन विमला अवस्थी के नाम पर था। पूर्व में विवाद होने पर शिकायतें हुई और पेट्रोल पंप बंद कर दिया गया था। हालांकि कुछ समय बाद समझौते के आधार पर मामला निपटाने के प्रयास किए जाते रहे, जो कि सफल नहीं हुए। उधर, स्टे मिलने पर दोबारा से पेट्रोल पंप संचालित हो गया।

इसी बीच जमीन की लीज की मियाद पूरी हो गई। जिसे लेकर शिकायत कर दी गई। इस पर डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने संज्ञान लेते हुए जांच के बाद पेट्रोल पंप की एनओसी निरस्त कर दी है। इधर, एनओसी के निरस्त होने के बाद पूर्ति विभाग के स्तर से भी कार्रवाई को गति दी गई। जिला पूर्ति अधिकारी ने पेट्रोल पंप का लाइसेंस भी निरस्त कर दिया है। जिसके साथ ही संबंधित पेट्रोल पंप पर डीजल पेट्रोल की बिक्री भी बंद करने के निर्देश दे दिए गए हैं। वहीं परिवारिक विवाद में पंप के लाइसेंस का निरस्त होना चर्चा का विषय बन गया है।

वाहन की टक्कर से तेंदुआ के शावक की मौत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- वन्यजीव सामाजिक वानिकी के डीएफओ टीम के साथ पहुंचे जांच में जुटे

अमृत विचार: जिम्मेदारों की लापरवाही और वाहनों की तेज रफ्तार ने एक और वन्यजीव की जान ले ली। असम हाईवे पर गजरौला क्षेत्र में एक तेंदुआ के शावक की मौत हो गई। इसकी सूचना मिलने पर वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और पड़ताल की। वाहन के बारे में टीम जानकारी कर रही है।

बता दे कि पीलीभीत का जंगल 2014 में टाइगर रिजर्व घोषित हो चुका है। पुलिस काफी समय से जंगल से वन्यजीवों के आबादी में पहुंचने का सिलसिला भी जारी है। कई बार मानव वन्यजीव संघर्ष की स्थिति बन चुकी है। जिसमें कई इंसान जान गवां चुके है और कई बार वन्यजीवों को भी जान गवानी पड़ी है। इसके अलावा जंगल मार्गों पर वाहन की 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तय है। मगर वाहन 100 के पार भी दौड़ते है। जंगल के बाहर वन्यजीवों की आवाजाही भी नहीं रोकी जा सकी है। इधर, एक और हादसा हो गया। पूरनपुर रोड पर थाना गजरौला क्षेत्र में जंगल से बाहर निकला तेंदुआ का शावक सड़क पर आया और वाहन की चपेट में आकर जान चली गई। हादसा कटना नदी के पास जंगल से करीब आधा किमी दूर का बताया जा रहा है। शव मिलने की सूचना पर सामाजिक वानिकी के डीएफओ भरत कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जानकारी की। उनका कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

खेत के किनारे लगे पिलर उखाड़े, रिपोर्ट

पीलीभीत, अमृत विचार : प्रशासन की मौजूदगी में लगवाए गए पिलर गांव के ही लोगों ने उखाड़ दिए। विरोध करने पर किसान से मारपीट की गई।

किसान की तहरीर पर न्यूरिया पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम अनवरगंज निवासी विजयपाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया 15 दिसंबर को एसडीएम के आदेश पर हल्का लेखपाल और कानूनगो ने पुलिस की मौजूदगी में उसके खेत की पैमाइश की थी और पक्के सीमेंट के पिलर लगा दिए थे। उसके पक्के पिलर जगजीवन, इंद्रसेन,मुन्नालाल, गजेंद्र और भगवानदास ने तोड़ दिए। जब वह खेत पर गया तो पिलर टूटे देखकर उसने विरोध किया। जिस पर आरोपी लाठी -डंडे लेकर खेत पर पहुंचे और मारपीट की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

जंगल से बाहर आ रहे बाघ, सुरक्षा के नहीं इंतजाम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

किसान दिवस में मौजूद एडीएम व अन्य अधिकारी व किसान। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जिला पंचायत सभागार में बुधवार को एडीएम न्यायिक रोशनी यादव की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें किसानों से जुड़ी समस्याएं सुनी गई ओर निस्तारण का आश्वासन दिया। आबादी क्षेत्र में वन्यजीवों की दस्तक न रुकने पर किसानों ने नाराजगी भी जताई।

किसान दिवस में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, कृषि यंत्र एवं पीएमकुसुम (सोलर) पर देय अनुदान एवं लाभ के बारे में विस्तार से बताया गया। किसानों ने कहा कि वर्तमान में जंगल से कई बाघ बाहर निकल आए हैं, जिनसे जनमानस को खतरा है। इनको शीघ्र पकड़वाने की मांग की गई। किसान नेता रमेश चन्द्र दद्दा ने कहा जनपद में भूजल स्तर सुरक्षित सीमा के भीतर होने और सैकड़ों एकड़ भूमि में चैनी (साठा) धान के अतिरिक्त कोई अन्य फसल न होने के कारण जनपद से साठा धान पर लगे प्रतिबंध को हटाया जाए। ग्राम खरदाई के किसान संचित दीक्षित ने बताया कि जनपद में सहकारी समितियों पर यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि जिन किसानों को सब्जी के बीजों की बुवाई करनी है वह कार्यालय में आकर निःशुल्क बीज प्राप्त कर सकते हैं। एडीएम ने प्राप्त शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। इस मौके पर डीडी कृषि राममिलन सिंह परिहार, एक्सईएन विद्युत आशीष यादव, अधिशासी अभियंता शारदा सागर खंड पीपी गौतम , डीपीआरओ रोहित भारती, एआर कोऑपरेटिव डॉ.प्रदीप कुमार सिंह, जिला गन्नाधिकारी खुशीराम भार्गव आदि मौजूद रहे।

- किसान दिवस में एडीएम के समक्ष रखी गई समस्या
- बाहर घूम रहे वन्यजीवों को शीघ्र पकड़वाने की मांग

क्रय केंद्रों पर बिचौलिए हावी, किसान परेशान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देते भाकियू अराजनैतिक कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की मासिक पंचायत कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाध्यक्ष सरदार मंजीत सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को हुई। इसका संचालन जिला प्रभारी दिनेश कुमार ने किया। सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर को अपनी मांगों से जुड़ा ज्ञापन सौंपा।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि जनपद में किसानों की समस्याएं कई हैं, जिनका प्रशासन द्वारा निस्तारण नहीं किया जा रहा है। गन्ना क्रय केंद्रों पर प्रभारी, ठेकेदार और बिचौलियों के द्वारा किसानों से ट्रॉली लोडिंग व अनलोडिंग का चार्ज वसूला जा रहा है। इसकी शासन स्तर से जांच कराकर केंद्र प्रभारी पर दोषी पाए जाने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। बजाज हिंदुस्थान चीनी मिल बरखेड़ा में अभी भी पिछले सत्र का बकाया गन्ना मूल्य भुगतान है। जिसे ब्याज सहित किसानों को दिलाया जाए। कृषि विभाग के अधिकारी सरकारी बीज में भ्रष्टाचार कर रहे हैं। इसकी जांच कराने की मांग की। सीड्स प्लांट में नकली बीज मानक के विरुद्ध उत्पादन किए जाने का आरोप लगाया। धान क्रय केंद्रों पर फर्जी तौल किए जाने की बात कही। कहा कि आढ़ती और राइस मिलर्स का धान चढ़ाया जा रहा है। वास्तविक किसान परेशान है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के जंगल की तार व जाल फेंसिंग कराई जाए। इसके अलावा जर्जर सड़कों व पुलियों को ठीक कराने की भी मांग की गई। इस मौके पर श्रीकृष्ण शर्मा, बलजीत सिंह, निर्मल सिंह, समीम अली, हसीना बानो,चंद्रसेन,ज्वाला प्रसाद, पूरनलाल, छोटेलाल, अशोक, राजेंद्र, सर्वेश वर्मा, रेशमा वर्मा, गोपाल वर्मा, झांझनलाल आदि मौजूद रहे।

- भाकियू अराजनैतिक कार्यकर्ताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

विधवा ने दरोगा पर लगाए आरोपी से साठगांठ के आरोप

पीलीभीत, अमृत विचार : एक विधवा ने दरोगा पर गंभीर आरोप लगाए लगाते हुए एसपी से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है।

गजरौला क्षेत्र के सुहास गांव निवासी रंपा देवी ने एसपी को शिकायती पत्र देकर बताया 17 नवंबर 2022 को थाना गजरौला कलां में धारा 147, 323, 452, 504 और 506 आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि पुलिस ने आरोपियों से मिलीभगत कर मामले में अंतिम रिपोर्ट लगा दी। असंतुष्ट होकर उसने न्यायालय में प्रोटेस्ट प्रार्थना पत्र दाखिल किया था। न्यायालय ने 29 जनवरी 2025 को आदेश पारित करते हुए प्रार्थना पत्र स्वीकार किया और थानाध्यक्ष गजरौला को अग्रिम कार्रवाई के निर्देश दिए।

घोटाले के आरोपी प्रधान के अधिकार बहाल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: घोटाले में आरोपी रहे ग्राम पंचायत खजुरिया पचपेड़ा के प्रधान के अधिकार बहाल कर दिए गए। वहीं डीएम के निर्देश पर प्रकरण की अंतिम जांच में दोषी पाए गए दोनों सचिवों की वेतन वृद्धि पर साल भर के लिए अस्थाई रोक लगाते हुए प्रतिकूल प्रवृष्टि जारी की गई है।

बरखेड़ा ब्लाक की ग्राम पंचायत खजुरिया पचपेड़ा के कुछ ग्रामीणों ने शपथ पत्र सहित डीएम से शिकायत कर प्रधान एवं सचिव द्वारा ग्राम पंचायत में कराए गए कराए में वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाते हुए जांच कराने की मांग की थी। डीएम के निर्देश पर जांच अधिकारी तत्कालीन मुख्य पशु चिकित्साधिकारी एवं बाढ़ खंड के सहायक अभियंता ने गांव पहुंचकर मामले की जांच की थी। प्रारंभिक जांच में ग्राम प्रधान एवं तत्कालीन सचिव द्वारा मिलकर स्टोर पर्चेज नियमावली एवं वित्तीय नियमों का घोर उल्लंघन कर मनमाने तरीके से फर्जी बिल तैयार कर शासकीय धनराशि का दुरुपोग पाया गया था।

जांच आख्या के आधार पर ग्राम प्रधान राजेंद्र कुमार समेत ग्राम पंचायत अधिकारी केपी सिंह और ग्राम विकास अधिकारी पवन पटेल को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। तीनों ने जवाब दाखिल किए थे। तीनों के स्पष्टीकरण परीक्षण एवं परिशीलन के बाद संतोषजनक नहीं पाए गए थे। जिस पर तत्कालीन डीएम संजय कुमार सिंह ने बीते 06 फरवरी को ग्राम प्रधान राजेंद्र कुमार के अधिकारों पर रोक लगा दी थी। साथ ही प्रकरण की अंतिम जांच के लिए पीडी एवं अधिशासी अभियंता शारदा सागर खंड को जांच अधिकारी नामित करते हुए जांच करने के निर्देश दिए गए। इस बीच ग्राम प्रधान ने हाईकोर्ट में वाद दायर कर दिया। इधर, प्रकरण की अंतिम जांच की गई।

अंतिम जांच में ग्राम प्रधान घोटाले में दोषी नहीं पाए गए। अंतिम जांच रिपोर्ट के आधार पर डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने ग्राम प्रधान राजेंद्र कुमार के प्रशासनिक एवं वित्तीय अधिकारों को बहाल कर दिया।

दोषी सचिवों की वेतन वृद्धि रोकी

जांच में ग्राम पंचायत अधिकारी केपी सिंह और ग्राम विकास अधिकारी पवन पटेल दोषी पाए गए हैं। अभिलेखों को ढंग से न रखने, समय से अभिलेख प्रस्तुत न करने पर निलंबित ग्राम विकास अधिकारी पवन पटेल की एक वेतन वृद्धि पर साल भर के लिए अस्थाई रोक लगाते हुए प्रतिकूल प्रवृष्टि जारी की गई है। वहीं ग्राम पंचायत अधिकारी केपी सिंह द्वारा स्टोर पर्चेज रुल का पालन न करने का दोषी पाते हुए एक वेतन वृद्धि पर साल भर के लिए अस्थाई रोक लगाते हुए प्रतिकूल प्रवृष्टि जारी की गई है।

बस खड़ी करने को लेकर तीन चालकों में मारपीट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- अनुशासनहीनता के चलते की गई कार्रवाई, स्पष्टीकरण भी मांगा

अमृत विचार : रोडवेज बस स्टैंड पर मंगलवार को बसों को खड़ा करने के मामूली विवाद पर तीन रोडवेज बस चालक भिड़ गए। उनके बीच जमकर कहासुनी हुई, इससे बस स्टैंड पर यात्रियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रबंधन ने तत्काल मामले में हस्तक्षेप करते हुए तीनों चालकों को ऑफ रूट (रूट से हटा दिया) कर दिया है। साथ ही उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है।

घटना मंगलवार की है। जब चालक सलमान, नूर इस्लाम और प्रेम पाल अपनी-अपनी बसों को स्टैंड पर निर्धारित स्थान पर खड़ा कर रहे थे। बसों को आगे-पीछे करने या जगह घेरने को लेकर तीनों के बीच पहले हल्की नोकझोंक हुई, जो देखते ही देखते तीखी बहस और धक्का-मुक्की में बदल गई। बस स्टैंड जैसे सार्वजनिक स्थान पर चालकों के इस तरह भिड़ने से यात्री असहज हो गए और कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। विवाद की जानकारी मिलते ही सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक (एआरएम) विपुल पाराशर मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति को नियंत्रित किया और तीनों चालकों को यात्रियों और अन्य कर्मचारियों के सामने फटकार लगाई। उन्होंने यात्रियों के बीच इस तरह झगड़ा करने के मामले में तीन चालकों को ऑफ रूट कर दिया है। साथ ही तीनों से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

चौपाल में बच्चियों को बांटी हाइजीन किट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

महिलाओं की शिकायतें सुनतीं महिला आयोग सदस्य सुनीता सैनी व पुष्पा पांडेय। ● अमृत विचार

अमृत विचार : राज्य महिला आयोग की सदस्य सुनीता सैनी और पुष्पा पांडेय ने जनसुनवाई के दौरान पीड़ित महिलाओं की समस्याएं सुनी और संबंधित विभागों एवं थानों को निर्देशित किया। उन्होंने जिला कारागार का निरीक्षण कर महिला बंदियों से बातचीत कर व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी की। महिला चौपाल में बच्चियों को हाइजीन किट का वितरण किया।

राज्य महिला आयोग की दोनों सदस्य बुधवार को एक दिवसीय दौरे पर पीलीभीत पहुंची। यहां विकास भवन स्थित गोमती सभागार में आयोग सदस्य सुनीता सैनी एवं पुष्पा पाण्डेय की अध्यक्षता में जनसुनवाई कार्यक्रम हुआ। इस दौरान 15 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिसमें घरेलू हिंसा, जमीनी विवाद, मारपीट, आपसी विवाद आदि से संबंधित शिकायत पत्र शामिल रहे। इस दौरान सदस्याओं ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं की स्थलीय जांच कर उनका निस्तारण करने के निर्देश दिए। इसके बाद जिला कारागार का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने महिला बंदियों से वार्ता कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। विकासखंड मरौरी में महिला चौपाल का आयोजन किया गया। यहां पांच नवजात बच्चियों का कन्या जन्मोत्सव कराया गया। साथ ही पांच बच्चियों को हाइजीन किट वितरित की। महिला चौपाल में मौजूद जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा अपने विभाग से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी गई है। जन सुनवाई एवं महिला चौपाल में डीडीओ संजय कुमार, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी, जिला प्रोबेशन अधिकारी अनुराग श्याम रस्तोगी, बीएसए रोशनी सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी युगल किशोर सांगुड़ी, जिला समाज कल्याण अधिकारी चंद्रमोहन बिश्नोई, जिला पूर्ति अधिकारी विकास कुमार आदि मौजूद रहे। इस बीच आयोग की सदस्यों ने जिला अस्पताल का भी औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्टाफ मौजूद मिला। उन्होंने परिसर में साफ सफाई व्यवस्था देखने के साथ अन्य व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया।

- महिला आयोग की सदस्यों ने की जनसुनवाई

युवती का फोटो एडिट कर वायरल करने वाला गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- बरेली हाईवे पर टाइगर तिराहा के पास से दबोचा, जेल भेजा

अमृत विचार: युवती के फोटो एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले मोहल्ला बेनी चौधरी निवासी दानिश खां को पुलिस ने बरेली हाईवे से गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया।

गजरौला क्षेत्र के एक व्यक्ति ने बीते दिनों दिनों पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि उसके मोबाइल पर कॉल आई। फोनकर्ता ने उसके मोबाइल नंबर पर वीडियो कॉल करते हुए उसकी बहन से बातचीत की। उसकी बहन से शादी करने का दबाव बनाया। जब मना किया गया तो आरोपी ने बहन के फोटो एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। आरोपी के बारे में जांच की गई तो वह शहर के मोहल्ला बेनी चौधरी निवासी दानिश खां निकला। उसके घर जाकर शिकायत की गई तो आरोपी के परिजनों ने माफी मांगते हुए दोबारा ऐसी गलती न करने की बात कही। इसके बाद 30 सितंबर को आरोपी ने उसकी बहन के फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। एक अक्टूबर को 11 बजे फोन कॉल करके दोबारा वीडियो वायरल करने की धमकी दी। तेजाब फेंकने की भी धमकी भी दी गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू की। इंस्पेक्टर क्राइम हरसिंह पाल ने बताया कि आरोपी दानिश खां को बरेली रोड पर टाइगर तिराहा के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

अमृत विचार
बरेली, गुरुवार, 18 दिसंबर 2025
पीलीभीत

श्रद्धालुओं ने निकाली ध्वजा पताका यात्रा

श्रीराधा नाम की रही गूंज, कई जगहों पर किया फूलों से स्वागत, बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : राधा माधव संकीर्तन मंडल की ओर से आयोजित किए जा रहे रसोत्सव के दौरान शहर में धूमधाम से दिव्य कलश एवं ध्वजा पताका यात्रा निकाली गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और कई जगह स्वागत किया गया। राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकी सजाई गई।

श्रीराधा माधव संकीर्तन मंडल के तत्वावधान में शहर के अग्रवाल सभा भवन परिसर में रसोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसमें श्रीमद भागवत महापुराण कथा और श्रीधा कृष्ण रास उत्सव का मनमोहक मंचन कराया जा रहा है, जो 24 दिसंबर तक चलेगा। दूसरे दिन बुधवार सुबह भव्य कलश एवं ध्वज पताका यात्रा निकाली गई।

यात्रा में भजन कीर्तन करते चल रहे श्रद्धालु। ● अमृत विचार

यात्रा में शामिल राधा कृष्ण की झांकी। ● अमृत विचार

बड़ी संख्या में श्रद्धालु मोहल्ला मोहतसिम खां में नीरज रस्तोगी के आवास के जमा हुए। मुख्य यजमान पंकज रस्तोगी, नीरज रस्तोगी के निवास पर श्रीमद् भागवत का पूजन किया गया। महिलाएं सिर पर कलश लिए चल रही थी और हाथ में ध्वज पताका लिए श्रद्धालु शामिल हुए। भजन- कीर्तन करते हुए कलश एवं पताका यात्रा यात्रा रंगीलाल चौराहा, चूड़ी वाली गली, डमंडगंज चौराहा, चौक बाजार, शनिदेव मंदिर, गौरधाम मंदिर होते हुए वापस अग्रवाल सभा पहुंची। कई जगह पुष्प वर्षा कर इसका स्वागत किया गया। यात्रा में श्रद्धालु उत्साह के साथ राधा नाम जपते रहे। श्री युगल सरकार का सुंदर सिंहासन सजाया गया। जिस पर ठाकुरजी श्री जी के साथ विराजमान हुए। मंडल के संकीर्तनकार शिवम सैनी, शिवम सहगल, शिवम अग्रवाल, ओम वर्मा राधानाम का गुंजायमान कर रहे थे। श्रद्धालु राधा नाम की मस्ती में झूमते दिखे। लोगों ने कई जगह ठाकुरजी की आरती की। इस मौके पर प्रमोद पंत, विश्वनाथ चंद्र, दीपक गोयल, अर्पित शुक्ला, नीरज शुक्ला, शिवम अग्रवाल, शशांक अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, अजय पांडे, मनोज पटेल, मीरा, रानी, शकुंतला, गौरी आदि मौजूद रहे। इसके बाद शाम कासे वृंदावन से आए जय प्रिया शरण महाराज ने कथा का श्रवण कराया। आरती के बाद प्रसाद का वितरण किया गया।

चोरी के तीन आरोपी गिरफ्तार

● चोरी का सामान, बेचने जाते समय पकड़े गए आरोपी, भेजा जेल

पीलीभीत, अमृत विचार: नकब लगाकर मकान में चोरी की घटना को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को अमरिया पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी चोरी किए गए सामान को खेत से निकालकर बेचने के लिए जा रहे थे, तभी पुलिस के पकड़ लिया। एक आरोपी के पास से असलहा भी बरामद हुआ। पुलिस ने घटना का खुलासा कर तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया है।

अमरिया थाना क्षेत्र के ग्राम भौनी निवासी नंदलाल के घर में घुसे चोर हजारों का सामान समेट ले गए थे। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू की। जांच के दौरान इन आरोपियों के नाम सामने आए। इसके बाद पुलिस जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम सहगवां नगरिया निवासी राजीव कुमार , अशोक , महिपाल को धुंधरा गांव से गायबोझ जाने वाले मार्ग से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी राजीव के पास से प्लास्टिक के कट्टे में जूस मिक्सर समेत अन्य सामान थे। दूसरे आरोपी अशोक के पास से एक तमंचा, कारतूस मिले। महिनाल के पास से साइकिल, पीतल की परात समेत अन्य सामान बरामद हुआ।

खेलकूद स्पर्धा में शिक्षकों ने लिया भाग

बीसलपुर, अमृत विचार: जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में बेसिक एवं माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की चल रही दो दवसीय जनपद स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता बुधवार को संपन्न हो गई।

बेसिक वर्ग में बिलसंडा और माध्यमिक वर्ग में बीसलपुर ब्लॉक के शिक्षक चैंपियन रहे। विजेताओं को प्रभारी डीआईओएस व डायट प्राचार्य ने पुरस्कृत किया। कार्यक्रम प्रभारी डीआईओएस संतोष कुमार सिंह, संस्थान के प्राचार्य दरवेश कुमार ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन करके शुरू कराया। एकल प्रतियोगिताओं और रस्साकशी कराई गई। माध्यमिक बैडमिंटन पुरुष वर्ग में रामदुलारी श्यामसुंदर इंटर कॉलेज के शिक्षक राजकमल दुबे, शिवाजी यादव प्रथम रहे

बिजली कटौती से परेशान ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

बिजली कटौती से परेशान ग्रामीण प्रदर्शन करते हुए। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता पीलीभीत

अमृत विचार: तहसील बीसलपुर क्षेत्र के ग्राम चुर्रासकतपुर में तीन दिन से चल रही बिजली कटौती की समस्या से परेशान ग्रामीणों ने बुधवार को विरोध प्रदर्शन किया।

नाराज ग्रामीण बुधवार दोपहर जमा हुए और नारेबाजी कर विरोध जताया। उनका कहना था कि तीन दिन से बिजली सप्लाई बाधित है। एक ट्रांसफार्मर खराब होने के बाद गांव में अंधेरा छा गया है। कामकाज में दिक्कत आ रही है। नया ट्रांसफार्मर लगाकर सप्लाई चालू कराने की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी, यदि व्यवस्था पटरी पर नहीं आई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर जफरुद्दीन, हसन, अजीम, इरीश आदि थे।

न्यूज डायरी

जितेंद्र को अध्यक्ष तो आकाश को मिली महामंत्री की जिम्मेदारी

पीलीभीत, अमृत विचार : ठेकेदार कल्याण समिति के सदस्यों की बैठक बुधवार को हुई। जिसमें सदस्यों की सहमति से नई समिति का गठन किया गया। इस दौरान सदस्य आकाश कुमार ने अध्यक्ष पद के लिए जितेंद्र कुमार मिश्रा के नाम का प्रस्ताव रखा। जिस पर सभी ने सहमति दी। उपाध्यक्ष पद पर सुरेंद्र कुमार सागर, मोहित अग्रवाल, रामनरेश वर्मा, महामंत्री नरेंद्र कुमार उर्फ आकाश, मंत्री पद पर नवीन शर्मा, महेंद्र सोनकर, तेज बहादुर गंगवार, मनोज गुप्ता, कोषाध्यक्ष पद पर अनूप सक्सेना, मीडिया प्रभारी कपिल पांडेय, संरक्षक डोरीलाल सागर बने। इसके अलावा आदेश कुमार, सूर्य प्रताप सिंह सत्यपाल गंगवार, देवेंद्र कुमार, मनोज मिश्रा, सत्यप्रकाश, राकेश गुप्ता आदि सदस्य बनाए गए।

राज्यमंत्री ने कार्यकारी अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष से की भेंट

पीलीभीत, अमृत विचार : गन्ना विकास एवं चीनी मिल राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने बुधवार को दिल्ली में भाजपा के नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नितिन नवीन और नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी से भेंट की। संगठनात्मक विषयों, आगामी कार्य योजनाओं पर सार्थक चर्चा की। मुलाकात के दौरान कार्यकारी अध्यक्ष ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि बताते हुए आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तार से वार्ता की। जबकि नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने एवं कार्यकर्ताओं के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने पर बल दिया। साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को लाभान्वित किये जाने पर जोर दिया। राज्यमंत्री ने बताया कि कार्यकारी अध्यक्ष और नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूती से कार्य करेगा।

छात्राओं को किया जागरूक हेल्पलाइन नंबर बताए

बरखेड़ा, अमृत विचार : राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में बुधवार को मिशन शक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। छात्राओं को सुरक्षित, आत्मनिर्भर और जागरूक बनाने पर जोर दिया। दरोगा गंधरपाल यादव, सिपाही प्रीत कुमार चपराना, ललित कुमार ने कहा कि किसी भी प्रकार की असुविधा, उत्पीड़न या चिंता की स्थिति में गोपनीय रूप से वह शिकायत दर्ज करा सकती हैं। जिससे त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने छात्राओं को साइबर क्राइम से सुरक्षा की जानकारी देते हुए ऑनलाइन धोखाधड़ी, सोशल मीडिया खतरे, डिजिटल गोपनीयता जैसे विषयों पर जागरूक किया।

शिविर में पुलिसकर्मियों ने किया योग

पीलीभीत, अमृत विचार : पुलिस लाइन में एसपी अभिषेक यादव के निर्देश पर योग शिविर लगा। फिटनेस एक्सपर्ट कुलविन्दर सिंह ने रिक्रूट आरक्षियों को विभिन्न योगासनों, प्राणायाम एवं शारीरिक संतुलन बढ़ाने वाले अभ्यासों के माध्यम से योगाभ्यास कराया। योग के लाभ बताए गए। कहा कि नियमित योगाभ्यास से न केवल शारीरिक क्षमता में वृद्धि होती है, बल्कि मानसिक एकाग्रता, अनुशासन एवं तनाव प्रबंधन में भी सहायता मिलती है, जो पुलिस सेवा जैसे चुनौतीपूर्ण दायित्वों के निर्वहन के लिए बेहद आवश्यक है। प्रत्येक मनुष्य को अपने समग्र विकास के लिए योगसत्र को उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी नियमित रूप से योगाभ्यास को अपनी दिनचर्या में सम्मिलित करने पर बल दिया गया। इस मौके पर एएसपी विक्रम दहिया, सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल, सीओ लाइन आकृति पटेल आदि मौजूद रहे।

NSNH NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL
न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल
डा. प्रदीप कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
Retd. ACMO
जनरल सर्जन
डॉ. राम निवास
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
(एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डॉ. राजा गुप्ता
जनरल फिजिशियन
डॉक्टर्स पैनल
डा. प्रदीप कुमार — एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन
डा. ओमवती — एम.बी.बी.एस., डीजीओ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. अहमद अली अंसारी — एम.बी.बी.एस. डी.सी.एच. नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
डा. राम निवास — एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डा. कुन्दन कुमार — एम.बी.बी.एस., एमसीएच न्यूरो सर्जन
डा. अमन अग्रवाल — एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी.एच. गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डा. सुजाय मुखर्जी — एम.बी.बी.एस., एम.एस. जनरल सर्जन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
डा. निशान्त गुप्ता — एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. प्रिया सिंह — एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ, डी.एन.बी. स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. आशुतोष कुमार — एम.बी.बी.एस., एम.एस. हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. रहबर इदरीश — बी.डी.एस. एमआईडीए लखनऊ मुख दन्त एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ
डा. राजा गुप्ता — बी.ए.एम.एस. ई.एम.ओ.
उपलब्ध सुविधायें :
● सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज ● दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा। ● छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण ● घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध ● नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन ● बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों को इलाज ● वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU
डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर
ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन
समस्त प्रकार के दूरबीन व चीरे वाले ऑपरेशन की सुविधा
24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध
24/7 EMERGENCY SERVICES
लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं. : 8057953868

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर
डा. मोहित गुप्ता
M.Ch. Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क एवं रीढ़ रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
सुविधायें
● सिर की चोट का इलाज व आपरेशन
● रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज व आपरेशन
● ब्रेन ट्यूमर, दिमागी की गांठ तथा ब्रेन हेमरेज का आपरेशन
● दूरबीन विधि द्वारा हाइड्रो सिफेलस (दिमाग में पानी भरना) का इलाज व आपरेशन
● सिर दर्द (माइग्रेन) व मिर्गी के दौरे का ईलाज
● दिमाग के फोड़े का इलाज व आपरेशन
● गर्दन (सर्वाइकल) व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिम डिस्क का ईलाज व ऑपरेशन
● रीढ़ की नस का ट्यूमर (स्पाइनल ट्यूमर) का आपरेशन
● बच्चों के पीठ की गांठ का आपरेशन
● अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप द्वारा ईलाज
● रीढ़ की हड्डी व दिमाग की टी.बी. का इलाज व ऑपरेशन
● लकवा तथा पैरालायसिस का इलाज
बरेली न्यूरो एण्ड स्पाइन सुपर स्पेशलिटी सेन्टर
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
समय : प्रात: 10 12 बजे तक एवं सायं 6 से 8 बजे तक
लकवा के मरीजों के लिए 24 घंटे इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर
7017678157, 8077790358
7417389433, 9897287601

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. दीक्षा गंगवार
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (गोल्ड मेडलिस्ट)
(के.जी.एम.यू. लखनऊ)
निःशुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें
+91 78952 78992
समय : प्रातः 9 से 10 बजे तक, सायं 4 से 5 बजे तक
पता : स्व. केसर सिंह गंगवार कार्यालय, अशर्फी बैंकट हाल, 100 फुटा रोड, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286

न्यूज ब्रीफ

ऑपरेटरों को चार माह से नहीं मिला भुगतान

मोहम्मदी, अमृत विचार : जल जीवन मिशन के तहत कार्यरत ऑपरेटरों को पिछले चार माह से भुगतान नहीं मिला है। इससे परेशान ऑपरेटरों ने विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह से मुलाकात की और समस्या बताते हुए वेतन दिलाए जाने की मांग की। ऑपरेटर अरविंद ने विधायक को बताया कि 1 जनवरी को बहन की शादी है। वेतन न मिलने से आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सुरेश ने बताया कि चार माह से वेतन न मिलने के कारण वह अपना इलाज नहीं करा पा रहा है। अवधेश, जागेश्वर, पेशकर और इब्बन अली, शाहिद ने भी अपनी समस्या बताई। विधायक ने संबंधित अधिकारी को फोन किया और उन्हें कड़ी फटकार लगाते हुए शीघ्र वेतन देने को कहा है।

एनएसएस के छात्रों के ब्लड ग्रुप की हुई जांच

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कृषि महाविद्यालय जमुनाबाद में राष्ट्रीय सेवा योजना में नव प्रवेशित स्वयंसेवकों के ब्लड ग्रुप की जांच कराई गई। शिविर में पैथोलॉजी लैब के कर्मचारियों ने स्वयंसेवको के रक्त का नमूना लेकर उनके रक्त समूह की जांच की। यह शिविर सेवानिवृत्त एसीएमओ डॉ. रविंद्रनाथ वर्मा चिकित्सा परामर्शदाता की देखरेख में संपन्न हुआ। इस दौरान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अनिल कुमार सिंह, सह प्राध्यापक डॉ. अरुण कुमार, गेस्ट फेकल्टी डॉ. रणधीर यादव, डॉ. सतेन्द्र कुमार आदि मौजूद रहे।

20 को होगा एकेडमी का वार्षिकोत्सव

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : श्री राजेंद्र गिरि मेमोरियल एकेडमी के प्रधानाचार्य आलोक मिश्र ने बताया कि विद्यालय का वार्षिकोत्सव 20 दिसंबर को दोपहर बाद 2.30 बजे से विद्यालय परिसर में होगा। बताया कि मुख्य अतिथि कृषि, शिक्षा राज्य मंत्री बल्देव सिंह औलख और उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी होंगी। विद्यार्थियों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही विभिन्न गतिविधियों में उच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

प्रभारी निरीक्षक, चौकी इंचार्ज के साथ एक सिपाही निलंबित

एडीजी जोन ने एएसपी सीतापुर से कराई थी जांच, गंभीर लापरवाही पर हुई कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: फरधान थाना क्षेत्र में छात्राओं से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में एसपी संकल्प शर्मा ने तीसरे दिन बुधवार को प्रभारी निरीक्षक, चौकी प्रभारी और एक सिपाही को निलंबित किया है। एडीजी जोन लखनऊ ने बुधवार को सीतापुर के एएसपी से प्रकरण की जांच कराई थी। माना जा रहा है कि जांच रिपोर्ट मिलने के बाद एसपी ने एडीजी जोन के आदेश पर यह कार्रवाई की है।

थाना फरधान क्षेत्र की 14 और 17 साल की दो छात्राएं सुबह करीब 5:30 बजे साइकिलों से कोचिंग पढ़ने जा रहीं थीं। इस दौरान लखीमपुर-मैगलगंज मार्ग पर कैमासुर गांव के पास बाइक सवार तीन युवकों ने दोनों छात्राओं को रोक लिया और तमंचे के बल

थाना फरधान।

पर गन्ने के खेत में खींच ले गए थे। आरोप है कि दो आरोपियों ने 17 वर्षीया छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म किया था। घटना की जानकारी होने के बाद एसपी संकल्प शर्मा कई थानों की पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे थे और जांच की थी। हालांकि पुलिस दिन भर घटना पर पर्दा डालने की पूरी कोशिश करती रही। देर रात तक एसपी से लेकर थाना प्रभारी तक कुछ भी बताने से परहेज करते रहे थे।

बताते हैं कि जिस दिन घटना

- कोचिंग जा रहीं छात्राओं के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला

हुई उस दिन एडीजी लखनऊ जोन सुजीत कुमार पांडेय सीतापुर में थे। सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आने पर उन्होंने एसपी से घटना की जानकारी ली थी। पुलिस सूत्र बताते हैं कि बुधवार को एडीजी जोन ने पूरे प्रकरण की जांच के लिए एएसपी सीतापुर के नेतृत्व में एक टीम को मौके पर भेजा था। टीम ने शाम को आकर घटना स्थल का निरीक्षण कर पूरे मामले की जांच की थी। जांच में टीम ने पुलिस की बड़ी लापरवाही पाई और अपनी जांच रिपोर्ट एडीजी जोन को सौंप दी थी।

एडीजी के आदेश पर एसपी संकल्प शर्मा ने लापरवाही बरतने पर प्रभारी निरीक्षक दयाशंकर द्विवेदी, चौकी इंचार्ज कालाआम संदीप यादव और बीट सिपाही रामबली को निलंबित कर दिया है। एसपी ने बताया कि प्रभारी निरीक्षक, चौकी इंचार्ज और बीट सिपाही की लापरवाही मिलने पर तीनों को निलंबित किया गया है। टीमें जांच में लगी हैं। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

72 घंटे बाद भी हाथ नहीं आया ठाकुर

लखीमपुर खीरी। पीड़ित छात्रा ने एक युवक का नाम ठाकुर बताया था। हालांकि उसका कहना था कि वह उसे नहीं जानती है और न ही उसे यह पता कि वह किस गांव का है। पुलिस ने ठाकुर नाम के युवक को नामजद कर दो अज्ञात के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कर की है। लेकिन 72 घंटे के बाद भी ठाकुर पुलिस के हाथ नहीं आया है।

दिव्यांगों को 50 ट्राई साइकिल, 10 बैसाखी और 8 स्मार्ट केन दीं

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: कुंभी और बिजुआ ब्लॉक के 68 दिव्यांगों को कुंभी ब्लॉक के सभागार में समारोह पूर्वक ट्राई साइकिल, बैसाखी और स्मार्ट केन वितरित की गई। विधायक ने दिव्यांगों के कल्याण के लिए शासन द्वारा चलाई जा रही महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी दी।

मुख्य अतिथि विधायक अमन गिरि, जिला दिव्यांग जन कल्याण शक्ति अधिकारी अभय कुमार सरोज ने 50 दिव्यांगों को ट्राई साइकिल, 10 को बैसाखी और आठ दिव्यांगों को स्मार्ट केन छड़ी वितरित की। अधिकारियों ने कहा कि जो दिव्यांग मतदाता सूची में सम्मिलित नहीं है उन्हें मतदाता सूची में सम्मिलित कराया जाए। ब्लॉक प्रमुख विमल वर्मा, एडीओ समाज कल्याण रामवीर, बीडीओ एपी रस्तोगी, विधानसभा संयोजक अवधेश मिश्रा, रामगुलाम पांडेय, अहमदनगर प्रधान मुकेश गुप्ता, सुरेश जायसवाल, कफ़ील अहमद आदि मौजूद रहे।

आर्थिक मदद व परिवार के सदस्य को दी नौकरी

प्रबंधन के साथ मृतक की पत्नी को सहायता राशि देते अध्यक्ष सरदार बहादुर सिंह।

संवाददाता, भीरा

अमृत विचार: वन बीट हॉस्पिटल व प्रबंधन ने सड़क दुर्घटना में मारे गए कर्मचारी की पत्नी को 90 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी। साथ ही मृतक के भाई को हॉस्पिटल में नौकरी दी है।

भीरा थाना क्षेत्र के गांव बोझवा निवासी 32 वर्षीय विनय यादव 24 नवंबर को बेलरायां स्थित अपनी ससुराल में वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। चीनी मिल के सामने सिंगाही रोड पर ट्रैक्टर के पीछे जुड़ी डबल ट्राली की चपेट में

- मृतक विनय की पत्नी को भी नौकरी देने का लिया है निर्णय

आने से उनकी मौत हो गई थी।

वन बीट हॉस्पिटल प्रबंधन व स्टाफ ने मिलकर 90 हजार रुपये एकत्रित कर विनय यादव की पत्नी को आर्थिक मदद के रूप में सौंपे। साथ ही विनय के भाई को उसकी जगह पर हॉस्पिटल में नौकरी भी दी है।

संस्था के चेयरमैन सरदार बहादुर सिंह ने बताया कि मृतक विनय की विधवा पत्नी को भी नौकरी देने का निर्णय लिया गया है।

दुकानदारों को प्राथमिकता से दी जाएंगी हटाई गई दुकानें

अधिकारियों के साथ कॉरिडोर सौंदर्यीकरण का निरीक्षण करते विधायक अमन गिरि।

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: विधायक अमन गिरि ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों के साथ बुधवार को शिव मंदिर कॉरिडोर के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि जो दुकानदार कॉरिडोर निर्माण से पूर्व यहां व्यवसाय करते थे, जिनकी दुकान जद में आने पर हटाई गई हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर दोबारा दुकान दी जाएगी।

निरीक्षण के दौरान उनके साथ पर्यटन विकास विभाग के अधिकारियों

- विधायक अमन गिरि ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण

और परियोजना के एपीएम दिव्य ज्योति मिश्रा, आर्किटेक्ट उत्कर्ष शुक्ला भी रहे। आदि गुरु शंकराचार्य की विशाल प्रतिमा लगाए जाने के लिए जगह चिन्हित किए जाने पर विचार विमर्श किया। निरीक्षण के दौरान ब्लॉक प्रमुख विमल वर्मा, विधानसभा संयोजक अवधेश मिश्रा, सचिन सिंह आदि मौजूद रहे।

दिन दहाड़े ताला तोड़कर नकदी और जेवर ले गए चोर

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: नए बाईपास के निकट पटेल चौराहा के पास किराए के मकान में परिवार सहित रह रहे रमेश कुमार वर्मा ने बताया कि वह सुबह नौ बजे मकान में ताला लगाकर अपने निजी काम से बाहर गया था। दोपहर बाद तीन बजे लौटकर आया तो देखा कि मकान का ताला टूटा पड़ा है। अंदर जाने पर पता चला कि चोरों ने अलमारी में रखे एक लाख रुपया नकद, सोने का एक मंगलसूत्र, सोने की चार अंगूठी, कान के कांटे, चांदी की एक जोड़ी पायल गायब थी। घर का सारा सामान बिखरा हुआ मिला। चोरों ने दोनों कमरों और अलमारी सहित अन्य जगहों पर तोडफोड़ की है। पीड़ित ने चोरी की तहरीर पुलिस को दे दी है, पुलिस ने मौका मुआइना तो किया, लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं की है।

निरीक्षण में एसडीएम ने बच्चों के साथ खाया खाना

बहेरा स्कूल में तहरी खाकर मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता परखतीं एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी।

नगरा सलेमपुर स्कूल में अभिलेख चेक करतीं एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी ने बुधवार को क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयों का निरीक्षण किया। मध्यान्ह भोजन योजना की हकीकत परखी।

बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर भोजन किया और भोजन की गुणवत्ता परखी। कमी मिलने पर रसोइयों को कड़ी फटकार भी लगाई। एसडीएम ने नगरा सलेमपुर

- बहेरा प्राथमिक विद्यालय में खाने की गुणवत्ता पर रसोइयों को लगाई फटकार

और गोला देहात के बहेरा स्थित प्राथमिक विद्यालयों का निरीक्षण किया। नगरा सलेमपुर स्कूल में पहुंचते ही उन्होंने रसोईघर का निरीक्षण किया और वहां रखी खाद्य सामग्री, बर्तनों की स्वच्छता तथा स्टाफ रजिस्टर देखा। इसके बाद बहेरा प्राथमिक विद्यालय में उन्होंने बच्चों के बीच जाकर जमीन पर बैठकर उनके साथ मध्यान्ह भोजन किया और भोजन की गुणवत्ता, स्वाद, स्वच्छता व पोषक तत्वों की स्वयं जांच की।

निरीक्षण के दौरान तहरी जली हुई पाए जाने और उसमें मटर न डाले जाने पर एसडीएम ने रसोइया को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि मध्यान्ह भोजन योजना का उद्देश्य केवल बच्चों की भूख मिटाना नहीं, बल्कि उन्हें संतुलित और पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना है। गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी ने हेडमास्टर और रसोइयों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि साफ-सफाई, भोजन की गुणवत्ता और बच्चों की नियमित उपस्थिति पर लगातार नजर रखी जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में लापरवाही मिलने पर संबंधितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्वार्थ पूर्ति के लिए बने कई किसान संगठन

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: फर्जी किसान संगठन बंद कराने की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक ने मुख्यमंत्री को संबोधित कर नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा है।

भाकियू के जिलाध्यक्ष कुलवंत सिंह जोशन के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने नायब तहसीलदार भानु प्रताप सिंह को दिये ज्ञापन में कहा कि यह तथाकथित किसान संगठन के लोग किसान हितों की आड़ में व्यापारियों से अवैध धन उगाही, गरीबों की भूमि पर कब्जा, टोल प्लाजा पर अव्यवस्था तथा थानों पर अनावश्यक धरना प्रदर्शन कर पुलिस, प्रशासन पर दबाव बनाने जैसे कृत्यों में संलिप्त पाए जा रहे हैं। इस प्रकार की गतिविधियां न केवल कानून व्यवस्था के लिए चुनौती हैं बल्कि वास्तविक किसानों,

गोला में नायब तहसीलदार को ज्ञापन देते कुलवंत सिंह जोशन। ● अमृत विचार

- संगठन के नाम पर लेते हैं लाभ, जांच की मांग

व्यापारियों एवं विकास कार्यों के लिए अत्यधिक हानिकारक हैं।

जिला अध्यक्ष ने मांग की है कि ऐसे किसान संगठनों एवं उनके पदाधिकारी की गहन जांच कराई जाए, जिन व्यक्तियों का अपराधिक इतिहास पाया जाए, उन्हें चिन्हित कर उनके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई कराई जाए। किसान संगठनों की आड़ में होने वाली अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए, ताकि किसान आंदोलन की गरिमा बनी रहे और समाज में शांति एवं विकास का वातावरण कायम रहे। ज्ञापन देते समय रेशम सिंह, राजेश शुक्ला, संजय सिंह, गुरमुख सिंह, कराज सिंह, मोहम्मद उस्मान, हिमांशु पाल आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

गांव नैनेपारा के बुजुर्ग की तालाब में डूबकर मौत

संवाददाता, बेहजम

अमृत विचार: थाना फरधान क्षेत्र में मंगलवार की देर रात तालाब के किनारे शौच के लिए गए एक बुजुर्ग की पैर फिसलने से तालाब में डूबकर मौत हो गई। घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार वालों को सौंप दिया है।

गांव नैनेपारा निवासी प्रमोद कुमार ने बताया कि छत्रपाल (60) मंगलवार को करीब शाम चार बजे गांव के बाहर टहलने निकले थे। टहलते हुए वह सेमरा गांव में ग्राम प्रधान से मिलने पहुंचे। इसके बाद सेमरा गांव के उत्तर दिशा में स्थित तालाब के पास शौच के लिए गए, तभी अचानक पैर फिसलने से वह तालाब के गहरे पानी में जा गिरे।

- सेमरा गांव के बाहर तालाब के पास शौच के लिए गए थे छत्रपाल

घटना के समय उनके साथ गांव के ही मुकेश कुमार मौजूद थे। उन्होंने छत्रपाल को डूबते देख शोर मचाया, जिस पर आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए।

सूचना पाकर परिजन भी पहुंच गए। ग्रामीणों ने प्रयास कर छत्रपाल को तालाब से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। एसएसआई कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि घटना रात करीब आठ बजे की है। पुलिस के पहुंचने से पहले ही परिजन शव को तालाब से बाहर निकाल चुके थे। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार वालों को सौंप दिया है।

किसान 31 तक करा सकते हैं गेहूं मसूर और सरसों फसल का बीमा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) की अंतिम तिथि 31 दिसंबर है। जिले के ऋृणी और गैर-ऋृणी किसान भाई अपनी फसलों का बीमा समय रहते करवा सकते हैं।

प्रशासन ने इस दिशा में गंभीर पहल करते हुए विकास भवन स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में बैंकर्स के साथ बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता सीडीओ अभिषेक कुमार ने की। उन्होंने किसानों से अनुरोध किया कि वे योजना का अधिकतम लाभ उठाएं और सुनिश्चित करें कि उनकी फसल बीमा के दायरे में हो। सीडीओ ने कहा कि जिले के अधिसूचित फसल गेहूं, मसूर और लाही-सरसों के लिए किसान अपने खेतों का बीमा कर लाभ उठा सकते हैं। प्रीमियम दर बीमित राशि का मात्र 1.5 प्रतिशत तय किया गया है। गेहूं के लिए 1,326 रुपये प्रति हेक्टेयर, सरसो के लिए 776 रुपये प्रति हेक्टेयर और मसूर के लिए 819 रुपये प्रति हेक्टेयर निर्धारित है। इससे किसान न्यूनतम लागत में अपनी फसल को प्राकृतिक आपदा और मौसमीय जोखिमों से सुरक्षित कर सकते हैं।

टोल फ्री नम्बर पर पाएं योजना की विस्तृत जानकारी

शासन द्वारा योजना के लिए टोल फ्री नंबर 14447 जारी किया गया है, जिस पर कॉल करके योजना की विस्तृत जानकारी ली जा सकती है और बीमित किसान आपदा की स्थिति में क्षतिपूर्ति के लिए 72 घंटे के अन्दर टोल फ्री नम्बर पर सूचित कर सकते हैं।

- सीडीओ अभिषेक कुमार ने की बैंकर्स संग बैठक

वस्त्र मंत्रालय
MINISTRY OF TEXTILES
सत्यमेव जयते
राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी
National Testing Agency
Excellence in Assessment
राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान
निफ्ट अधिनियम 2006 द्वारा शासित एक सांविधिक संस्थान
NATIONAL INSTITUTE OF FASHION TECHNOLOGY
A Statutory Institute Governed by the NIFT Act 2006

निफ्ट प्रवेश 2026
स्नातक कार्यक्रम
स्नातकोत्तर कार्यक्रम
डॉक्टरल कार्यक्रम
पंजीकरण प्रारंभ
पंजीकरण की अंतिम तिथि
6 जनवरी 2026
स्नातक/स्नातकोत्तर के लिए प्रवेश परीक्षा
8 फरवरी 2026
ऑनलाइन आवेदन करें
https://nift.ac.in
https://exams.nta.nic.in/niftee/
सम्पूर्ण भारत में
100
शहरों में परीक्षा केंद्र
cbc21354/12/0006/2526

पेंशनर्स दिवस | डीएम ने कहा- पेंशनर्स समाज के पथ प्रदर्शक, उनके अनुभव समाज को देते हैं नई दिशा

पेंशनर्स की समस्याओं को वरीयता से किया जाए निस्तारित

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में उल्लास और आत्मीय माहौल के बीच आयोजित कार्यक्रम में प्रशासन और पेंशनर्स के बीच भरोसे की मजबूत डोर देखने को मिली। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने की। आयोजन का संयोजन वरिष्ठ कोषाधिकारी अमित कुमार राय ने किया।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने डीएफओ संजय विश्वाल, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, वरिष्ठ कोषाधिकारी अमित कुमार राय, एओ (बेसिक) हरिकेश बहादुर संग वरिष्ठ एवं बुजुर्ग पेंशनर्स को सम्मानित कर उनके दीर्घ सेवाकाल को नमन किया। इस दौरान डीएम ने कहा, पेंशनर की सभी समस्याओं को वरीयता के आधार पर निस्तारित

पेंशनर्स की समस्याओं को सुनतीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल। ● अमृत विचार

किया जाए, उन्होंने समस्त विभागों को निर्देशित किया कि सेवानिवृत्त के उपरांत पेंशन तत्काल बनायी जाये। जिससे पेंशनर को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

डीएम ने प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर जनपद स्तर की पेशर्नस की सभी समस्याओं को 30 दिन के भीतर दूर करने का समय सीमा निर्धारित की। डीएम ने कहा कि पेंशनर्स समाज के पथ प्रदर्शक हैं तथा उनके अनुभव समाज को नई दिशा देते हैं। बुजुर्गो का सम्मान व आशीर्वाद हमारी संस्कृति व परंपरा है। पेंशनर्स को प्रशासनिक महकमों का दीर्घ कार्य अनुभव होता है, जिसका लाभ

कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में मौजूद पेंशनर्स। ● अमृत विचार

हमें प्रशासनिक कार्यों में मिलता है। उन्होंने सभी पेंशनर्स की अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु होने की कामना की।

डीएफओ संजय विश्वाल ने कहा कि इस जिले के पेंशनर्स की सक्रियता सराहनीय है। वरिष्ठ कोषधिकारी अमित कुमार राय ने कहा कि प्रशासनिक स्तर पर आपकी किसी भी प्रकार की समस्याओं के लिए जिला प्रशासन तत्पर रहेगा। कार्यक्रम में पेंशनर एवं प्रभारी सहायक कोषाधिकारी राजेश मिश्रा, सहायक लेखाकार महेश वर्मा सुभाष वर्मा, सौरभ सिंह आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 18 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

दवा लेने ओयल जिला अस्पताल गई युवती लापता

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना नीमगांव क्षेत्र के एक युवती 16 दिसंबर की सुबह करीब 10 बजे घर से दवा लेने के लिए जिला अस्पताल ओयल के लिए गई थी, लेकिन वह देर शाम तक घर वापस नहीं आई। युवती के पिता ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी की काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कहीं कोई पता नहीं चल सका है। उन्होंने बेटी के लापता होने की लिखित सूचना नीमगांव पुलिस को दी है। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर युवती को बरामद करने की कोशिश शुरू कर दी है।

राष्ट्रहित इंडियन पार्टी पदाधिकारियों ने किया धरना-प्रदर्शन

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : राष्ट्रहित इंडियन पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर में धरना-प्रदर्शन कर नारेपाजी की। साथ ही राष्ट्रपति को संबोधित 10 सूत्रीय मांग पत्र डीएम के प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। जिलाध्यक्ष रमेश कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश में गिहार जाति की आबादी करीब दो करोड़ है। शासनादेश में सूचीबद्ध नहीं होने के कारण इस जाति के लोगों का जाति प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहा है। उन्होंने गिहार जाति को सूचीबद्ध करने, जोगी, बंजारा और लोहार जातियों को अनुसूचित जाति और जनजाति का दर्जा देने समेत 10 मांगे उठाई हैं।

सड़क हादसे में बिजली लाइनमैन हुआ घायल

बेहजम, अमृत विचार : बेहजम-नीमगांव मार्ग पर ट्रैक्टर-ट्रॉली ने गांव मलिकपुर के पास एक बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इससे बाइक पर सवार बिजली विभाग का लाइनमैन संजय कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया है। हादसे में घायल हुआ कर्मचारी बिजली पॉवर हाउस बेहजम में तैनात था और वह नीमगांव की तरफ से बेहजम की ओर जा रहा था।

क्रिकेट में माही और डाबला की टीमें जीतीं

कबड्डी में युवराज दत्त कॉलेज की टीम विजयी रही, लखीमपुर खेल महोत्सव सीजन-2 का तीसरा दिन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अंतर्गत नगर पालिका परिषद लखीमपुर एवं क्रीड़ा भारती के संयुक्त तत्वावधान में शहर के विलोबी मेमोरियल मैदान में आयोजित लखीमपुर खेल महोत्सव सीजन-2 के तीसरे दिन खेल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। दिनभर चली विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने अनुशासन, खेल भावना और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया। क्रिकेट एवं कबड्डी प्रतियोगिताओं के विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों सदर विधायक योगेश वर्मा और पालिकाध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव ने मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

तीसरे दिन क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत दो मुकाबले खेले गए। पहले मुकाबले में माही 11 एवं ऑफिशियल 11 के बीच जोरदार टक्कर हुई, जिसमें माही 11 की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 106 रनों से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में सौरभ कुमार को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज़, करण को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ तथा लवकुश को सर्वश्रेष्ठ क्षेत्र रक्षक चुना गया। वहीं, हरफनमौला प्रदर्शन के लिए आनंद प्रकाश को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

दूसरा क्रिकेट मुकाबला डाबला 11 एवं डेंजर बॉयज़ के बीच खेला गया, जिसमें डाबला 11 ने शुरू से ही मैच पर पकड़ बनाए रखते हुए 144 रनों से बड़ी जीत हासिल की। इस मैच में विराट ने सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज़, वैभव ने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ तथा आकाश ने सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक का पुरस्कार प्राप्त किया। प्रभावी खेल के चलते आकाश को मैन ऑफ द मैच चुना गया।कबड्डी प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग बालिकाओं के अंतर्गत युवराज दत्त कॉलेज एवं आर. इंडियन पब्लिक स्कूल, निघासन के मध्य मुकाबला हुआ, जिसमें युवराज दत्त कॉलेज की टीम विजयी रही। बालक वर्ग कबड्डी में 8 टीमों ने अगले चरण में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला डॉ. रवि मेमोरियल कबड्डी टीम एवं बेहड़ा लाल टीम, मितौली के मध्य रोमांचक रहा, जिसमें बेहड़ा लाल टीम मितौली ने विजय प्राप्त की।

विजेता टीम को पुरस्कृत करने के दौरान सदर विधायक योगेश वर्मा व नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव। ● अमृत विचार

विजेता हॉकी खिलाड़ियों के साथ अतिथि। ● अमृत विचार

इनकी रही मौजूदगी

नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी संजय कुमार, क्रीड़ा भारती के जिलाध्यक्ष कपिल श्रीवास्तव, सेवक सिंह अजमानी, इंद्रेश गुप्ता, खेल महोत्सव के संयोजक आशीष सिंह चौहान, कनिष्क बरनवाल, इंजीनियर दुर्गेश वर्मा, आशीष श्रीवास्तव, जितेंद्र अवस्थी, विनय, जेई समरा सईद आदि।

हॉकी प्रतियोगिता में लालपुर स्टेडियम व गुरुनानक अकादमी विजेता

हॉकी प्रतियोगिता गुरुनानक इंटर कॉलेज प्रांगण स्थित गुरु नानक स्पोर्ट्स अकादमी में आयोजित की गई। बॉयज़ अंडर-17 वर्ग में अजमानी इंटरनेशनल बनाम लालपुर स्टेडियम का मैच लालपुर स्टेडियम ने 7-1 से जीता। अंडर-14 वर्ग में गुरु नानक स्पोर्ट्स अकादमी बनाम लालपुर स्टेडियम का मुकाबला लालपुर स्टेडियम ने 5-2 से अपने नाम किया। वहीं अंडर-17 वर्ग में गुरु नानक इंटर कॉलेज बनाम गुरु नानक स्पोर्ट्स अकादमी के मैच में गुरु नानक स्पोर्ट्स अकादमी ने 2-0 से विजय दर्ज की।

घटिया सड़क निर्माण पर ग्रामीणों ने जताया रोष

संवाददाता, मझगईं

● मंडी समिति पर भ्रष्टाचार और मानकों की अनदेखी का आरोप

अमृत विचार: मंडी समिति से डेढ़ किलोमीटर लंबे डामर सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार और मानकों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने रोष जताया है। ग्रामीणों ने सड़क की जांच कराए जाने की मांग की है।

मंडी समिति ग्राम पंचायत सिसवारा गदियाना से छेदुई गांव तक करीब डेढ़ किलोमीटर सड़क का निर्माण करा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार घटिया सामग्री का प्रयोग कर रहा है और डामर की मात्रा मानक से कम डाली जा रही है। स्थिति यह है कि सड़क पर डाली गई बजरी पैरों से ही उखड़ रही है। ग्रामीणों ने बताया कि संबंधित अधिकारी पूरे मामले में मौन साधे हैं, जिससे ठेकेदार को मनमानी करने की खुली छूट मिली है। ग्रामीणों ने कहा कि यह क्षेत्र बाढ़ ग्रस्त है। यदि सड़क का निर्माण मजबूत और गुणवत्ता के मानकों के अनुसार नहीं किया गया, तो जलभराव के कारण सड़क जल्द ही क्षतिग्रस्त हो जाएगी।

ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और डीएम से सड़क निर्माण में हो रहे कथित भ्रष्टाचार की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। मंडी समिति के जेई ज्ञानेश कुमार ने बताया कि सड़क पर दो सेंटीमीटर पीसी (प्रीमिक्स कारपेट) डाली जा रही है। अभी निर्माण कार्य जारी है और किसी प्रकार का भुगतान नहीं किया गया है। कार्य पूर्ण होने के बाद गुणवत्ता की जांच कराई जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि ठंड के मौसम में डामर की पकड़ में कुछ दिक्कत आती है।

सड़क पर डाले गए पत्थर।

विद्यार्थियों को बताए गए आग बुझाने के तरीके

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● फायर ब्रिगेड प्रभारी ने छात्रों को सिखाया बचाव कौशल

अमृत विचार: बांकेगंज रोड स्थित चिल्ड्रेंस एकेडमी में व्यापक फायर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को आग से बचाने के लिए प्रशिक्षित किया गया।

विद्यालय के एमडी सतीश गुप्ता की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में फायर स्टेशन के टीम प्रभारी अंकित कुमार, फायरमैन जसपाल सिंह ने छात्रों व शिक्षकों को अग्निशमन उपकरणों का सही उपयोग, घरेलू गैस सिलेंडर लीकेज से बचाव तथा शीतकालीन मौसम में बिजली से उत्पन्न आग की घटनाओं को रोकने के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने विद्यार्थियों को अग्निशमन उपकरणों का उपयोग, फायर एक्सटिंग्विशर, फायर ब्लैंकेट आदि की कार्यप्रणाली का प्रैक्टिकल डेमो कराया। गैस सिलेंडर लीकेज से बचाव, लीकेज का पता लगाने, तुरंत गैस बंद करने और सुरक्षित निकासी के कदम उठाने के लिये प्रेरित किया गया।

शीतकालीन मौसम में आग की घटनाओं से सुरक्षा, बिजली के शॉर्ट-सर्किट से बचाव, हीटर व चूल्हे की सही देखभाल करने के तरीके बताये गये। डायरेक्टर अनुभव गुप्ता ने आग से बचाव के महत्व पर प्रकाश डाला। शिक्षकों ने छात्रों को आपातकालीन नंबर 112 के उपयोग के बारे में जागरूक किया।

मुंह चिढ़ा रहीं घरों में लगी पानी की टोंटी

केशवापुर, अमृत विचार: तहसील व ब्लाक सदर की ग्राम पंचायत सेमरई में पेयजल आपूर्ति चौपट है। ओवरहेड तैयार है पर अभी तक पाइप लाइन कार्य अधूरा है।

ग्राम पंचायत में पिछले तीन वर्षों से नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति उत्तर प्रदेश पेयजल योजना से टंकी का निर्माण कार्य एनसीसी लिमिटेड द्वारा किया गया, जो तय समय सीमा के बाद अभी भी अधूरा है। ग्रामीण स्वच्छ जल के लिए अभी भी तरस रहें हैं। सेमरई गांव में जल जीवन मिशन व नमामि गंगे हर घर योजना के अंतर्गत दो पानी की टंकी बनी हैं। इस पंचायत के ही दो मजरा राजेपुर व कोरैया में टंकियों का एक बूंद भी पानी नही पहुंचता। ग्रामवासी नलों का दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। कोरैया गांव निवासी लालबिहारी, तोताराम, सोभित कुमार, सालिक राम बताते हैं यहां कभी एक बूंद पानी नही आया है।

खेतों में दिखे बाघ के पगचिह्न, ग्रामीणों में दहशत

संवाददाता, संसारपुर

अमृत विचार: वन रेंज मैलानी की भरिगवां बीट के अंतर्गत कस्बा संसारपुर के दक्षिण रामकिशोर तिवारी के खेत में बुधवार सुबह बाघ के पगचिह्न देखे गए। खेत के दूसरे किनारे से बाघ ने छुट्टा पशु का शिकार भी किया है। घटना से किसानों तथा आस पास रहने वाले लोगों में दहशत फैल गई है।

बुधवार सुबह गन्ने की छिलाई करने खेत गए मजदूरों ने पास के खाली पड़े खेतों में बाघ के पैरों के निशान देख दंग रह गए। मजदूरों ने सूचना खेत स्वामी को दी ग्रामीणों ने बताया मंगलवार को इसी खेत में बाघ ने छुट्टा पशु का शिकार किया था। जिसे खींचकर पास के गन्ने के खेत में ले गया। अगले दिन खेत में बाघ के पगचिह्न की सूचना वनरक्षक सागर कुशवाहा दी गई। मौके पर पहुंचे विभागीय लोगों ने निरीक्षण करने के बाद पगचिह्न देखकर बाघ के खेतों में होने की पुष्टि की।

वन दरोगा प्रदीप पांडे ने बताया कि बाघ की लोकेशन खेतों की ओर से जंगल की ओर जाती दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि फिर भी ग्रामीण सतर्कता बनाए रखें और समूह में ही खेतों की ओर जाएं। उन्होंने कहा कि वन विभाग की टीम लगातार क्षेत्र की निगरानी कर रही है ताकि किसी भी अनहोनी से बचा जा सके।

खेत के किनारे बने बाघ के पगचिह्न।

● रामकिशोर तिवारी के खेत में बाघ ने किया छुट्टा पशु का शिकार

मौके पर मौजूद वन विभाग के कर्मचारी। ● अमृत विचार

24 घंटे बाद भी नहीं पहुंची पुलिस

ग्रामीणों ने बताया कि कस्बे के निकट बाघ की मौजूदगी होने से हड़कंप मच जाने के बाद भी चौकी पुलिस ने मौके पर पहुंचना उचित नही समझा। ग्रामीणों ने बताया कि दो दिन पूर्व ही खेतों में बाघ के पगचिह्न देखे गए थे। कस्बा के करीब बाघ की मौजूदगी से बोझिया, भीखमपुर, मौठीखेड़ा सहित कई गांवों के लोगों में दहशत व्याप्त है। बाघ की मौजूदगी के बीच शोर शराबा के बावजूद पुलिस का मौके पर न पहुंचना ग्रामीणों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

पानी के लिए परेशान रावन कलां पंचायत के लोग

संवाददाता, मैंगलगंज

● जल जीवन मिशन की लापरवाही से चार गांवों में पेयजल संकट गहराया

अमृत विचार: विकास खंड मितौली की ग्राम पंचायत रावन कलां में पिछले एक सप्ताह से पेयजल आपूर्ति ठप होने के कारण ग्रामीणों को गंभीर संकट का सामना करना पड़ रहा है। चन्दीपुर, रावन कलां, रावन खुर्द और कैमटागुल्ली गांवों में जल जीवन मिशन के तहत आने वाली नल जल योजना से पानी नहीं आ रहा है, जिससे सैकड़ों परिवार बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि यह स्थिति विभागीय अधिकारियों की लापरवाही और उदासीन रवैये के कारण बनी हुई है। कई परिवार ऐसे हैं जिनके घरों में हैंडपंप तक नहीं हैं। ऐसे में महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को दूर-दराज के इलाकों से पानी लाने को मजबूर होना पड़ रहा है। जल जीवन मिशन के सुपरवाइजर अरविंद कुमार ने बताया कि पाइपलाइन में लीकेज होने के कारण सप्लाई बंद की गई है। वहीं इंजीनियर अमन कुमार का कहना है कि क्षेत्र में कई जगह लीकेज की शिकायतें हैं, लेकिन ऊपर से धनराशि मिलने के बाद ही मरम्मत कार्य संभव हो पाएगा। फिलहाल गांवों में पानी को लेकर भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र आपूर्ति बहाल कराने और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

गांव रावन कला में लगी पानी की टोंटी।

राजनेता के साथ अटल बिहारी विचारशील कवि भी थे

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: भगवानदीन आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बुधवार को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती एवं जन्म शताब्दी वर्ष के समापन पर शासन द्वारा निर्देशित कार्यक्रमों के अंतर्गत शैक्षणिक-सांस्कृतिक आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर गीता शुक्ला ने की।

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्या प्रोफेसर गीता शुक्ला ने अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व और कृतित्व की जानकारी दी। कहा कि एक कुशल राजनेता होने के साथ-साथ अटल बिहारी वाजपेयी एक संवेदनशील और विचारशील कवि भी थे। उनकी कविताओं में राजनीति और जीवन के उतार-चढ़ाव के बीच दृढ़ संकल्प, मानवीय संवेदना और राष्ट्रप्रेम की स्पष्ट झलक मिलती है, जिसके कारण उन्हें जन-जन का अपार स्नेह प्राप्त हुआ। पश्चात सुशासन के महत्व पर भाषण प्रतियोगिता और अटल बिहारी वाजपेयी की प्रमुख कविताओं पर आधारित एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को अटल जी के विचारों, उनके सुशासन की अवधारणा तथा साहित्यिक व्यक्तित्व से परिचित कराना और उनमें राष्ट्रीय चेतना एवं नैतिक मूल्यों का विकास करना रहा।

एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं ने पूरे आत्मविश्वास और भावनात्मक अभिव्यक्ति के साथ अटल जी की प्रसिद्ध कविताओं का पाठ किया। प्रतियोगिता में अनुष्का भारद्वाज ने प्रथम, नैंसी गुप्ता ने द्वितीय और राधिका साहू ने तृतीय स्थान प्राप्त कर निर्णायकों को प्रभावित किया। कार्यक्रम का संचालन नोडल प्रभारी वीना चौरसिया व अंग्रेजी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. राखी चौहान ने संयुक्त रूप से किया।इस अवसर पर महाविद्यालय की शिक्षिकाएं प्रो. रेखा पांडेय, डॉ. सुरचना त्रिवेदी, शिवांगी सक्सेना, डॉ. प्रीती सिंह, सविता शुक्ला व विमलेश आदि मौजूद रहीं।

शैक्षणिक सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री पर चर्चा करतीं प्राचार्या प्रो. गीता शुक्ला। ● अमृत विचार

● अटल जयंती पर भाषण एवं काव्य पाठ प्रतियोगिताएं आयोजित

● भगवानदीन आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हुए कार्यक्रम

सुशासन पर भाषण स्पर्धा में विचारों की गूंज

सुशासन के महत्व विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्राओं ने अटल जी के शासनकाल, उनकी नीतियों और लोकतांत्रिक मूल्यों पर प्रभावशाली विचार प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता में आस्था ने प्रथम, शिवांगी सिंह ने द्वितीय और रुश्दा परवीन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

टोल प्लाजा पर वाहनों पर लगाए रेट्रो-रिफ्लेक्टिव टेप

रेट्रो-रिफ्लेक्टिव टेप लगाते कर्मचारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, मैंगलगंज

अमृत विचार: सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए मैंगलगंज टोल प्लाजा पर विशेष सड़क सुरक्षा अभियान की शुरुआत की गई है।

टोल प्लाजा से गुजरने वाले वाहनों पर रेट्रो-रिफ्लेक्टिव टेप लगाए जा रहे हैं, जिससे रात और कोहरे के दौरान वाहनों की दृश्यता बेहतर हो सके। अभियान के दौरान वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन, निर्धारित गति सीमा, हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग सहित सड़क सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं के प्रति भी जागरूक किया गया। अधिकारियों ने बताया कि छोटी-छोटी सावधानियां बड़े हादसों को रोकने में अहम भूमिका निभाती हैं।

प्रशासन के अनुसार यह अभियान आगामी दो से तीन सप्ताह तक प्रतिदिन जारी रहेगा। इससे विशेष रूप से कोहरे के मौसम में होने वाली दुर्घटनाओं में कमी आने और सुरक्षित यातायात व्यवस्था को बढ़ावा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

मौसम का कहर

सर्द हवाओं के चलने और गलन के कारण लोग कंपकपाते रहे, शाम होने पर पाले ने बढ़ाई मुश्किल

घने कोहरे के साथ बर्फीली हवाओं ने बढ़ाई गलन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिले में दूसरे दिन बुधवार को भी शहर समेत अधिकांश स्थानों पर सुबह से ही कोहरा छाया रहा। सर्द हवाओं के चलने और गलन के कारण लोग कंपकपाते रहे। दोपहर बाद कोहरा कम तक हुआ, लेकिन धुंध छाई रही। पूरे दिन धूप नहीं खिली। शाम को पाला गिरने के साथ गलन और बढ़ गई। कड़ाके की ठंड के चलते दफ्तरों में भी सन्नाटा रहा। सुबह के समय सबसे अधिक परेशानी राहगीरों और वाहन चालकों को हुई। दृश्यता कम होने के कारण लोग मजबूरी में ही घरों से निकले। आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोग पूरी तरह गर्म कपड़ों में ढके नजर आए। जिससे ठंड का असर बरकरार रहा।

सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आए और कई जगहों पर यातायात प्रभावित रहा, लेकिन दस बजे के बाद कोहरा तो छंट गया, लेकिन धुंध छाई रही। पूरे दिन धूप के दर्शन नहीं हुए। आसमान में बादलों और कोहरे की परत बनी रही। इसके साथ ही उत्तर-पश्चिम दिशा से चल रही बर्फीली हवाओं ने गलन को और बढ़ा दिया। ठंडी हवाओं के चलते दिन में भी लोगों को कंपकंपी का अहसास होता रहा। तराई क्षेत्र में इस बार ठंड ने सामान्य से अधिक असर दिखाया है।

कोहरा, शीतलहर और पाले का सिलसिला लगातार जारी है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। शाम ढलते ही ठिठुरन के साथ गलन और बढ़ गई। खेतों और खुले इलाकों में पाला गिरने लगा। ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों ने पाले को लेकर चिंता जताई है, क्योंकि इससे आलू, सरसों और सब्जी की फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ गई है।

वहीं पाले के गिरने से गेहूं की फसल को लाभ पहुंचेगा। वहीं शहरी क्षेत्रों में लोग ठंड से बचाव के लिए अलाव और हीटर का सहारा लेते नजर आए। बुजुर्ग, बच्चे और बीमार लोगों पर ठंड का असर सबसे अधिक देखा गया। अधिकांश बुजुर्ग दिनभर घरों में रजाई के अंदर दुबके रहे। बाजारों में भी सन्नाटा पसरा रहा। शाम होते ही लोग जल्द से जल्द अपने काम निपटाकर घर लौट गए, जिससे सड़कों पर सामान्य दिनों की तुलना में कम चहल-पहल दिखी।

मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को जिले का अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग का अनुमान है कि अगले कुछ दिनों तक कोहरा और ठंडी हवाएं जारी रह सकती हैं, जिससे ठंड से फिलहाल राहत मिलने के आसार कम हैं। लोगों को ठंड से बचाव के लिए सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

मोहम्मदी में घने कोहरे के बीच निकलते वाहन। ● अमृत विचार

सहसपुर गांव में जरूरतमंदों को कंबल देते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

रोटरी क्लब ने सहसपुर में बांटे गर्म कपड़े

गोला गोकर्णनाथ। रोटरी क्लब मुस्कान ने गांव सहसपुर में साथियों के साथ गर्म कपड़ों का वितरण जरूरतमंदों को किया। इस दौरान महंत शिवलाल, क्लब के संस्थापक अध्यक्ष अरविन्द गुप्त रामजी, अनुराधा पुरवार, नीलू भारती, नगर पालिका परिषद की पूर्व अध्यक्ष मीनाक्षी अग्रवाल, राजीव गुप्ता, वंदना गुप्ता, विवेक वर्मा, राजीव राजपूत, मिली गुप्ता, अर्चना जायसवाल, मंजू भारद्वाज, अतुल राजपूत सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

जले अलाव मिली ठंड से राहत

भीरा। सर्द हवाओं के साथ आसमान में छाई धुंध के कारण ठंड बढ़ने से कांपने पर मजबूर लोग होटल, चाय दुकानों पर आग का सहारा लेने लगे थे। नगर पंचायत ने बढ़ती ठंड को देखते हुए नगर के कई स्थानों पर अलाव जलवाए हैं। चेयरपर्सन प्रतिनिधि संजय शुक्ला ने बताया कि रेलवे स्टेशन, मुख्य चौराहा, नहर चौराहा, मैलानी तिराहा, रेल गन्ना सेंटर चौराहा सहित अन्य जगह पर अलाव जलवाने की व्यवस्था करवाई जा रही है। रात्रि में ठंड से बचाव के लिए रैन बसेरा नगर पंचायत कार्यालय के पास बनाया गया है।

जरूरतमंद 80 छात्रों को दिए गए स्वेटर

छात्रों को स्वेटर देते प्रधानाचार्य व स्टाफ।

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: कड़ाके की सर्दी को देखते हुए धर्म सभा इंटर कॉलेज में बुधवार को जरूरतमंद छात्रों को स्वेटर दिए गए। प्रधानाचार्य आलोक गोयल ने बताया कि ठंड को देखते हुए जरूरतमंद छात्रों को सर्दी से बचने के लिए स्वेटर दिए गए। साथ ही छात्रों को स्वेटर, टोपी आदि पहनकर विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया गया। प्रधानाचार्य ने कहा कि छात्र सर्दी से बचाव रखकर परीक्षाओं की तैयारी करे। स्वेटर पाकर छात्रों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

न्यूज ब्रीफ

सरसों के खेत में मिला अज्ञात युवक का शव

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना खीरी क्षेत्र लगुचा-बैरागर के बीच स्थित एक प्लाईवुड फैक्ट्री के पास सरसों के खेत में एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ है। शव की पहचान नहीं हो सकी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव जिला अस्पताल की मोरचरी में रखवा दिया है। एसओ निराला तिवारी ने बताया कि पुलिस शव की पहचान कराने की कोशिश कर रही है।

पुलिस ने बताए हेल्पलाइन नंबर

पीलीभीत, अमृत विचार : एसपी अभिषेक यादव के निर्देश पर चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत बुधवार को भी टीमें दौड़ती रही। न्यूरिया, माधोटांडा, बिलसंडा, सुनगढ़ी समेत अन्य थाना पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने बाजार, स्कूल कॉलेज व्यस्ततम स्थानों पर जाकर हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। पंपलेट भी बांटे गए।

सुनौरा में शतचंडी यज्ञ व संत सम्मेलन

बेहजम, अमृत विचार : थाना नीमगांव क्षेत्र के गांव सुनौरा में श्री शतचंडी महायज्ञ एवं विराट संत सम्मेलन का बुधवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन वृंदावन धाम से आईं साध्वी साक्षी शुक्ला ने भगवान श्रीराधा कृष्ण की कथा सुनाई। इस दौरान आशु मिश्रा, कमल मिश्रा, रामरतन वर्मा समेत तमाम श्रद्धालु मौजूद रहे।

21 को सम्मेलन में जुटेंगे मंडल भर के व्यापारी

बरेली, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल का मंडलीय सम्मेलन 21 दिसंबर को निजी होटल में होगा। इसकी तैयारी के लिए मंडलीय महामंत्री प्रवीण गोयल के प्रतिष्ठान पर बैठक हुई। मंडल अध्यक्ष शिरीष गुप्ता ने बताया कि इस अधिवेशन में शाहजहांपुर, पीलीभीत और बदायूं समेत बरेली के पदाधिकारी एकत्रित होंगे जिसमें व्यापारियों की होने वाली समस्याओं पर भी चर्चा की जाएगी और उसके निवारण के लिए पूरे प्रयास किए जाएंगे। सभा में प्रवीण गोयल समित अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, सुनील शर्मा आदि व्यापारी मौजूद रहे।

शिकारियों की करतूत से गंगानगर फीडर ठप

रातभर अंधेरे में डूबा रहा इलाका, बिजली कर्मियों के लिए बढ़ी मुसीबत, गंभीर नहीं अफसर

संवाददाता, सिंगाही

अमृत विचार: तिकुनिया बिजली उपकेंद्र से जुड़े गंगानगर फीडर को वन्यजीवों का शिकार करने वाले गिरोह ने एक बार फिर निशाना बना दिया। मंगलवार की रात शिकारियों ने हाईटेंशन लाइन पर रेशम की डोर डालकर खेतों में लोहे के तारों का जाल बिछा दिया, जिससे लाइन ट्रिप हो गई और पूरे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। कड़ाके की ठंड में उपभोक्ताओं को पूरी रात अंधेरे में रहना पड़ा, जबकि बिजली कर्मचारी खेतों में फाल्ट तलाशते रहे।

दुधवा नेशनल पार्क से सटे इलाकों से गुजर रही 11 हजार केवी हाईटेंशन लाइन शिकारियों के लिए घातक हथियार बन चुकी है। शिकारियों का अपनाए जा रहा यह तरीका बेहद खतरनाक हैं। वे खेतों में सूखी लकड़ियां गाड़कर उन पर लोहे के तार बांधते हैं, फिर तार के दूसरे सिरे पर रेशम की पतली डोर बांधकर उसे ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन पर फेंक देते हैं। जैसे ही डोर लाइन से संपर्क करती है, पूरा तार करंट से भर जाता है। रात में खेतों में घूमने वाले वन्यजीव इस करंट की चपेट में आकर मौके पर ही दम तोड़ देते हैं। करंट फैलते ही लाइन ट्रिप हो जाती है और कई गांवों की बिजली आपूर्ति बाधित हो जाती है।

मंगलवार की रात भी ग्राम पंचायत भेड़ौरी के महाराजनगर और डांगा के बीच से गुजर रही गंगानगर फीडर की लाइन को शिकारियों ने इसी तरीके से ब्रेक कर दिया। पूरी रात आपूर्ति बंद रही। कड़ी मशक्कत और पेट्रोलिंग के बाद सुबह कहीं जाकर फाल्ट ढूंढा जा सका और बिजली बहाल हुई।

गन्ने के खेतों के बीच पेट्रोलिंग कर फाल्ट ढूंढते बिजली कर्मचारी। ● अमृत विचार

> कर्मचारियों की सुरक्षा हमारे लिए सर्वोपरि है। पूरे मामले की जानकारी लेकर जांच कराई जाएगी और कठोर कदम उठाए जाएंगे।
> **-ब्रह्मपाल**, अधीक्षण अभियंता, लखीमपुर खीरी।

> रात में वनकर्मी हाईटेंशन लाइन के किनारे लगातार पेट्रोलिंग भी कर रहे हैं। कुछ शिकारी भी चिन्हित किए जा चुके है, जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। **-भूपेंद्र सिंह**, वन क्षेत्राधिकारी नॉर्थ बेलरायां रेंज।

कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर लापरवाह बिजली विभाग

सबसे चिंताजनक स्थिति बिजली कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर है। रात के अंधेरे में जंगल से सटे खेतों में फाल्ट तलाशना किसी खतरे से कम नहीं। एक ओर हिंसक वन्यजीवों का डर, दूसरी ओर शिकारियों की मौजूदगी कर्मचारियों की जान के लिए गंभीर खतरा बनी हुई है। आरोप है कि शिकारियों ने विरोध करने पर बिजली कर्मियों को जान से मारने की धमकी भी दी है। इसके बावजूद वन विभाग और पुलिस की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। बिजली कर्मियों का कहना है कि बार-बार हो रही ऐसी घटनाएं किसी बड़े हादसे का संकेत हैं। यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में किसी कर्मचारी या ग्रामीण की जान भी जा सकती है। क्षेत्रवासियों ने वन विभाग, पुलिस और बिजली विभाग से संयुक्त अभियान चलाकर शिकारियों पर अंकुश लगाने और हाईटेंशन लाइनों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

बिजली कर्मचारी को जान से मारने की धमकी

लाइन ब्रेक होने पर फाल्ट ढूंढने निकले बिजली कर्मियों की जान भी खतरे में रहती है। जंगल से सटे खेतों में हिंसक वन्यजीवों के साथ-साथ शिकारी भी उनकी निगरानी करते हैं। तिकुनिया उपकेंद्र के एक कर्मचारी ने कोतवाली तिकुनिया में तहरीर दी है। कर्मचारी का कहना है कि गांव रायपुर निवासी धर्मेंद्र नाम का युवक वन्यजीवों के शिकार में लिप्त है। हाईटेंशन लाइन से शिकार करने का विरोध करने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी, लेकिन पुलिस ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की।

जमीन के विवाद में वृद्धा के घर पर हमला, कई घायल

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● 10 नामजद, 7 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट, एससीएसटी एक्ट भी लगा

अमृत विचार: थाना निघासन क्षेत्र के गांव बिहारीलालपुरवा में जमीन के विवाद को लेकर वृद्ध महिला के घर पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया और घर में घुसकर परिजनों की पिटाई कर दी। इसमें महिलाओं समेत कई लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने 10 लोगों को नामजद कर 7 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। साथ ही एससीएसटी एक्ट भी लगाया है। मामले की जांच सीओ को सौंपी गई है।

बिहारीपुरवा मजरा लुधौरी निवासी शांति देवी ने बताया कि मंगलवार की शाम करीब 4 बजे वह अपने परिवार के साथ घर में बैठी थीं। इसी दौरान जमीनी विवाद की रंजिश को लेकर मुन्ना यादव, छोटे लाल, मनोज यादव, सिकन्दर यादव, छत्रपाल, जगदम्बा, अमर सिंह, विनोद, रतीराम अपने 6-7 अन्य लोगों के साथ लाठी-डंडा व धारदार हथियार लेकर उनके घर में घुस आए। आरोप है कि हमलावरों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते परिजनों के साथ उसकी भी बेरहमी से मारपीट की। हमलावरों की पिटाई से बहू पूनम, छम्मो देवी, रेनू, तारावती, प्रीती, ऊषा देवी, पोती राधा व अन्य परिजन घायल हो गए। जान बचाने के लिए महिलाएं घर के अंदर भागीं, लेकिन आरोपियों ने घर में घुसकर फिर से हमला किया और गंभीर चोटें पहुंचाईं। इसके साथ ही घर का सामान तोड़फोड़ कर नष्ट कर दिया। घर उजाड़ देने और जान से मारने की धमकी भी दी गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर प्रकरण की विवेचना क्षेत्राधिकारी निघासन को सौंपी गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ठगी करने वाले गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● इटौंजा में युवती का एटीएम बदलकर निकाले थे 20 हजार

● कमिश्नरेट लखनऊ के थाना इटौंजा पुलिस आरोपी को साथ ले गई

अमृत विचार: एटीएम बदलकर ठगी करने वाले गिरोह की तलाश में लखीमपुर पहुंची कमिश्नरेट लखनऊ के थाना इटौंजा पुलिस ने सूरजपुर गढ़ा रोड से एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उसे अपने साथ लखनऊ ले गई है। आरोपी के पास से दो अदद एटीएम कार्ड, एक मेट्रो स्मार्ट कार्ड व 4,400 रुपये नकद बरामद किए गए हैं।

इटौंजा पुलिस के मुताबिक इटौंजा के उसरना निवासी अंकिता गुप्ता 21 सितंबर 2025 को महोना रोड स्थित इंडियम बैंक शाखा के एटीएम पर रुपए निकालने गई थी। इसी बीच बाइक से पहुंचे दो लोग भी उसके पीछे एटीएम कक्ष के अंदर प्रवेश कर गए और झांसा देकर उसका एटीएम बदल लिया। जब तक वह कुछ समझ पाती। इससे पहले ही आरोपी बाइक से भागने लगे। उसने जब आरोपियों को पकड़ने की कोशिश की तो हाथ में आया यूको बैंक का एक एटीएम उसका नहीं था। थोड़ी ही देर में उसके मोबाइल नंबर पर दो बार में 10-10 हजार रुपये निकाले जाने का मैसेज आया।

पीड़ित युवती ने अज्ञात के खिलाफ थाना इटौंजा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने क्राइम टीम एवं सर्विलांस टीम के सहयोग से जांच शुरू की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने थाना फरधान की सासिया कॉलोनी देवकली निवासी दीपक को सूरजपुर गढ़ा मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया। बकौल पुलिसः आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर एटीएम के आसपास रेकी करता था। एटीएम मशीन चलाने में असमर्थ व्यक्तियों व महिलाओं की मदद के बहाने उनके एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करता था। गिरोह के सदस्य दो लोग एटीएम के अंदर जाकर कार्ड बदलते थे, जबकि दो लोग बाहर बाइक लेकर तैयार रहते थे।

बाद में बदले गए एटीएम कार्ड से अलग-अलग स्थानों पर जाकर पैसा निकाल लिया जाता था। आरोपी ने अपने साथियों के नाम संजीत उर्फ पेड़ा, सुरेन्द्र उर्फ बैकी और मंजीत बताए हैं, जो सभी अलग-अलग स्थानों के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी दीपक के विरुद्ध पूर्व में भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। प्रकाश में आए गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए टीमों का गठन कर दबिश दी जा रही है।

वारंट तामील न कराने पर थानाध्यक्ष तलब

बरेली, अमृत विचार: पारिवारिक मामले में पत्नी को भरण पोषण की रकम अदा न करने पर अपर प्रधान न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय प्रथम संजय कुमार सिंह ने थाना भमोरा के गांव चकरपुर निवासी पति अजय कुमार के विरुद्ध 3 लाख रुपये का वसूली वारंट जारी कर तामील के लिए एसएसपी को निर्देशित किया था। एसएसपी ने 25 नवंबर को थानाध्यक्ष भमोरा को आदेश का 28 नवम्बर तक पालन कर आख्या कोर्ट में पेश करने का निर्देश दिया था। मगर थानाध्यक्ष ने अदालत में आख्या पेश नहीं की। इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए टिप्पणी की है कि इससे प्रकट हो रहा है कि थानाध्यक्ष भमोरा इस न्यायालय के आदेश की जानबूझकर अवज्ञा कर रहें है। थानाध्यक्ष 8 जनवरी को पेश होकर स्पष्ट करें कि क्यों न उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाए। कोर्ट ने आदेश की प्रति एसएसपी व सीओ आंवला को भी भेजी है।

वाहन की टक्कर से किसान की मौत

संवाददाता, निघासन

● पलिया मार्ग पर दुबहा क्रेशर के पास हुआ हादसा

अमृत विचार: थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिवर वालों को सौंप दिया।

रोशन लाल।

हादसा मंगलवार की देर शाम पलिया रोड पर स्थित दुबहा क्रेशर के निकट हुआ। गांव दुबहा निवासी रोशन लाल (56) मंगलवार की शाम गणेश शुगर इंडस्ट्री स्थित दुबहा चौराहे की ओर आए थे। इसी दौरान किसान को बीज भंडार के पास किसी वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर तमाम लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस मौके पर पहुंची। रोते-बिलखते परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए। प्रभारी निरीक्षक महेश चंद्र ने बताया कि पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार वालों को सौंप दिया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। जल्द ही वाहन की पहचान कर उसे बरामद कर लिया जाएगा।

इस हादसे से ठीक 20 मिनट बाद उसी सड़क पर दो ट्रालियां जोड़कर जा रहे ट्रैक्टर का संतुलन बिगड़ गया, जिससे पलट गया। इससे अफरा-तफरी मच गई। यह घटना रोशन लाल की मौत वाले स्थान से लगभग 50 मीटर दूर हुई। ट्रैक्टर चालक बाल-बाल बच गया।

हादसे के बाद घटना स्थल पर लगी ग्रामीणों की भीड़। ● अमृत विचार

जायरीन से भरी बस का धुरा टूटा, आगे के पहिए निकले

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● परसाखेड़ा के पास हुआ हादसा पलटने से बची बस

अमृत विचार: सीबीगंज क्षेत्र में परसाखेड़ा के पास जायरीन को लेकर अजमेर जा रही प्राइवेट बस के धुरा टूटने पर आगे के दोनों पहिए टूट गए। गनीमत रही कि बस नहीं पलटी। हादसे के बाद जायरीन में चीख पुकार मच गई। सूचना पर सीबीगंज पुलिस ओर दरगाह कमेटी के पदाधिकारी मौके पर पहुंच गए। उसके बाद सभी यात्रियों को दूसरे वाहन से दरगाह पर लाकर उनके ठहरने का इंतजाम किया गया। गुरुवार को बस ठीक होने के बाद आगे रवाना की जाएगी।

अजमेर में उर्स में जाने वाले जायरीन दरगाह आला हजरत पर हाजिरी देकर जा रहे हैं। बुधवार को बहराइच जिले से जायरीन से भरी एक निजी बस दरगाह आला हजरत पर हाजिरी देने के लिए आई थी। बुधवार शाम को करीब 100 जायरीन सवार बस सिटी स्टेशन से निकलकर आगे के लिए बढ़ी। बस जैसे ही सीबीगंज थाना क्षेत्र के परसाखेड़ा के पास पहुंची तभी धुरा टूट गया, जिससे आगे के दोनों पहिए निकल गए और बस पलटने से बची।

मीडिया प्रभारी नासिर कुरैशी ने बताया कि बस में सभी जायरीन सुरक्षित है। दरगाह पर सूचना आने के बाद दरगाह प्रमुख मौलाना सुब्हान रजा खान (सुब्हानी मियां) के निर्देश पर मंजूर रजा, जोहिब रजा, मुजाहिद बेग, जुनैद रजा घटना स्थल पहुंच गए। सभी जायरीन को दरगाह पर ठहराने की व्यवस्था की गई। गुरुवार को बस ठीक होने के बाद आगे के लिए रवाना होगी। वहीं हादसे की सूचना पर सीबीगंज पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

माइनर कटने से 50 बीघा गेहूं की फसल में भरा पानी

ललौरीखेड़ा में कैलाश रजबाह की कटी नहर के बाद निकलता पानी ● अमृत विचार

सड़क और खेत में भरा पानी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : ललौरी खेड़ा ब्लॉक क्षेत्र में मंगलवार रात किसानों पर आफत बनकर नहर विभाग की लापरवाही टूट पड़ी। कैलाश रजबाह से निकलने वाली भूढ़ा मगरासा माइनर का तटबंध अचानक कट जाने से खेतों में पानी भर गया और करीब 50 बीघा गेहूं की खड़ी फसल जलमग्न हो गई। सुबह खेतों पर पहुंचे किसानों ने जब फसल को पानी में डूबा देखा तो उनके होश उड़ गए। एक ही रात में महीनों की मेहनत पर पानी फिरता दिखा।

माइनर में पिछले कई दिनों से पानी का दबाव अधिक था, जबकि लंबे समय से इसकी न तो सफाई कराई गई और न ही मरम्मत पर ध्यान दिया गया। कमजोर पटरी मंगलवार रात दबाव नहीं झेल सकी और देखते ही देखते तटबंध कट गया। कटान के बाद माइनर का तेज बहाव आसपास के खेतों में फैलता चला गया। इतना ही नहीं पानी सड़क तक पर भर गया। ग्रामीणों ने तत्काल नहर विभाग के अधिकारियों को सूचना दी, लेकिन घंटों तक कोई मौके पर नहीं पहुंचा, जिससे नुकसान और बढ़ गया। किसानों के अनुसार, ललौरीखेड़ा निवासी शिव शंकर की करीब पांच बीघा, नत्थू लाल मौर्य की पांच बीघा और शिव स्वरूप की छह बीघा गेहूं की फसल प्रभावित हो गई। इसके अलावा अन्य किसानों के खेतों में भी पानी भरने से फसल को भारी क्षति पहुंचने की बात कही है। किसानों का कहना है कि माइनर की हालत पहले से जर्जर थी और इसकी शिकायत कई बार विभाग से की गई, लेकिन हर बार अनदेखी की गई। किसानों का आरोप है कि यदि समय रहते माइनर की मरम्मत कर दी जाती या कटान के बाद तुरंत पीछे से पानी बंद कराया जाता, तो इस बड़े नुकसान से बचा जा सकता था। घटना के बाद गांव में आक्रोश है। किसान मुआवजे की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन कराने और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

घने कोहरे के चलते एक ही रात में चार मकानों में चोरी

संवाददाता, मैगलगंज

अमृत विचार: घने कोहरे का फायदा उठाते हुए चोरों ने मंगलवार रात कस्बे के मोहल्ला आजाद नगर स्थित चार घरों को निशाना बनाया। ताला तोड़कर चोर नकदी-जेवर ले गए। एक ही रात में चार घरों में चोरी होने से कस्बे में दहशत का माहौल है।

मोहल्ला आजाद नगर निवासी रामपाल गौतम, अख्तर अली और आरिफ उर्फ छोटे के बंद मकानों के चोरों ने ताले तोड़ दिए। कमरों में रखी अलमारी और बक्सों के ताले तोड़कर उनमें रखी नगदी और कीमती सोने-चांदी के जेवर चोरी कर ले गए। इसके अलावा फलाहारी मंदिर के पीछे स्थित दीपू पांडेय के बंद मकान को भी चोरों ने निशाना बनाया और कीमती सामान पर अपना हाथ साफ कर दिया। सुबह जब आसपास के लोगों ने टूटे ताले देखे तो चोरी की जानकारी हुई, जिससे मोहल्ले में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों के अनुसार रामपाल गौतम और अख्तर अली का परिवार दिल्ली में रहता है, जबकि आरिफ परिवार के साथ दूसरे मकान में रह रहा था। इंस्पेक्टर इंद्रजीत सिंह ने बताया कि चोरी की सूचना सोशल मीडिया के माध्यम से मिली थ।

छात्रवृत्ति फार्म जमा करने आये छात्र को पीटा

बरेली कॉलेज में बुधवार को छात्रवृत्ति फार्म जमा करने आये छात्र ओम शर्मा को कॉलेज के एमएससी के छात्र एवं पूर्व एबीवीपी पदाधिकारी हर्षित चौधरी ने लाइन तोड़ने के मामले में पीट दिया। चीफ प्रॉक्टर प्रो. आलोक खरे को दी शिकायत में ओम शर्मा ने बताया कि वह छात्रवृत्ति फार्म जमा करने काउंटर पर लाइन में लगा था, तभी एक छात्र लाइन तोड़ते हुए आगे आ गया। विरोध करने पर उसने उन्हें पीटा।

आवश्यकता है

- कंप्यूटर ऑपरेटर (MS ऑफिस अनिवार्य, Corel Draw अनुभवी को वरीयता)
- नर्स ANM/GNM (Male) ● आयुर्वेदिक परिचारिका
- पंचकर्म थेरेपिस्ट/असिस्टेंट (Male, Female)
- आयुर्वेदिक मेडिकल स्टोर पर कार्य हेतु अनुभवी लड़के/लड़की
- रसोइया ● वार्ड बॉय
- हॉस्टल वार्डन फीमेल
- कैंटीन सुपरवाइजर/मेस सुपरवाइजर

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल
सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड, बरेली
मो. +91-8077808309, 9837357497

123 उपभोक्ताओं के बिलों का किया गया समाधान

बरखेड़ा, अमृत विचार: पावर कॉरपोरेशन की तरफ से बिजली बिल राहत योजना के तहत गांव काजरबोझी में बुधवार को शिविर लगाया गया। 123 उपभोक्ताओं के बिलों का समाधान करते हुए छूट का लाभ दिया गया। अवर अभियंता ग्रामीण संत कुमार ने बताया मंगलवार को क्षेत्र के गांव अमखेड़ा में विद्युत कैंप सुबह 10 से शाम के 5 बजे तक लगाया गया था। जिसमें 60 उपभोक्ताओं से 245800 रुपये और बुधवार को गांव कजरबोझी में लगाए गए कैंप में 63 विद्युत उपभोक्ताओं से 296550 रुपये बिल की वसूली की गई। इस मौके पर भरत कुमार, जावेद खान, शिवकुमार, अभिषेक मिश्रा, राम धीरज, पूरनलाल आदि मौजूद रहे।

मैलानी के रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी सम्मानित

पेंशनर्स दिवस पर अब्दुल रसीद खां को सम्मानित करते एडीआरएम मनोज कुमार।

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर बरेली की ओर से पूर्वोत्तर रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन वेलफेयर इज्जत नगर पेंशनर्स दिवस समारोह पर रिटायर्ड कर्मचारी को समारोहपूर्वक सम्मानित किया गया।

बुधवार को पूर्वोत्तर रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन वेलफेयर इज्जत नगर न्यू मॉडल कालोनी स्थित मैत्री सामुदायिक केंद्र में पेंशनर्स दिवस समारोह आयोजित कर मैलानी मस्जिद वार्ड निवासी पेंशनर हाजी अब्दुल रसीद खां (80) और मैलानी निवासी 75 वर्ष की आयु पूरी कर चुके रामेश्वर झा को भी बरेली एडीआरएम इज्जतनगर मनोज कुमार ने माला पहनाकर और शाल ओढ़ाकर एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

खड़ी ट्राली से टकराई बाइक युवक की मौत

निगोही, अमृत विचार : निगोही थाना क्षेत्र के गांव लधौला निवासी 30 वर्षीय इतवारी सिंह मंगलवार को चैना रुरिया गांव में किसी काम से गए थे। वह शाम आठ बजे अपने गांव लौट रहे थे। गांव के किनारे सड़क पर ट्रैक्टर-ट्राली खड़ी थी। कोहरा होने के कारण बाइक सवार को ट्रैक्टर-ट्राली नहीं दिखी और पीछे से जाकर बाइक टकरा गयी। बाइक सवार इतवारी सिंह घायल हो गया। हादसे की सूचना पर परिवार और गांव वाले पहुंच गए। परिवार वाले घायल को सीएचसी पर ले गए, जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार वालों ने निगोही थाना पर सूचना दी। पुलिस ने मौके पर जाकर जांच की।

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

मैं राजेंद्र प्रसाद पुत्र चंपत रॉय, हाल निवासी गणेशनगर, बरेली अपने पुत्र अभिषेक गंगवार को दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर सभी संबंध समाप्त कर लिए हैं भविष्य में वह अपने कृत्यों आदि का स्वयं जिम्मेदार होगा।

सूचना

मैंने अपने पुत्र दीपक श्रीवास्तव एवं उसकी पत्नी कोमल से गलत आचरण के चलते संबंध विच्छेद कर अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उनके कृत्यों के वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरे परिवार के अन्य सदस्यों से उसका कोई संबंध नहीं होगा। **नत्थू लाल पुत्र मक्खन लाल नि 297 टियूलिया सीबीगंज बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम शाजिया हसन खान (Shazia Hasan Khan) था जिसे बदलकर अब शाजिया खान रख लिया है। मेरे वो दस्तावेज जिनमें मेरा नाम शाजिया हसन खान है वो भी मेरे ही माने जायेंगे। भविष्य में मुझे शाजिया खान (Shazia Khan) के नाम से ही जाना व पहचाना जाये। **शाजिया खान पुत्री डा. एजाज हसन खान निवासी 6, नशेमन, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र रवि कुमार पुत्र स्व. गेंदन लाल को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण संबंध विच्छेद कर अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। **गीता देवी पत्नी स्व. गेंदन लाल निवासी गुप्ता स्वीट्स के सामने, संजय नगर, थाना बारादरी जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा बीएससी फाइनल वर्ष 2012 का प्रवजन प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिला है। द्वितीय प्रतिलिपि नियमानुसार जारी करने हेतु। **संजीव कुमार पुत्र नत्थू लाल निवासी ग्राम ढकिया पो. देवरनियां जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने चारों पुत्रों तसलीम, तनवीर, तौफीक व जुनैद को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में इनका मेरा व मेरे पति से कोई वास्ता नहीं होगा। **हमशीरन बेगम पत्नी मो. याकूब नि. ग्राम हरहरपुर मटकली तहसील नवाबगंज, बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 18 दिसंबर 2025

कूच बिहार ट्रॉफी : दूसरे दिन एक भी गेंद नहीं फेंकी गई

बरेली, अमृत विचार : एसआरएमएस क्रिकेट स्टेडियम में कूच बिहार ट्रॉफी अंडर-19 मैच का दूसरा दिन भी कोहरे की भेंट चढ़ गया।

पूरे दिन मैच खेलने का इंतजार करते दोनों टीमों के खिलाड़ी फुटबॉल खेल कर अपनी प्रैक्टिस करते रहे, शाम तक कोहरा कम नहीं हुआ। शाम करीब 4 बजे अंपायरों ने मैच रेफरी के साथ मैच न होने की घोषणा की। पहले दिन भी कोहरे ने मैच के प्रभावित किया था। धूप निकलने पर दोपहर बाद मैच शुरू हुआ तो सिर्फ 17 ओवर ही फेंके जा सके। जिसमें बंगाल टीम ने 3 विकेट के नुकसान पर 89 रन बनाए।

किशोर की हत्या के दोषी को उम्रकैद

बिशारतगंज में मामूली कहासुनी के बाद आरोपी ने पेट में घोपा था चाकू

विधि संवाददाता, बरेली

- मृतक के भाई ने 10 मार्च 2024 को दर्ज कराई थी आरोपी पर रिपोर्ट
- किशोर अपचारी का प्रकरण किशोर न्याय बोर्ड भेजा जा चुका है

अमृत विचार: मामूली कहासुनी में 17 वर्षीय किशोर की पेट में चाकू घोंपकर हत्या करने के आरोपी बिशारतगंज के वार्ड आठ निवासी अरुण उर्फ मीत गोस्वामी को दोषी पाते हुए अपर सत्र न्यायाधीश-9 अविनाश कुमार सिंह ने आजीवन कारावास और 55 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनायी।

जुर्माने की आधी रकम मृतक के माता-पिता को बतौर मुआवजा मिलेगी।

सरकारी वकील हरेन्द्र राठौर ने बताया कि मृतक के भाई अजय साहू ने थाना बिशारतगंज में तहरीर देकर बताया था कि उसके भाई विजय साहू की 10 मार्च 2024 दोपहर में पड़ोस के रहने वाले मीत गोस्वामी से कहासुनी हो गई थी। लोगों ने समझा बुझाकर शांत करा दिया था, मगर मीत रंजिश मान गया और उसी दिन शाम करीब 8.30 बजे रास्ते में मीत ने अपने नाबालिग दोस्त के साथ विजय को घेर लिया और पेट में चाकू मार दिया। भाई चाकू लगने से गम्भीर घायल हो गया था, इलाज के लिए अस्पताल ले गए जहां उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने मीत व किशोर अपचारी के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज किया था, विवेचना के बाद दोनों के विरुद्ध आरोप पत्र कोर्ट भेजा था। किशोर अपचारी का प्रकरण किशोर न्याय बोर्ड भेजा जा चुका है। अभियोजन ने 10 गवाह पेश किये।

बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

विधि संवाददाता, बरेली : 12 वर्षीय बच्ची को बहला-फुसलाकर घर बुलाकर दुष्कर्म कर गर्भवती करने के आरोपी थाना नवाबगंज क्षेत्र निवासी राशिद की जमानत अर्जी स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट कोर्ट देवाशीष ने खारिज कर दी। सरकारी वकील राजीव तिवारी ने बताया कि पीड़िता के भाई ने थाना नवाबगंज में तहरीर देकर बताया था कि आरोपी ने बहन के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने बयान में कबूला कि आरोपी ने बेल देने के बहाने अपने घर पर बुलाया था और मुझे पकड़ लिया और दुष्कर्म किया। किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। डर से मैंने घर किसी को कुछ नहीं बताया। मुझे नहीं पता था कि पेट में बच्चा है। पेट बढ़ने पर घरवालों ने कहा कि सूजन है, अल्ट्रासाउंड कराया तो पता चला कि पेट में बच्चा है। पीड़िता 6 माह की गर्भवती पाई गई। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट, दुष्कर्म की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की।

किराये के फ्लैट में चल रहा था देह व्यापार, छह गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बारादरी पुलिस ने पॉश कॉलोनी के एक फ्लैट में की थी छापेमारी
- पुलिस ने युवती और गैंगस्टर समेत छह आरोपियों को भेजा जेल

अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र की पॉश कॉलोनी महेंद्रनगर में पुलिस ने छापेमारी करके किराये के फ्लैट देह व्यापार का खुलासा किया है। साथ ही एक युवती समेत छह आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया है। यहां से युवती के साथ गिरफ्तार एक युवक के खिलाफ गैंगस्टर समेत 19 मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस को मौके से आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद हुई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिचपुरी बिथरी चैनपुर निवासी रोहित, डेलापीर के सोनू, स्टेडियम रोड के बसंत, मिथलापुर कालोनी के अभय विक्रम काकर टोला के सुधांशु के रूप में हुई है। सभी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया।

बारादरी थाना प्रभारी धनंजय कुमार पांडे ने बताया कि मंगलवार की रात पुलिस को सूचना मिली थी कि डोहरा रोड की पॉश कालोनी महेंद्रनगर फेस-दो के एक फ्लैट में देह व्यापार किया जा रहा है। सूचना देने वाले ने बताया कि आए दिन मकान में अंजान महिला और पुरुष आकर रुकते हैं। बारादरी थाना प्रभारी और मिशन शक्ति टीम हरकत में आई। सीओ तृतीय पंकज श्रीवास्तव के साथ टीम ने फ्लैट पर दबिश दी। इस दौरान फ्लैट में एक लड़की और पांच युवक आपत्तिजनक हालत में मिले। पुलिस ने मौके से आपत्तिजनक सामाग्री के अलावा पेट्रोलियम जैली, मॉश्चराइजर समेत कुछ नकदी बरामद की। पूछताछ में पता चला कि पकड़ी गई लड़की पांचों युवकों को जिस्मफरोशी की रकम तय कर फ्लैट पर लेकर आई थी। युवकों ने बताया कि वह पहले से कॉल गर्ल को जानते हैं। पार्टी में उससे मुलाकात हुई थी।

दुष्कर्म में दोषी को 20 वर्ष कैद

विधि संवाददाता, बरेली, अमृत विचार : चार वर्ष पूर्व नाबालिग (16) से दुष्कर्म करने, पीड़िता के आधार कार्ड में जन्मतिथि में फर्जीवाड़ा, जालसाजी करने के आरोपी थाना इज्जतनगर पावर हाउस निवासी उदय जाट को दोषी पाते हुए स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट कोर्ट-1 हेमेंद्र कुमार सिंह ने 20 वर्ष कारावास व 35 हजार जुर्माने की सजा सुनाई।

सरकारी वकील सरनाम सिंह ने बताया कि पीड़िता के पिता ने थाना प्रेमनगर में तहरीर देकर बताया था कि उसकी पुत्री कक्षा 8 की छात्रा है। वह 10 नवंबर 2021 को उसके साथ दुकान पर थी तभी वह घर पर टॉयलेट जाने की बात कहकर चल गई और रास्ते से ही बिना बताए कहीं चली गई। विवेचना में पीड़िता ने बताया रास्ते में उसे उदय मिला था बोला तुम्हें घर छोड़ दूंगा फिर उसने अपने घर ले जाकर कमरे में बंद कर दिया और दुष्कर्म किया।

नौ ट्रेनें निरस्त

बरेली : कोहरे के चलते लगातार ट्रेनें प्रभावित हो रही है। बुधवार को 9 ट्रेनें निरस्त रहीं और दर्जनों ट्रेनों ने घंटों इंतजार कराया। बड़ी संख्या में ट्रेनें रद्द होने से बरेली जंक्शन पर बुधवार को प्लेटफार्म से लेकर टिकट विंडो तक सन्नाटा नजर आया।

बरेली आने वाली कई ट्रेने बुधवार को निरस्त रही।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ–पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 9211/7निविदा (सी0डी0)(ई0टेण्डर)–08/25–26 दिनांक: 11.12.2025

अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ–पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा जो मार्ग वर्षा एवं बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हो गये है, आम जनमानस को सुगम यातायात की सुविधा उपलब्ध कराये जाने के दृष्टिगत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई–निविदा प्रतिशत दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र साईट/पोर्टल पर दिनांक 20.12.2025 से दिनांक 30.12.2025 मध्यान्ह 12.00 बजे तक उपलब्ध रहेगे एवं तकनीकी बिड दिनांक 30.12.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी।

क्रम सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत रू0 (लाख में)	धरोहर धनराशि रू0 (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	अधिशासी अभियन्ता का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	मुख्य अभियन्ता का पता	ठेकेदार की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	बदायूँ	जरीफनगर समसपुर भूढ़ थानपुर नाधा मार्ग (अजिमा) के किमी0 5(400) के आबादी भाग में सी.सी. एवं नाली निर्माण कार्य	102.00	7.10	2714	2 Month	निर्माण खण्ड, लो.निवि, बदायूँ।	बदायूं/पीलीभीत वृत्त लो.नि.वि. बरेली	बरेली क्षेत्र लो.निवि, बरेली	ए0, बी0, सी0,
2.	बदायूँ	समसपुर मलिकफत्ता से अम्बियापुर वाया गिरधर मार्ग की मरम्मत एवं आबादी भाग में सी सी. एवं नाली निर्माण का कार्य	35.00	3.50	2714	2 Month	निर्माण खण्ड, लो.निवि, बदायूँ।	बदायूं/पीलीभीत वृत्त लो.नि.वि. बरेली	बरेली क्षेत्र लो.निवि, बरेली	ए0, बी0, सी0,

2– बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in. पर दिनांक 20.12.2025 से 30.12.2025 तक उपलब्ध है, निविदाये दिनांक 30.12.2025 को मध्यान्ह 12.00 बजे तक अपलोड की जा सकती हैं। तकनीकी बिड दिनांक 30.12.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(देवपाल सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0,बदायूँ

(के0 के0 सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ–पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0,बरेली

UP-242543 दिनांक 16.12.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना सं.: इज्जत./इलै./ओ.टी./26/2025, दिनांक 12-12-2025

निम्नलिखित कार्य के लिये ई–निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सा.)/इज्जतनगर द्वारा आमन्त्रित की जाती है:– **क्रम सं.-01,** कार्य का नाम: इज्जतनगर मंडल के अन्तर्गत विविध दूरसंचार कार्यो–स्टैंडबाय मास्टर टेलीफोन, पोर्टा हट के स्थान पर ओ.एफ.सी. मीडिया और S&T सर्विस बिल्डिंग का सुदृढ़ीकरण, रामपुर–लालकुआं खण्ड में सेक्शनल गति 130 किमी/घंटा बढ़ाने के लिये विविध सिग्नलिंग कार्य, काशीपुर स्टेशन पर रिले रूम का विस्तार, विभिन्न खंडो में सीमित दृश्यता वाले 06 एल.सी. की इंटरलॉकिंग, अलीगंज स्टेशन पर दूसरी लूप लाइन का प्रावधान तथा लालकुआं यार्ड में इलेक्ट्रिक लोको ट्रिप शेड का निर्माण के संबंध में सामान्य विद्युतीकरण कार्य। **विवरण:** अनुमानित लागत रू. में: ₹ 70,59,237.54, धरोहर राशि रू. में: ₹ 1,41,200/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य रू.में: शून्य, निविदा का प्रकार: खुली निविदा, ई-निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि व समय: 05-01-2026, 15:00 बजे तक, स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि: 12 माह।
• इस निविदा के लिये किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जायेगा। • पूर्ण विवरण वेबसाइट *http://www.ireps.gov.in* पर अपलोड कर दिया गया है। • निविदादाता के पास क्लास–III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र होना आवश्यक है और IREPS पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिए। • सभी आवश्यक दस्तावेज ई–निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहिये। • निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वे समय–समय पर ऑन लाइन जारी किये गये शुद्धिपत्र की जाँच करे, यदि कोई हो। समाचार पत्र में अलग से कोई प्रकाशन जारी नहीं किया जायेगा।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सा.)
मुजाधि/विद्युत–215 **इज्जतनगर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

सूचना

सूचित किया जाता है कि फर्म–मैसर्स जय बाबा महाकाल इण्टरप्राइजेज, ग्राम–कुईया उगनपुर, पोस्ट पचौमी, तहसील फरीदपुर जिला बरेली, उ.प्र. पिनकोड–243503 (पंजीकरण संख्या : BAR/0004435) का वास्तविक साझेदार है। फर्म में कुल 4 साझेदार– राजेश्वर, सुप्रिया शर्मा, रहीस खां व मोहम्मद हाशिम थे। साझेदारों की रजामंदी से दिनांक 17.12.2025 को फर्म में नया साझेदार आकाश कुमार को शामिल किया गया है। दो साझेदार राजेश्वर व मोहम्मद हाशिम ने अपनी स्वेच्छा से दिनांक 17.12.2025 को अवकाश ग्रहण करके फर्म से अलग हो गये। अवकाश ग्रहण साझेदारों का सारा हिसाब किताब चुकता हो गया है। साझेदारों का फर्म/साझेदारों पर या फर्म का साझेदारों पर कोई लेन–देन बकाया नहीं है। अब फर्म में कुल तीन साझेदार सुप्रिया शर्मा, आकाश कुमार व रहीस खां है। फर्म में एवं साझेदारों में कोई विवाद नहीं है। फर्म के पुराने पते ग्राम कुइया उगनपुर पोस्ट पचौमी तहसील फरीदपुर जिला बरेली, उ.प्र. पिनकोड–243503 को परिवर्तित कर नया पता मोहल्ला मिर्धान बीसलपुर रोड, बकैनिया मोड़, तहसील व डाकखाना फरीदपुर जिला बरेली उ.प्र. पिनकोड–243503 कर दिया गया है। एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में सस्त विधिक औपचारिकतायें मेरे द्वारा पूरी कर ली गयी है।

सुप्रिया शर्मा–साझेदार
मैसर्स जय बाबा महाकाल इण्टरप्राइजेज बरेली, उ.प्र.

सूचना

सूचित किया जाता है कि आई पी का मूल सेल डीड विलेख दिनांक 31.12.1985 मकान नं. 1018, कटरा चाँद खां, बरेली पर स्थित है। क्षेत्र 86 गज इस प्रकार परिबंधित है। पूर्व–रास्ता 7 फिट, पश्चिम–मकान श्री चिन्ती प्रसाद, उत्तर–रास्ता 12 फिट, दक्षिण–मकान श्री हर प्रसाद गुप्ता जोकि बही नं. 1, जिल्द 2498/2517 पेज 173/123–128 पर दस्तावेज 12670 सब रजिस्ट्रार बरेली पर पंजीकृत श्री ढाकन लाल शर्मा के पक्ष में खो गए है और अपर्याय है। इसके अलावा पंजाब नैशनल बैंक शाखा कार्यालय सिविल लाइन्स, उपरोक्त संपत्ति को गिरवी रखने का इरादा रखता है। यदि कोई व्यक्ति इसे पाता है या संपत्ति में किसी हित या स्वामित्व का दावा करता है तो इस प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर पंजाब नैशनल बैंक शाखा कार्यालय सिविल लाइन्स, बरेली में सम्पर्क करने का अनुरोध किया जाता है।

ओम प्रकाश शर्मा पुत्र स्व. श्री ढाकन लाल शर्मा
निवासी 1018, कटरा चांद खां, बरेली। मो. 7351626226

कार्यालय ग्राम पंचायत पिपरा छीट विकास खंड बेहजम खीरी

पत्रांक : मेमो **अति अल्पकालीन निविदा** दिनांक 17.12.25

समस्त पंजीकृत फर्मो/विक्रेताओ को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत पिपरा छीट के द्वारा वर्ष 2025–26 की स्वीकृत कार्य योजना में मनरेगा योजना के तहत निम्न विवरण के अनुसार निर्माण कार्य हेतु निर्धारित मानक गुणवत्ता के अनुसार उच्च को की निर्माण सामग्री यथा सीमेंट रेत, बजरी, मोरंग सरिया, प्रथम ईट, रोड़ी, इंटरलॉकिंग ईट आदि कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु सील बंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं जिनकी निविदा प्रपत्र ग्राम पंचायत कार्यालय में 18 दिसंबर से 22 दिसंबर तक बिक्री/वितरित की जाएगी, जो निविदा प्रपत्र ग्राम पंचायत कार्यालय में 23 दिसंबर को टेंडर बॉक्स में दिन के 2:00 बजे आमंत्रित की जाएगी उसी दिन, ग्राम पंचायत कार्यालय पर 4:00 निविदाएं समस्त निविदा दाता के सामने खोली जाएगी

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	सामग्री
1.	मनोज के मकान से बड़े भैया के मकान तक इंटर लॉकिंग निर्माण कार्य	789223.00	आवश्यकतानुसार
2.	रामचंद्र के मकान से गंगाराम के मकान तक इंटर लॉकिंग निर्माण कार्य	798932.00	आवश्यकतानुसार

अंजनी वर्मा ग्राम प्रधान — **सुमन यादव** ग्राम पंचायत अधिकारी — **अजीत सिंह पटेल** तकनीकी सहायक — **शरद कुमार सिंह** खंड विकास अधिकारी

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, बदायूँ।
अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

No. : 2642/ Nivida(E-T.)/ 2025-26 Date : 10-12-2025

1. महामहिम राज्यपाल, उ0 प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोनिवि बदायूँ के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार वर्षा काल में क्षतिग्रस्त सड़क के सतह सुधार एवं यातायात सुगम किये जाने हेतु स्वीकृति की प्रत्याशा में अल्पकालीन ऑनलाइन ई–निविदा दि0 20.12.2025 से दि0 30.12.2025 की दोपहर 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं:–

2. वित्तीय वर्ष 2025–26 में विशेष मरम्मत योजनान्तर्गत कार्य:–

Sr. No.	District	Name of work	Cost of Construction	Bid Security (in Rs.lac)	Cost of Bid Document (Rs.)	Time of completion	Address of Executive Engineer Executing the work	Address of Superintending Engineer	Address of Chief Engineer	Category of Contractor (Road Work)
1	Budaun	आरिफपुर भगतानगला से रफतपुर मौरू जनूबी सम्पर्क मार्ग की मरम्मत एवं आबादी भाग में सी0 सी0 एवं नाली निर्मण कार्य	33.80	3.38	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
2	Budaun	सहसवान नाधा मार्ग के किमी0 12 से सराय सॉवल उघैती मार्ग (अजिमा) के किमी. 4(100) एवं 14(200) के आबादी भाग में सी सी0 एवं नाली निर्माण का कार्य	33.50	3.35	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
3	Budaun	अल्लेहपुर मोड से नहडोली सम्पर्क मार्ग की मरम्मत एवं आबादी भाग में सी.सी. एवं नाली निर्माण का कार्य	33.70	3.37	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D

3-बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in. पर दिनांक 20.12.2025 से 30.12.2025 तक उपलब्ध है, निविदाये दिनांक 30.12.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक अपलोड की जा सकती हैं। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 30.12.2025 को दोपहर 12.30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(देवपाल सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो.नि.वि., बदायूँ।

UP-242542 दिनांक 16.12.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय ग्राम पंचायत टिकरी पुख्ता विकास खण्ड उसावॉं (बदायूँ)

पत्रांक : 02 दिनांक : 17.12.2025

ग्राम पंचायत टिकरी पुख्ता विकास खण्ड उसावाँ (बदायूँ) में राज्य वित्त/15वाँ वित्त आयोग (टाइड/अनटाइड) /मनरेगा योजनान्तर्गत वर्ष 2025–26 में उपलब्ध धनराशि एवं धन आने की प्रत्याशा में निम्नानुसार निर्धारित मानक / गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री (ईट, इण्टरलॉक, सीमेन्ट, मौरंग, बजरी, रेत, सरिया, टाईल, बजरफुट, सेनेटरी आईटम, हैण्डपम्प का मटेरियल आदि) निर्माण स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द निविदायें /कुटेशन आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्मे एवं आपूर्तिकर्ता दिनांक 17.12.2025 से दिनांक 24.12.2025 दोपहर 12 बजे तक ग्राम पंचायत सचिवालय मे रखे बॉक्स में सीलबन्द लिफाफे में जमा करें, तथा दिनांक 24.12.2025 को अधोहस्ताक्षरी के समक्ष दिन के 2 बजे खेली जायगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन को सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपुर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पायी जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में नियमानुसार कटौती कर ली जायगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र.सं.	कार्य का नाम	साइज	अनु. लागत
01	सुरेन्द्र मोहन जौहरी के घर से रामपाल राठौर के घर तक सी.सी. कार्य।	75 मी.	345800.00
02	रामपाल के घर से प्रकाश मौर्य के घर तक सी.सी. कार्य।	75 मी.	345800.00

सचिव
अलख निरंजन

क्षेत्र पंचायत मदनापुर वि.खं. मदनापुर, शाहजहांपुर
कोटशन टेण्डर

सूचित किया जाता है कि क्षेत्र पंचायत मदनापुर वि.खं. मदनापुर शाहजहांपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 में मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्न कार्य कराये जाने हेतु विभिन्न फर्मे सम्पर्क कर सकती है, जिसमें प्रथम श्रेणी ईट, रेता, बजरी, सीमेन्ट, सरिया , इंटरलॉकिंग ईट, मौरंग आदि क्रय की जानी है। जिसकी मोहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है।
1. ग्राम हुसेनपुर दौलतपुर में मेन रोड से ग्रा.पं. नगला बनवारी (ब्लाक कांट) की सीमा तक खडंजा/नि.कार्य अनुमानित लागत 5.50 लाख
2. ग्रा.पं. चंदोखा कटरा जलालाबाद मार्ग से धीरपुर ग्राम में सुरेन्द्र के झाला तक खडंजा व मिट्टी कार्य। अनुमानत लागत 998477.26

खण्ड विकास अधिकारी
मदनापुर (शाहजहांपुर)

प्रमुख
मदनापुर, शाहजहाँपुर

कार्यालय जिला प्रोबेशन अधिकारी पीलीभीत

पत्रांक : स–1299/प्रो.बे./वन स्टॉप सेन्टर/स्था./2024–25 दिनांक : 16.12.2025

जिला प्रोबेशन अधिकारी, पीलीभीत कार्यालय वन स्टॉप सेन्टर स्तर पर मैनपावर को आबद्ध किये जाने हेतु सेवाप्रदाता एजेंसी 3D Max Enterprises Budaun-243638 के द्वारा विज्ञप्ति https://sewayojan.up.nic.in पर प्रकाशित कर दी गयी है। जिसकी अंतिम तिथि 25.12.2025

पद का नाम	आयु	मानदेय	साक्षरता	अनुभव	कुल पद
मल्टी परपज स्टाफ/कुक	21 से 40 वर्ष	11000	साक्षर होना आवश्यक है	1. सम्बन्धित क्षेत्र में कार्य करने का अनुभव 2. हाई स्कूल अथवा समक्ष को वरीयता	1
सिक्योरिटी गार्ड/नाईट गार्ड	21 से 40 वर्ष	10500	साक्षर होना आवश्यक है	1. राज्य/जिला स्तर पर किसी सरकारी अथवा प्रतिष्ठान संगठन में सुरक्षा कर्मी के रूप में कार्य करने का 02 वर्ष का अनुभव 02. अधिमानत: वह सेवानिवृत्त सैन्य/अर्ध–सैन्य कर्मी हो।	1

उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद
कार्यालय सम्पत्ति प्रबन्धक 122, सिविल लाइन्स, बरेली

सर्व साधारण को सूचना

परिषद की राजेन्द्र नगर यो0सं0–2, बरेली में स्थित भवन सं0–बी–119/3 श्री बजरंग कुमार पुत्र श्री श्याम लाल को आवंटित किया गया। श्री बजरंग कुमार पुत्र श्री श्याम लाल द्वारा अपने पक्ष में विक्रय विलेख निष्पादित कराने के उपरान्त भवन का विक्रय श्री सॉवरमल शर्मा पुत्र श्री लक्ष्मी चन्द्र शर्मा को कर दिया गया है। अब श्री सॉवरमल शर्मा पुत्र श्री लक्ष्मी चन्द्र शर्मा द्वारा अवगत कराया गया है कि मेरे द्वारा काफी तलाशने के उपरान्त भी विक्रेता का कोई अता–पता नहीं चल पा रहा है जिस कारण मैं उनके कोई भी प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत नहीं कर पा रहा हूँ, इस हेतु परिषद नियमानुसार जो भी कार्यवाही हो मैं करने को तैयार हूँ, तथा उक्त भवन को अपने पक्ष में अन्तरण कराने हेतु ऑनलाइन प्रार्थना पत्र के माध्यम से परिषद नियमानुसार प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं।
अत: एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजेन्द्र नगर योजना सं02 बरेली में स्थित भवन संख्या बी 119/3 का अंतरण श्री सॉवरमल शर्मा पुत्र श्री लक्ष्मी चन्द्र शर्मा के पक्ष में किया जाना है, भवन सं0 बी–119/3 के अंतरण में किसी प्रकार की यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर कार्यालय में साक्ष्य सहित आपत्ति दाखिल कर सकते हैं, समय सीमा व्यतित हो जाने के उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार किया जाना सम्भव नहीं होगा, तथा तद्नुसार सम्पत्ति का अंतरण श्री सॉवरमल शर्मा पुत्र श्री लक्ष्मी चन्द्र शर्मा के पक्ष में करने की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

आज्ञा से
सम्पत्ति प्रबन्धक

कार्यालय सहायक अभियन्ता चतुर्थ, शारदा सागर खण्ड, पीलीभीत।
नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शारदा सागर खण्ड, पीलीभीत के चतुर्थ उपखण्ड के अन्तर्गत्त भौनी से करगैना मार्ग में अवसरा नदी के किमी0–8.350 पर सेतु के बांयी ओर खड़े वृक्षो की नीलामी कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, शारदा सागर खण्ड, पीलीभीत पर नीलाम दिनांक–23.12.2025 को पूर्वाहन 11:00 बजे किया जायेगा। नीलामी समाप्त होने के 03 दिवस के अन्दर बैंक ड्राफ्ट के रूप में सम्पूर्ण धनराशि मय समस्त करों सहित जमा करनी होगी। यदि उक्त तिथि को अवकाश घोषित हो जाता है, तो उसके अगले कार्य दिवस में नीलामी की जायेगी।

नीलामकर्ता को बिना कारण बताये नीलाम निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा। अन्य शर्ते कार्यालय में उपस्थित होकर किसी भी कार्यायल दिवस में देखी जा सकती है।

क्र0स0	प्रजाति	व्यास वर्ग	वृक्षो की संख्या	स्थल
1	2	3	4	5
1	केसिया	1–2	01	भौनी से करगैना मार्ग में अवसरा नदी के किमी0– 8.350 पर सेतु के बांयी ओर खड़े वृक्षो की नीलामी
2	सेमिया	2–3	02	
3	शीशम	1–2	02	
4		2–3	01	
5	अर्जुन	1–2	03	
6		2–3	01	
7	पीपल	1–2	01	
8		3–4	02	
9		4–5	01	
10	शहतूत	1–2	01	
11	नीम	2–3	01	

नीलाम की आवश्यक शर्ते :–
1. अधिशासी अभियन्ता, शारदा सागर खण्ड, पीलीभीत को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताये नीलामी को निरस्त कर दें।
2. बोली बोलने से पूर्व प्रत्येक बोलीदाता को धरोहर धनराशि रू0–5000.00 का बैंक ड्राफ्ट/एफ0डी0आर0/एन0एस0सी0 (जो अधिशासी अभियन्ता, शारदा सागर खण्ड पीलीभीत के नाम देय होगा) बतौर जमानत जमा करना होगा, नगद धनराशि नहीं ली जायेगी।
3. वन विभाग द्वारा किये गये मूल्यांकन से कम की बोली नही बोली जायेगी।
4. अधिकतम बोलीदाता को नियमानुसार स्टाम्प पेपर एवं अन्य कर की धनराशि जमा करनी होगी।
5. अधोहस्ताक्षरी को नीलामी बोली उचित न आने पर निरस्त करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित है।
6. नीलाम क्रेता/ठेकेदार व उनके कर्मचारी द्वारा किसी भी नियम का उल्लंघन करने पर ठेका निरस्त कर दिया जायेगा जिसका कोई भी क्लेम विभाग को मान्य नहीं होगा।
7. प्रत्येक इच्छुक बोलीदाता बोली बोलने से पूर्व उपरोक्त नीलामी स्थल पर खड़े पेडों का भली–भाँति निरीक्षण कर लें, नीलामी के बाद कोई क्लेम मान्य नहीं होगा।
8. अधिकतम बोली बोलने वाले को अपनी अधिकतम बोली की सम्पूर्ण धनराशि नीलाम समाप्त होने के उपरान्त बैंक ड्राफ्ट के रूप में जमा करनी होगी, अन्यथा धरोहर धनराशि शासकीय हित में जब्त कर ली जायेगी और द्वितीय व तृतीय बोलीदाता को अवसर प्रदान किया जायेगा।
9. नीलामी के दौरान समस्त ठेकेदारो को पहचान पत्र/आधार कार्ड लाना अनिवार्य होगा।

UP-242564 दिनांक 16.12.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

सहायक अभियन्ता चतुर्थ
शारदा सागर खण्ड़ पीलीभीत।

कार्यालय ग्राम पंचायत खेडा जलालपुर पुख्ता विकास खण्ड उसावॉं

पत्रांक : 026 दिनांक : 17.12.2025

ग्राम पंचायत खेडा जलालपुर पुख्ता विकास खण्ड उसावाँ (बदायूँ) में राज्य वित्त/15वाँ वित्त आयोग (टाइड/अनटाइड)/मनरेगा योजनान्तर्गत वर्ष 2025–26 में उपलब्ध धनराशि एवं धन आने की प्रत्याशा में निम्नानुसार निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री (ईट, इण्टरलॉक, सीमेन्ट, मौरंग, बजरी, रेता, सरिया, टाईल, बजरफुट, सेनेटरी आईटम, हैण्डपम्प का मटेरियल आदि) निर्माण स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द निविदायें /कुटेशन आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्मे एवं आपूर्तिकर्ता दिनांक 17.12.2025 से दिनांक 24.12.2025 दोपहर 12 बजे तक ग्राम पंचायत सचिवालय में रखे बॉक्स में सीलबन्द लिफाफे में जमा करें, तथा दिनांक 24.12.2025 को अधोहस्ताक्षरी के समक्ष दिन के 2 बजे खेली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन को सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पायी जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण वताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र.सं.	कार्य का नाम	साइज	अनु. लागत
01	रमेश के घर से नेत्र पाल के घर तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	70 मी.	291800.00
02	हृदेश के घर से रामनिवास के घर तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	70 मी.	292990.00
03	तोताराम के घर से दीन दयाल के घर तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	90 मी.	307200.00
04	मेन रोड से रामवीर के घर तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	70 मी.	317600.00
05	जसवीर के खेत से सी.सी. रोड तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	70 मी.	316800.00
06	खण्डजा तिराहे से राजाराम के घर तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	80 मी.	310600.00
07	राकेश के घर से श्यामपाल के घर तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	90 मी.	314300.00
08	ककोरी मेंन रोड से श्यामसुन्दर के घर तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	90 मी.	348900.00
09	वालकराम के घर से राम सिंह के घर तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	80 मी.	317700.00
10	चरन सिंह के घर से अतर सिंह के घर तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	80 मी.	314900.00

सचिव **अलख निरंजन**

प्रधान **श्री ध्यानपाल सिंह**

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक 8946/7निविदा(सी0डी0–2)(ई–टेण्डर)–08/2025–26 दिनांक 04.12.2025

ई0–निविदा आमंत्रण सूचना

1.महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ–पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा निर्माण खण्ड–2, लो0नि0वि0, बदायूँ के कार्यक्षेत्र में निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार आइटम दरों पर (Item Rate Bids) ई–निविदा दिनांक 23.12.2025 से दिनांक 06.01.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदादाता बिड से संबंधित अभिलेख जैसे कि कान्ट्रेक्ट डाटा, प्रपत्र, शर्तें, विशिष्टियॉं, बिल ऑफ क्वांन्टिटी आदि एवं बिड की संशोधित/परिशिष्ट शर्तें इत्यादि का भली–भॉंति परीक्षण कर लें। निविदा दिनांक 06.01.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	लागत (लाख रू0 में) अनुमानित निर्माण लागत	लागत (लाख रू0 में) 05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत	लागत (लाख रू0 में) कुल अनुमानित लागत	विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1	जनपद बदायूँ में वर्ष 2025–26 में राज्य सड़क निधि के अंतर्गत कछला हुसैनपुर सहसवान मार्ग के किमी0 0.000 से 10.000 तक (लम्बाई 10.000 किमी0) चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य।	2406.00	61.00	2467.00	37.10	2714.00	15 माह

2.निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग इन किया जा सकता है।

(वन्दना सोनकर)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–2, लो0नि0वि0,बदायूँ

(के0के0सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0,बरेली

UP-242519 दिनांक 16.12.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

न्यूज ब्रीफ

वेलनेस सेंटर के लिए निविदाएं आमंत्रित

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद बागपत में अंतरराष्ट्रीय योग केंद्र एवं वेलनेस सेंटर की स्थापना की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसके लिए उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने इच्छुक निवेशकों से निविदाएं आमंत्रित की हैं। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। पर्यटन मंत्री ने बुधवार को बताया कि बागपत में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय योग केंद्र भारतीय योग, साधना और वेलनेस परंपरा को वैश्विक मंच प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि यह परियोजना पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर विकसित की जाएगी। यह परियोजना बागपत के हरिया खुर्द (पुरा महादेव) क्षेत्र में 70.885 हेक्टेयर भूमि पर विकसित की जाएगी। प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने बताया कि वेलनेस सेंटर के लिए निविदा 15 दिसंबर 2025 को जारी की गई है, जबकि प्री-बिड बैठक 24 दिसंबर को वर्चुअल माध्यम से होगी। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 21 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है।

खादी प्रदर्शनी-2025 का उद्घाटन आज

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, लखनऊ खादी प्रदर्शनी-2025 का उद्घाटन 18 दिसंबर को होगा। मंडल स्तरीय खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन दोपहर वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप ये प्रदर्शनी प्रदेश में खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की विविधता को प्रदर्शित करेगी, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के लखनऊ परिसर, गोमती नगर में होगा। यह प्रदर्शनी 28 दिसंबर तक केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के लखनऊ परिसर, गोमती नगर में चलेगी। खादी प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य मंडल स्तर के खादी एवं ग्रामोद्योग के कारीगरों और उनके उत्पादों को मंच प्रदान करना है। जहां पर खादी वस्त्र, हस्तशिल्प, चमड़े के सामान, मिट्टी के बर्तन, बांस की कलाकृतियां और जैविक उत्पादों को एक छत के नीचे प्रदर्शनी एवं बिक्री का स्थल उपलब्ध कराएगा।

अब तक 13.87 लाख बच्चों का टीकाकरण

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में नियमित टीकाकरण से वंचित रह गए बच्चों को पुनः टीकाकरण से जोड़ने के उद्देश्य से 1 दिसंबर से विशेष 'टीका उत्सव' अभियान शुरू किया गया है, जो पूरे दिसंबर तक चलेगा। इस अभियान का उद्देश्य जीरो डोज सहित पेंटा-1 और मीजल्स-रूबेला (एमआर) की छूटी खुराकों को समय पर पूरा करना है। राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. अजय गुप्ता ने बताया कि अभियान के तहत 1 वर्ष तक आयु वर्ग के 16.58 लाख बच्चों के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के शुरुआती चार सत्र दिवसों में अब तक 13.87 लाख बच्चों का टीकाकरण किया जा चुका है। इनमें 2.32 लाख को पेंटा-1, 2.46 लाख को ओपीवी-1, 2.21 लाख को एमआर-1 तथा 2.20 लाख बच्चों को एमआर-2 का टीका लगाया गया है। डॉ. अजय ने बताया कि सभी टीकाकरण सत्रों में यू-विन पोर्टल पर पंजीकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। अधिक जानकारी के लिए निःशुल्क टोल-फ्री हेल्पलाइन 104 पर कॉल करने या नजदीकी आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता या स्वास्थ्य उपकेंद्र से संपर्क करने की अपील की गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ : सपा ने प्रदेश में मतदाता सूची में अनियमितताओं के आरोपों के क्रम में बुधवार को फिर राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने ज्ञापन के जरिए मैनपुरी, अयोध्या और बस्ती में मतदाता सूची की गड़बड़ियों के तत्काल सुधार और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। सपा प्रदेश अध्यक्ष ने ज्ञापन में अवगत कराया कि मैनपुरी के करहल विधानसभा क्षेत्र के कई मतदेय स्थलों पर वर्ष 2003 की मतदाता सूची गलत तरीके से अपलोड कर दी गई है। इसके कारण बीएलओ द्वारा मतदाताओं की मैपिंग नहीं हो पा रही है। साथ ही कहा कि लगातार शिकायतों के बावजूद जिला निर्वाचन अधिकारी और ईआरओ द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। ज्ञापन में कहा गया है कि इस लापरवाही के चलते वैध मतदाताओं को 'कैटेगरी-सी' में डालकर अनावश्यक नोटिस भेजे जा सकते हैं, जिससे उन्हें दस्तावेजी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। सपा ने इस मामले में जिम्मेदारी तय करते हुए दोषी अधिकारियों को दंडित करने की मांग की है। इसी तरह अयोध्या सदर विधानसभा क्षेत्र के भी मतदेय स्थल संख्या-54 पर भी वर्ष 2003 की गलत मतदाता सूची अपलोड है।

आईटीआई अलीगंज में रोजगार मेला 19 को

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 15 कंपनियां देंगी 1000 से अधिक नौकरियां

अमृत विचार : प्रदेश सरकार की युवोन्मुखी नीतियों और जीरो पावर्टी अभियान को धरातल पर उतारते हुए 19 दिसंबर 2025 को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) अलीगंज में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में विभिन्न क्षेत्रों की 15 प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी, जिनके यहां 1000 से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी।

यह जानकारी व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि नौकरियों के लिए आईटीआई, डिप्लोमा, हाईस्कूल, इंटरमीडिएट एवं स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी पात्र होंगे। चयनित अभ्यर्थियों को 10 हजार से 25 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन के साथ ईएसआई, पीएफ, कैंटीन और परिवहन जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

आईटीआई अलीगंज के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी एमए खान ने बताया कि कंपनियों से संबंधित सभी विवरण पहले ही जारी कर दिए गए हैं।

योगी ने परखी समारोह की तैयारी, 25 को पीएम करेंगे उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लखनऊ में स्थापित राष्ट्र प्रेरणा स्थल में डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी पं. दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेई की प्रतिमा का अनावरण करेंगे पीएम मोदी

अमृत विचार: राष्ट्रीय प्रेरणा के प्रतीक राष्ट्र नायकों को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेई को समर्पित राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 दिसंबर को करेंगे। इससे पहले बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल का दौरा कर समारोह की तैयरियों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने उद्घाटन समारोह के लिए हो रही तैयारियों, पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था के बारे में संज्ञान लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। मुख्यमंत्री के निरीक्षण के दौरान एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार, लखनऊ के कमिश्नर विजय विश्वास पंत और सुरक्षा व्यवस्था देख रहे पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के निरीक्षण के दौरान एलडीए वीसी ने उद्घाटन समारोह की सभी गतिविधियों से भी अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि उद्घाटन समारोह के दिन प्रधानमंत्री सबसे पहले राष्ट्र नायकों की प्रतिमाओं का अनावरण कर, श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीयता की भावना के संचार के लिए ट्राइ कलर बैलून छोड़े जाएंगे। प्रतिमा अनावरण के बाद प्रधानमंत्री प्रेरणा स्थल में राष्ट्र नायकों को समर्पित म्युजियम का उद्घाटन करेंगे।

यहां पीएम गैलरियों और कोर्टयार्ड का अवलोकन भी करेंगे। पहली गैलरी के ओरियेंटेशन रूम में वीडियो और एवी के माध्यम से राष्ट्र नायकों के संक्षिप्त जीवन परिचय को दिखाया जाएगा।

लखनऊ : राष्ट्र प्रेरणा स्थल का दौरा कर समारोह की तैयारी का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में अधिकारीगण।

पीएसी के जवानों के प्रदर्शन में दिखी राष्ट्रभक्ति

यूपी-पीएसी के संस्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री योगी के हाथों प्रतिभाओं को मिला सम्मान

महानगर के पीएसी के 78वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ से सम्मानित होते किशन कुमार मिश्रा। ● अमृत विचार

कार्यक्रम के दौरान अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते पीएसी जवान।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: यूपीपीएसी के संस्थापना दिवस पर 35वीं वाहिनी पीएसी परिसर, महानगर में हुए समारोह में पीएसी के जवानों-खिलाड़ियों ने हैरत अंगेज प्रदर्शन कर सभी की वाहवाही लूटी। यहां खिलाड़ियों, जवानों के प्रदर्शन में अनुशासन, खेल व राष्ट्रभक्ति का अद्भुत संगम दिखा। सबसे पहले 44 खिलाड़ियों की टीम ने मलखंभ पर शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन के जरिए यातायात नियमों के प्रति भी जागरूक किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सर्वोत्तम वाहिनी, सर्वोत्तम बाढ़ राहत दल, उत्कृष्ट खिलाड़ी, बेस्ट पुलिस मॉडर्न स्कूल और शीर्ष मेधावी छात्र-छात्राओं को भी पुरस्कृत किया।

ये हुए सम्मानित

- उत्तम वाहिनी-32 वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ (सेनानायक- प्राची सिंह ने ग्रहण किया पुरस्कार)
- अतिउत्तम वाहिनी- 39वीं वाहिनी पीएसी मीरजापुर (सेनानायक नेपाल सिंह ने ग्रहण किया पुरस्कार)
- सर्वोत्तम वाहिनी- 47वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद (सेनानायक चारू निगम ने पुरस्कार प्राप्त किया)
- अति उत्तम प्लाटून ड्रिल- 36वीं वाहिनी पीएसी (अनिल कुमार पांडेय ने लिया पुरस्कार)
- सर्वोत्तम प्लाटून ड्रिल- 37वीं वाहिनी पीएसी (सेनानायक बजरंग बली ने प्राप्त किया पुरस्कार)
- अति उत्तम डिमांस्ट्रेशन- 36वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी (सेनानायक डॉ. अनिल कुमार पांडेय ने लिया)
- सर्वोत्तम डिमास्ट्रेशन ट्रॉफी- 41वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद (सेनानायक-दिनेश यादव ने ट्रॉफी प्राप्त की)
- श्रेष्ठ बाढ़ राहत दल- 36वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी (डॉ. अनिल कुमार पांडेयश्रेष्ठ कार्य- 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी के दलनायक सुधीर कुमार सिंह
- सर्वश्रेष्ठ कार्य- 23वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद के मुख्य आरक्षी जितेंद्र सिंह राणा, आरक्षी आकिल अंसारी व कृष्ण कुमार को संयुक्त रूप से नकद पुरस्कार दिया गया।
- सर्वोत्तम खिलाड़ी- मुख्य आरक्षी किशन कुमार मिश्र (25वीं वाहिनी पीएसी रायबरेली)
- अखिल भारतीय भारोत्तोलन कलस्टर प्रतियोगिता में तीन स्वर्ण पदक हासिल किया।
- पीएमएस (पुलिस मॉडर्न स्कूल) की बेस्ट परफॉर्मेंस ट्रॉफी (मिडिल सेकेंड्री स्कूल) बहराइच को मिली। पुरस्कार प्रिंसिपल निशा सिंह ने प्राप्त किया। 31 विद्यालयों की यह प्रतियोगिता पहली बार आयोजित हुई।
- सीनियर सेकेंड्री वर्ग में पुलिस मॉडर्न स्कूल डॉ. भीमराव आंबेडकर एकेडमी मुरादाबाद की प्रिंसिपल डॉ. सीमा सिंह ने प्राप्त किया।
- मेधावी छात्र- साक्षी सेमल व शुभ्रा सक्सेना को नकद पुरस्कार (दोनों ने 2025 में इंटरमीडिएट में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया)
- आदर्श तिवारी (2024 में इंटरमीडिएट परीक्षा में शानदार प्रदर्शन)

:मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जवानों की प्रस्तुति देखी और अपने संबोधन में सभी की प्रशंसा करते हुए उनका हौसला बढ़ाया। सीएम ने कहा कि यूपी पुलिस के गार्ड ऑफ ऑनर, पीएसी बल की पहचान मलखंभ, जिम्नास्टिक, वेपन्स ड्रिल, पीटी डिस्प्ले, बैंड प्रदर्शन को देखा। पीएसी जवानों द्वारा वंदे मातरम का धुन प्रस्तुत किया गया। इस गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सार्वजनिक स्थलों पर पीएसी के बैंड ने राष्ट्रभक्ति की भावना को जागृत करने के लिए जो अभिनव पहल प्रारंभ किया है, वह सराहनीय है।

काशी आने वाले पर्यटकों की संख्या ने बनाया कीर्तिमान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/वाराणसी

अमृत विचार : ब्रांड बनारस अब विश्व भर के पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन चुका है। वाराणसी देश के उन शहरों में शामिल हो गया है, जहां तेजी से पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हो रही है। अपनी मौलिक पहचान को बरकरार रखते हुए आधुनिक होती काशी की बदलती हुई हुई छवि ने दुनिया भर के सैलानियों को बनारस की ओर खींचा है।

पर्यटकों की संख्या का कीर्तिमान स्थापित होने के साथ ही पर्यटन उद्योग व काशी की आर्थिकी में भी सकारात्मक असर दिख रही है। वर्ष 2014 से वर्ष 2025 (सितंबर तक) तक 12 वर्षों में 45,44,82,662 (पैंतालीस करोड़ चौवालीस लाख बयासी हजार छः सौ बासठ) भारतीय और विदेशी काशी पर्यटकों ने काशी का भ्रमण किया है।

पर्यटन विभाग के अनुसार, 2014 के मुकाबले 2025 में भारतीय और विदेशी पर्यटकों की संख्या में लगभग 14,64,26,158 (चौदह करोड़ चौंसठ लाख छब्बीस हजार एक सौ अट्ठावन) से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। 2014 से 2025 तक 12 वर्षों में भारतीय पर्यटकों की संख्या 45,16,09,026 और विदेशी पर्यटकों की संख्या 28,73,636 है।

घने कोहरे के साथ पड़ेगी कड़ाके की सर्दी

अमृत विचार, लखनऊ : मौसम की दोहरी मार आमजन को पड़ रही है। प्रदेश में घने कोहरे के साथ कड़ाके की सर्दी पड़ने लगी है। मौसम विभाग ने 20 जिलों में घने कोहरे का रेड अलर्ट जारी किया है। साथ ही इन इलाकों में संभावित कोल्ड-डे भी चेतावनी दी गई है। राज्य में 20 दिसंबर तक ऐसा ही मौसम रहने की संभावना है।

लखनऊ समेत, बरेली, गोरखपुर, कुशीनगर, कानपुर में बुधवार को घने कोहरे की वजह से दृश्यता शून्य रही। वहीं बहराइच, हरदोई, शाहजहांपुर आदि में दृश्यता 30 मीटर तक सिमट गई। प्रदेश के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान में 5 से 6 डिग्री, जबकि कुछ स्थानों पर 8 से 10 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई। ज्यादातर हिस्से में घने कोहरे के साथ चुभती हुई ठंडी पछुआ हवाएं चलीं और दिन के पारे में भारी गिरावट दर्ज की गई।

इन जिलों में होगा घने कोहरे संग कोल्ड-डे : बरेली, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, पीलीभीत, शाहजहांपुर, गोरखपुर, देवरिया, संत कबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर और बाराबंकी।

कानपुर से आए विद्यार्थियों के साथ विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना।

विद्यार्थियों ने किया विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण

अमृत विचार, लखनऊ : विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने विधान सभा का शैक्षणिक भ्रमण करने आए विद्यार्थियों को सत्र के दौरान प्रश्नकाल, शून्यकाल, समितियों की भूमिका और कानून निर्माण की प्रक्रिया को सरल शब्दों में समझाया। विधानसभा अध्यक्ष गुरुवार को भ्रमण पर आए बीएसएस एजुकेशन सेंटर, कानपुर के छात्र-छात्राओं के एक दल के साथ संवाद कर रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, संवैधानिक मर्यादाओं और जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया।

गोरखनाथ रोड पर कल नए ओवरब्रिज का लोकार्पण

अमृत विचार, लखनऊ/गोरखपुर : अमृत विचार: गोरखपुर में यातायात सुगमता के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों बड़ी सौगात मिलने जा रही है। नाथपंथ के विश्व विख्यात गोरखनाथ मंदिर और सोनौली मार्ग होते हुए नेपाल तक की कनेक्टिविटी वाले धर्मशाला-गोरखनाथ मंदिर मार्ग पर नए गोरखनाथ ओवरब्रिज का निर्माण कार्य पूरा गया है। इस नवनिर्मित ओवरब्रिज का लोकार्पण मुख्यमंत्री शुक्रवार (19 दिसंबर) को करेंगे। इसके निर्माण पर 137.83 करोड़ रुपये की लागत आई है। कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश सेतु निगम के महाप्रबंधक मिथिलेश कुमार के अनुसार दो लेन के नए ओवरब्रिज की कुल लंबाई 600.653 मीटर और चौड़ाई 7.50 मीटर है। इसमें रेलवे भाग की लंबाई 76 मीटर है। गोरखनाथ मंदिर मार्ग शहर के व्यस्ततम मार्गों में से एक है। नए ओवरब्रिज पर आवागमन शुरू होते ही गोरखनाथ की तरफ आने वाले वाहनों को पुराने ओवरब्रिज पर नहीं जाना होगा।

ग्रामीण महिलाएं बनेंगी बिजनेस वूमन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- इंटरनेशनल एक्सपर्ट देंगे बिजनेस स्किल, टेक्नोलॉजी और मार्केट के बीच तालमेल का प्रशिक्षण
- जीविकोपार्जन केंद्रित प्रौद्योगिकियों से आत्मनिर्भर बनाने की तैयारी

अमृत विचार: प्रदेश में ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर और आधुनिक उद्यमी बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया जा रहा है। महिला नेतृत्व वाली उद्यमिता को मजबूती देने की मंशा से राजधानी लखनऊ में प्रदेश के हर जिले से महिला उद्यमी एक मंच पर जुटेंगी और देश-विदेश के विशेषज्ञों से सीखेंगी। महिला-नेतृत्व वाले उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए 18 दिसंबर को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में राज्य-स्तरीय आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रदेश के हर जिले से महिला उद्यमी भाग लेंगी।

कार्यक्रम में बाजार-तैयार तकनीकों, संस्थागत सहयोग और फाइनेंस तक आसान पहुंच पर विशेष सत्र आयोजित होंगे। योगी सरकार के इस प्रयास से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं आत्मविश्वास के साथ उद्यमिता की दुनिया में कदम रखेंगी और गांव की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। यह पहल प्रदेश में महिला सशक्तिकरण और समावेशी विकास की एक मजबूत मिसाल बनने जा रही है।

योगी सरकार के विजन के अनुरूप ग्रामीण महिलाओं को पारंपरिक आजीविका से आगे बढ़ाकर आधुनिक बिजनेस मॉडल से जोड़ने पर विशेष फोकस किया जा रहा है। महिलाओं को तकनीक, बाजार और फाइनेंस के बीच तालमेल बैठाने की व्यावहारिक ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि वे अपने उत्पादों को स्थानीय सीमाओं से निकालकर बड़े बाजार तक पहुंचा सकें।

> उत्तर प्रदेश की महिला उद्यमी अब राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बना रही हैं। आने वाले समय में ग्रामीण महिलाएं केवल कामगार नहीं, बल्कि सफल बिजनेस वूमन के रूप में उभरेंगी।
>
> – दीपा रंजन, निदेशक ग्रामीण आजीविका मिशन

राज्य सरकार ऐसी तकनीकों और नवाचारों को प्राथमिकता दे रही है, जो सीधे महिलाओं की आय बढ़ाने और स्थायी आजीविका सुनिश्चित करने में सहायक हों। सरकार, तकनीकी संस्थानों, वित्तीय एजेंसियों और समुदाय-आधारित संगठनों के समन्वय से महिला उद्यमियों के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम तैयार किया जा रहा है।

डिजिटल क्रांति ई-बुक्स, वीडियो, ऑडियो लेक्चर और क्विज के जरिए तैयार किए जाएंगे युवा

गांवों में होगी सिविल सर्विसेज की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हर लाइब्रेरी को हाइटेक बनाने के लिए 1.30 लाख रुपये के आईटी इक्यूपमेंट और 70 हजार के फर्नीचर खरीदे जाएंगे
- पहले चरण में 11350 पंचायतों में चार लाख रुपये प्रति लाइब्रेरी के हिसाब से होगा खर्च
- दो लाख रुपये की किताबों में रहेंगे 20 हजार डिजिटल कंटेंट

अमृत विचार : राज्य सरकार ने प्रदेश के ग्रामीण युवाओं को आधुनिक शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी का अवसर देने को खास पहल की है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर पहले चरण में प्रदेश की 11,350 ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की जा रही है, जिससे गांव के छात्र अब शहरों पर निर्भर हुए बिना सिविल सर्विसेज सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे।

हर डिजिटल लाइब्रेरी पर 4 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसमें 2 लाख रुपये की पुस्तकों की व्यवस्था होगी, जबकि 1.30 लाख रुपये के आईटी इक्यूपमेंट और 70 हजार रुपये के आधुनिक फर्नीचर लिए जाएंगे। लाइब्रेरी में ई-बुक्स, वीडियो लेक्चर, ऑडियो कंटेंट, क्विज और करीब 20 हजार डिजिटल शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध रहेगी।

पंचायतीराज निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि सभी जिलों की ग्राम पंचायतों में चरणबद्ध तरीके से डिजिटल लाइब्रेरी खोली जाएंगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर सुधरेगा और युवा रोजगार के लिए अधिक सक्षम बन सकेंगे। डिजिटल लाइब्रेरी का प्रबंधन ग्राम प्रधान और सचिव करेंगे, जबकि सहायक अधिकारी इसकी नियमित देखरेख करेंगे।

पुस्तकों का चयन करने वाले 35 जिले

इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत 35 जिलों में पुस्तकों का चयन पूरा कर लिया गया है। राजधानी लखनऊ समेत इन जिलों की ग्राम पंचायतों में जल्द ही डिजिटल लाइब्रेरी शुरू होंगी। इसके तहत अमरोहा, आजमगढ़, बांदा, बलिया, बागपत, बदायूं, बरेली, बिजनौर, चित्रकूट, एटा, फतेहपुर, फर्रुखाबाद, फिरोजाबाद, गाजियाबाद, गाजीपुर, हरदोई, हापुड़, जालौन, कानपुर देहात, कन्नौज, कौशांबी, कासगंज, लखनऊ, मऊ, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, प्रतापगढ़, प्रयागराज, रायबरेली, संभल, शामली, सिद्धार्थनगर, श्रावस्ती, सुल्तानपुर, सीतापुर जिले शामिल हैं।

सेंटर फॉर इफेक्टिव गवर्नेंस ऑफ इंडियन स्टेट्स के साथ समझौते के कागज दिखाते अधिकारी, कार्यक्रम में उपस्थित वित्त मंत्री सुरेश खन्ना।

शासन सुधारों के लिए डेटा आधारित पांच वर्षीय समझौता

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने बुधवार को सेंटर फॉर इफेक्टिव गवर्नेंस ऑफ इंडियन स्टेट्स के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये। इस पांच वर्षीय साझेदारी का उद्देश्य तकनीकी और रणनीतिक सहायता के माध्यम से राज्य के वित्त और योजना विभागों को सुदृढ़ करना है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना की मौजूदगी में इस समझौता ज्ञापन पर उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से दीपक कुमार, आईएएस (अपर मुख्य सचिव, वित्त) और आलोक कुमार, आईएएस (प्रमुख सचिव, योजना) ने तथा सीईजीआईएस की ओर से विजय पिंगले, सीईओ ने हस्ताक्षर किए।

अमृत विचार

गुरुवार, 18 दिसंबर 2025

सफलता उन्हें ही मिलती है, जो साहस दिखाते हैं और काम करते हैं।

–**देव आनंद**, अभिनेता, फिल्मकार

चेतावनी देता हादसा

मथुरा के निकट यमुना एक्सप्रेसवे पर हुई भीषण सड़क दुर्घटना, जिसमें मरे तेरह लोगों में से दस के शव तक नहीं मिले, दिल दहलाने वाली है। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि हमारी सड़क-सुरक्षा व्यवस्था की सामूहिक विफलता का ज्वलंत और विद्रूप उदाहरण है। इसमें निर्दोष यात्रियों की जानें केवल वाहनों के टकराव से नहीं गईं हैं, बल्कि पूर्वानुमेय जोखिमों की भारी उपेक्षा से गईं। शून्य दृश्यता के बावजूद, तेज रफ्तार, भारी-हल्के वाहनों की मिली-जुली आवाजाही और किसी तरह की चौकसी का न होना, समय रहते लिए जा सकने वाले प्रशासनिक निर्णयों की अनुपस्थिति, आपराधिक लापरवाही- इन सबने मिलकर इस त्रासदी को जन्म दिया।

कहा जा सकता है कि इसका कारण बने कोहरे का हम क्या कर सकते हैं, बेशक कोहरा प्राकृतिक है, पर उसके प्रभाव का प्रबंधन, दुर्घटना से बचाव, मानव-निर्मित प्रणालियों का दायित्व है। जब दृश्यता शून्य के करीब थी, तब हाईवे संचालन को धुंध-क्षेत्र से पहले ही नियंत्रित किया जाना चाहिए था। सुरक्षित स्थानों पर वाहनों को रोकना, गति सीमा को सख्ती से लागू करना और चरणबद्ध तरीके से यातायात को बहाल करना- ये मानक प्रोटोकॉल हैं। सवाल यह है कि जब मौसम विभाग को क्षेत्र विशेष में कोहरे की सघनता का पूर्वानुमान होता है, तो उसे रियल-टाइम ट्रैफिक मैनेजमेंट से क्यों नहीं जोड़ा जाता? आज जाम, दुर्घटना या मरम्मत के अलर्ट तुरंत मोबाइल ऐप्स और इलेक्ट्रॉनिक साइनबोर्ड्स पर प्रसारित हो जाते हैं, तो कोहरे के लिए क्यों नहीं? जिन सेक्शनों में दृश्यता कम होने की आशंका थी, वहां पहले से चेतावनी, गति-सीमा में कटौती और अस्थायी अवरोध बनाकर वाहनों को रोका जा सकता था। राजमार्गों पर सुरक्षा की जिम्मेदारी बहु-स्तरीय है- केंद्र और राज्य सरकारें, सड़क निर्माता, नियामक और संचालन एजेंसियां। राष्ट्रीय राजमार्गों पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की भूमिका निर्णायक है, वहीं राज्य यातायात पुलिस का प्रवर्तन भी उतना ही आवश्यक। टोल वसूलने वाली कंपनियां यदि शुल्क लेती हैं, तो उन्हें केवल गड्ढे-मुक्त सड़क तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना उनकी संविदात्मक और नैतिक जिम्मेदारी है। जरूरी है कि भारी और हल्के वाहनों में आधुनिक एंटी-कोलिजन सिस्टम, फॉरवर्ड-कोलिजन वार्निंग, ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग, लेन-असिस्ट, रडार/लिडार आधारित सेंसर और फॉग-लैंप हों, पर हाईवे स्तर पर विजिबिलिटी-सेंसर, वेरिएबल मैसेज साइन और रियल-टाइम स्पीड कंट्रोल भी लागू होना चाहिए। सर्दियों में उड़ानों के विलंब की तरह सड़कों पर भी 'फॉग प्रोटोकॉल' लागू होना चाहिए- पूर्वानुमान, चरणबद्ध बंदी, वैकल्पिक मार्ग और यात्रियों को समय पर इसकी सूचना। इसके अलावा इसके दोषियों की पहचान भी आवश्यक है, चाहे वह लापरवाह चालक हो, चेतावनी न देने वाली एजेंसी हो या सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू न करने वाला ऑपरेटर।

मुआवजा ही पर्याप्त नहीं दंडात्मक कार्रवाई और सुधारात्मक आदेश भी अत्यावश्यक हैं। हादसा सरकार और यात्रियों दोनों को यह सीख देता है कि रफ्तार पर संयम एवं स्वयं सतर्कता, तकनीक पर भरोसा और प्रशासनिक तत्परता- तीनों का संतुलन ही सुरक्षित यात्रा की कुंजी है।

प्रसंगवश

जॉर्डन से भारत की रणनीतिक साझेदारी

भारत और जॉर्डन के रिश्तों में बीते वर्षों में जो गहराई आई है, उसमें किंग अब्दुल्ला और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच बनी व्यक्तिगत समझ और भरोसे की बड़ी भूमिका है। भारत और जॉर्डन की दोस्ती दशकों पुरानी है, लेकिन हाल के वर्षों में इसे नई ऊर्जा मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अल हुसैनिया पैलेस में भव्य और गर्मजोशी से स्वागत, इसी रिश्ते की गहराई को दर्शाता है। इस मुलाकात के दौरान द्विपक्षीय बैठक हुई, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल भी मौजूद रहे। यह संकेत था कि बातचीत केवल औपचारिक कूटनीति तक सीमित नहीं थी, बल्कि रणनीतिक और सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों पर भी खुलकर चर्चा हुई।

इस दौरे में भारत-जॉर्डन बिजनेस फोरम की बैठक भी हुई,

कांतिलाल मांडोत

वरिष्ठ पत्रकार

जिसमें दोनों देशों के उद्योगपतियों और निवेशकों ने भाग लिया। किंग अब्दुल्ला ने भारत दौरे के बाद हुए समझौतों पर खुशी जताई और कहा कि ये करार दोनों देशों के आर्थिक भविष्य को नई दिशा देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने भी जॉर्डन द्वारा दिए गए स्नेह और सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया और दोनों देशों की ऐतिहासिक मैत्री को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

व्यापार के स्तर पर भारत और जॉर्डन के रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं। भारत जॉर्डन से मुख्य रूप से फॉस्फेट और पोटाश जैसे उर्वरक कच्चे माल का आयात करता है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए उर्वरक बेहद अहम हैं और जॉर्डन इस क्षेत्र में एक विश्वसनीय साझेदार रहा है। जॉर्डन से मिलने वाला पोटाश और फॉस्फेट भारतीय किसानों की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा भारत जॉर्डन से रसायन, खनिज और कुछ पेट्रोकेमिकल उत्पाद भी आयात करता है।

भारत से जॉर्डन को दवाइयां, फार्मास्यूटिकल उत्पाद, मशीनरी, ऑटोमोबाइल पार्ट्स, टेक्सटाइल, चावल, चाय और इंजीनियरिंग सामान निर्यात किया जाता है। भारतीय दवाइयों की गुणवत्ता और किफायती कीमतों के कारण जॉर्डन के बाजार में उनकी अच्छी मांग है। इससे न केवल भारत के फार्मा उद्योग को फायदा होता है, बल्कि जॉर्डन के आम नागरिकों को भी सस्ती और भरोसेमंद दवाइयां मिलती हैं।

डिजिटल तकनीक और आईटी के क्षेत्र में भी दोनों देश सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, स्टार्टअप संस्कृति और आईटी विशेषज्ञता जॉर्डन के लिए प्रेरणा का स्रोत है। दूसरी ओर जॉर्डन मध्य पूर्व के बाजारों तक भारत के लिए एक सेतु की भूमिका निभा सकता है। उर्वरक और डिजिटल तकनीक में सहयोग बढ़ाने का फैसला इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है।

भारत को जॉर्डन से रणनीतिक स्तर पर भी कई फायदे हैं। पश्चिम एशिया में जॉर्डन एक स्थिर, भरोसेमंद और उदार देश माना जाता है। ऐसे क्षेत्र में, जहां अक्सर संघर्ष और अस्थिरता रहती है, जॉर्डन भारत के लिए एक संतुलित साझेदार है। आतंकवाद के खिलाफ जॉर्डन का स्पष्ट रुख भारत की सुरक्षा चिंताओं के अनुरूप है। इसके अलावा जॉर्डन फिलिस्तीन, इजरायल और अरब दुनिया के बीच संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिसका अप्रत्यक्ष लाभ भारत को क्षेत्रीय स्थिरता के रूप में मिलता है। किंग अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री मोदी से अपनी सात साल पहले हुई मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा कि तब से दोनों देशों के रिश्तों में निरंतर मजबूती आई है।

उत्तराखंड में बढ़ रहा मानव-वन्य जीव संघर्ष

अमित शर्मा

हल्द्वानी

उत्तराखंड की शांत और मनोरम वादियों के बीच रहने वाले वन्य जीव अब आदमखोर हो चले हैं। यह अप्रत्याशित भी नहीं है। इंसान ने जब उनके घर में घुसकर अपने आनंद के रास्ते खोजे, तो इन जंगली जानवरों ने भी अपनी हिंसक प्रवृत्ति के मुताबिक आबादी में परमानंद खोजना शुरू किया और यह खतरनाक चलन ऐसा बढ़ा कि अब उत्तराखंड का एक बड़ा क्षेत्र मानव-वन्य जीव संघर्ष के खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है।

वन्य जीवों के हमलों के 25 वर्षों के आंकड़ों पर गौर करें, तो अभी तक 1264 से ज्यादा लोग जंगली जानवरों के शिकार बने हैं। 6519 लोग घायल हुए हैं। इनमें सबसे अधिक मौतें शातिर गुलदार के सिर हैं, जिसके हमलों में 546 लोगों की मौत हुई। 2126 लोग घायल हुए। गजराज के हमलों में 230 लोग मरे, 234 घायल हुए। अक्सर शांत रहने वाले बाघ ने 106 लोगों को शिकार बनाया। 134 को जख्मी किया। भालू भी अब आदमखोर हो चले हैं और 71 लोगों को मार चुके हैं। 2012 लोगों को घायल कर चुके हैं। अब तक 360 लोग सर्पदंश से मौत की नींद सो चुके हैं। 1056 लोग ऐसे भी हैं, जो सर्पदंश से बच गए।

मगरमच्छ भी कहीं आबादी में घुस रहा है, तो लोग खुद मौत के मुंह में जा रहे हैं। मगरमच्छ के हमलों में 69 लोग मरे। 44 जख्मी हुए। हाल के दिनों में पौड़ी और चंपावत वन्य जीवों के हमलों को लेकर ज्यादा चर्चा में रहे। बड़ी राहत की बात यह रही कि पौड़ी में आतंक के पर्याय बने आदमखोर गुलदार को ढेर कर दिया गया तो आदमखोर बाघ को कॉर्बेट की टीम ने काबू कर लिया। चंपावत में भी आदमखोर बन चुका गुलदार पकड़ा गया।

वन्य जीवों के आबादी में घुसकर सीधे मानव को निशाना बनाने के कारण भी स्वयं मानव जनित ही हैं। जिस गति से आबादी का विस्तार हो रहा है, उससे ज्यादा गति से वन क्षेत्र सिकुड़ रहा है। कभी जंगलों में कैंप फायर करने का रोमांच, अब इंसानी खतरनाक मानसिकता से भर गया है। प्रकृति की गोद में बैठने की चाहत और धन की लोलुपता वन्य जीवों के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण कर चुकी है। जंगलों को काटकर पहाड़ी इलाकों में पहुंच आसान कर रहा मानव, वन्य जीवों के प्राकृतिक गलियारों (एनिमल कॉरिडोर) को ध्वस्त कर रहा है।

सुदूर जंगल अब आबादी के करीब आ रहे हैं और आबादी के आसपास जमा हो रहा कचरा वन्य जीवों को जंगल का हिस्सा होने का ही भान करा रहा है। ऐसे में प्रकृति के अनुरूप चला आ रहा वन्य जीवों का भोजन चक्र भी बिगड़ चुका है। छोटे जानवर जंगलों से बहुत कम हो गए हैं। बड़े जानवर अपने शिकार (छोटे जानवर) की तलाश में आबादी में रुख कर रहे हैं और यहां उनका सामना सीधे मानव से हो रहा है, क्योंकि उसे तो अभी भी वह हिस्सा अपने ही जंगल का लग रहा है। ऐसे में वह मानव की बढ़ती आमद को अपने जंगल में दखल मान रहा है।

पहाड़ के गांवों में सबसे ज्यादा घटनाएं घर के पास ही चारा पत्ती काटने जाने वाली महिलाओं के साथ होती हैं। गढ़वाल मंडल की बात करें तो पौड़ी, चमोली, उत्तर काशी और रुद्रप्रयाग में बाघ, गुलदार और भालू के हमलों में अप्रत्याशित तेजी आई है। पहले पहाड़ पर गांव के लोग अपने घर के खुले आंगन में बिना खौफ के सो जाते थे, लेकिन अब दिन ढलते ही घरों के बाहर निकलना असुरक्षित माना जा रहा है। कुमाऊं मंडल के नैनीताल, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और बागेश्वर में भी मानव-वन्य जीव टकराव बढ़ा है। दोनों मंडल में मानव-वन्य जीव संघर्ष तेजी से बढ़ रहा है, जिससे जन हानि और आर्थिक नुकसान दोनों बढ़े हैं।

मानव के साथ ही प्रकृति में बदलाव भी वन्य जीवों के आबादी में बढ़ते दखल का बड़ा कारण माना जाता है। जल वायु परिवर्तन का असर केवल इंसानी जगत पर ही नहीं, वन्य जीवों पर भी पड़ा है। घने जंगलों का तापमान वहां रहने वाले जानवरों के अनुकूल होता था और मौसम में बदलाव पर उस तापमान को सहन न करने वाले वन्य जीव कुछ समय के लिए वहां से पलायन कर जाते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब बारिश का कोई निश्चित समय नहीं रह गया है। कभी अति होती है तो सूखे जैसे हालात हो जाते हैं। इसके कारण तापमान पर भी असर पड़ा है।

वैज्ञानिक मानते हैं कि भालू चीड़ के पेड़ों के गर्म स्थानों में कम आते हैं, लेकिन अब ऐसे इलाकों में भी उनकी मौजूदगी से ग्रामीण सहमे हुए हैं, इसलिए शीत निद्रा न ले पाने वाले भालुओं का भोजन की तलाश में आबादी में दखल बढ़ रहा है। हाथी पानी पीने के लिए अपने निर्धारित गलियारे का प्रयोग करते आए हैं, जिन्हें एलिफेंट कॉरिडोर कहा जाता है, लेकिन कहीं इस कॉरिडोर में दीवार खड़ी कर दी गई तो कहीं कच्चे मकान बना लिए गए। अब पानी पीने के लिए हाथी उसी निर्धारित कॉरिडोर में आ रहे हैं, तो अवरोध पाकर हिंसक हो रहे हैं और संघर्ष इंसानी मौत का कारण बन रहा है।

हालांकि राज्य सरकार ने इस मुद्दे पर गहन संवेदनशीलता दिखाते हुए आपातकालीन उपाय और तकनीकी सहायता शुरू कर दी है, लेकिन इसका स्थायी समाधान भी मानव के हाथ में ही है और वह है जागरूकता के साथ सुरक्षा के उपाय, क्योंकि अब हालात विकट हो चुके हैं। जो जंगल काटे जा चुके हैं, उन्हें उसी हालत में वापस लाना तो असंभव है, लेकिन दूसरे जंगलों को कटान से बचाना होगा। वन्य जीवों के लिए जंगल और आबादी के बीच नए सिरे से एक हद तय करनी होगी। इसके साथ ही, जंगल की सीमा से सटे इलाकों में सुरक्षा के उच्चतम उपाय करने होंगे, जहां ज्यादा खतरा है, वहां रात में भी रोशनी का पर्याप्त इंतजाम रखना होगा। आबादी के पास झाड़ियों को काटना होगा। कचरे से निपटने के ठोस इंतजाम करने होंगे। सोलर फेंसिंग भी बेहतर विकल्प है। प्रभावित क्षेत्रों में दिनचर्या में भी फेरबदल करना होगा।

25 वर्षों में वन्य जीवों के हमलों में 1264 से ज्यादा लोग काल का ग्रास बने हैं। 6519 लोग घायल हुए हैं। इनमें सबसे अधिक मौतें गुलदार के सिर हैं, जिसके हमलों में 546 लोगों की मौत हुई है।

आमने

ऑपरेशन सिंदूर के पहले दिन भारतीय वायुसेना को भारी नुकसान उठाना पड़ा था और भारतीय विमान मार गिराए गए। ऑपरेशन के पहले दिन हम पूरी तरह हार गए थे। सात मई को जो आधे घंटे का हवाई संघर्ष हुआ, उसमें हमें पूरी तरह से पराजय मिली, चाहे लोग मानें या न मानें।

–**पृथ्वीराज चव्हाण**

कांग्रेस नेता

सामने

सेना का अपमान करना कांग्रेस की पहचान बन गई है। यह सिर्फ चव्हाण का बयान नहीं है, राहुल गांधी भी ऐसे ही बयान दे चुके हैं। यह सब उनकी सोच को दिखाता है, इसीलिए न तो कांग्रेस और न ही राहुल ऐसे नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करते हैं।

–**शहजाद पूनावाला**

बीजेपी प्रवक्ता

तंबाकू मुक्त हुआ मालदीव, भारत में भी हो पहल

डॉ. रमेश ठाकुर

लेखक

मालदीव ने अपनी मौजूदा और आगामी पीढ़ी को सेहतमंद रखने के लिए मुल्क को धूम्रपान मुक्त बनाने का बीड़ा उठा लिया है। कोई युवा धूम्रपान न कर सके, इसके लिए 'जेनरेशनल स्मोकिंग बैन' नाम का बेहद कठोर कानून बनाया है। कानून के मुताबिक वर्ष-2007 के बाद मालदीव में जन्मे लोग अब भविष्य में कभी भी किसी सूरत में स्मोकिंग नहीं कर पाएंगे। अगर ऐसा किसी ने भूलवश किया, तो उसे भारी जुर्माना चुकाना होगा। कानून को पूरे देश में लागू कर दिया गया है।

मालदीव में अब तंबाकू-खैनी, गुटखा, बीड़ी सिगरेट, चरस-गांजा, अफीम या ई-सिगरेट को खरीदना और बेचना अपराध की श्रेणी में है। कोई दुकानदार अगर चोरी-छिपे किसी को तंबाकू बेचता पकड़ा गया, तो उसे 50,000 मालदीवियन रूफिया यानी 2.88 लाख रुपये का जुर्माना देना पड़ेगा। वहीं, ई-सिगरेट या वेपिंग करते पकड़े जाने पर 5,000 रूफिया यानी 29,000 हजार रुपये बतौर जुर्माना देने होंगे। दूसरी बार जुर्माना लगने पर ड्राइविंग लाइसेंस को हमेशा के लिए निरस्त करने का प्रावधान है। ये नियम मालदीव जाने वाले अन्य देशों के लोगों पर भी लागू है।

इस कानून का सबसे सुखद पहलू ये है कि उसे सत्ता और विपक्ष की आम सहमति से संसद में पारित किया गया। देश वासियों ने बाकायदा जश्न मनाया। कानून बनने की खुशी में पक्ष-विपक्ष के सांसदों ने मिलकर पार्टी भी आयोजित की और एक-दूसरे को बधाईयां दीं। दरअसल, धूम्रपान ऐसी आधुनिक बीमारी के रूप में उभर चुकी है, जिसने तकरीबन-तकरीबन प्रत्येक के दरवाजों पर दस्तक दे दी है। वाजिब सवाल यहां ये उठता है, आखिर धूम्रपान के विरुद्ध मालदीव की तरह कठोर कदम भारत में क्यों नहीं उठाया जा सकता? किस बात की दिक्कत है, जबकि डब्ल्यूएचओ के मुताबिक भारत में नशे से मरने वालों की संख्या सर्वाधिक है। भारत में कुछ प्रदेशों के युवा नशे का ज्यादा शिकार हैं। घर के घर तबाह हैं। नशेड़ियों का हर पल, हर जगह, उपहास उड़ता है। बावजूद इसके अपनी हरकतों से वो बाज नहीं आते? दुनिया में हर बरस 80 लाख मौतें होती हैं फिर भी कोई नहीं डर रहा।

नशा-धुम्रपान की बढ़ती समस्या को देखकर अब इतना तो तय है, जब तक मालदीप जैसे सख्त कानून नहीं बनाए जाएंगे, स्थिति में सुधार नहीं होगा। मालदीप की भांति ज्यादा से ज्यादा देशो में ऐसे ही कानूनों को पारित कर अमल में लाने की दरकार है। हिंदुस्तान तंबाकू का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता और उत्पादक देश है। सरकार राजस्व का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से जुटाती है। भारत में तंबाकू-धूम्रपान से सालाना 13.5 लाख लोग असमय मरते हैं। 'सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एडं प्रिवेशन' के मुताबिक भारत सरकार प्रत्येक बरस अपने मरीजों पर 1.77 करोड़ रुपये खर्च करती है। ये जानते हुए भी कि तंबाकू कैंसर, फेफड़ों की बीमारी और हृदय रोग सहित कई पुरानी बीमारियों का प्रमुख कारण है। फिर भी लोग गुटखा-खैनी इस्तेमाल करते हैं।

पंजाब पाकिस्तान के बॉर्डर सटा है, जहां से चोरी-छिपे हर दिन सैकड़ों किलो मादक पदार्थों की खेप पहुंचती हैं। तस्कर इसके लिए ड्रोन का इस्तेमाल करते हैं। देखा जाए तो मालदीव ने अपनी पीढ़ियों को बचाने के लिए जो इच्छा शक्ति दिखाई है, वह अन्य मुल्कों के लिए एक उदाहरण है। उनका यह निर्णय नशे से प्रभावित देशों को धूम्रपान से लड़ने के लिए न सिर्फ हिम्मत देगा, बल्कि स्वास्थ्य सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाएगा।

मालदीव का नशा मुक्ति पर लिया कठोर निर्णय निश्चित रूप से साहसिक कदम कहा जाएगा। ऐसा करके मालदीव विश्व का पहला मुल्क बना है, जहां साल 2007 के बाद जन्मा कोई इंसान कश से दूर रहेगा। मालदीव में धूम्रपान से सालाना मात्र 150 लोग ही जान गवाते हैं, फिर भी सरकार अपने नागरिकों के लिए इतनी फिक्रमंद है। कानून से जुड़ी एक अच्छी बात ये भी है कि यह नियम वहां पहुंचने वाले सैलानियों पर भी लागू रहेंगे।

विश्व की सरकारें अगर ईमानदारी से जनहित की नीतियों पर मंथन करें, तो धूम्रपान पर मुक्ति पाना असंभव नहीं? मॉर्डन स्टेटस कहें, या पश्चिमी सभ्यता का विस्तार? देखा-देख युवा नशे की लत में घुसते जा रहे हैं। मालदीव ही नहीं, विश्व का कोई देश इस समय अछूता नहीं बचा, जहां के टीनएजर्स इस समस्या की गिरफ्त में न समाए हों? इस मामले में एशिया पहले पायदान पर है, जहां बड़े स्तर पर मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त जारी है।

मालदीप सरकार द्वारा पारित 'जेनरेशनल स्मोकिंग बैन' दुनिया का पहला 'तम्बाकू मुक्त' कानून है। भारत में धूम्रपान पर पीढ़ीगत प्रतिबंध के संबंध में कोई विशेष कानून नहीं है। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम जैसे कई कानून पहले से हैं। इसके अलावा समय-समय पर प्रदेश सरकारें अपने स्तर पर प्रतिबंध लगाती रहती हैं। जैसे, इस समय पंजाब सरकार ने नशा मुक्ति को लेकर अभियान छेड़ा हुआ है।

दुर्भाग्य से इस तरह के अभियान या प्रदेश सरकारों की सख्तियां कारगर साबित नहीं हो पातीं। कुछ समय बाद दम तोड़ देती हैं। हमारे यहां कागजों में ऐसी पाबंदियां की भरमार हैं, जिनमें शिक्षण संस्थाओं जैसे स्कूल-कॉलेजों से सौ मीटर दूरी तक पान-मसाला बेचने की मनाही होती है, लेकिन अब स्कूलों के भीतर भी मादक पदार्थ पकड़े जाने लगे हैं।

मालदीव ने अपनी पीढ़ी को सेहतमंद रखने के लिए मुल्क को धूम्रपान मुक्त बनाने का बीड़ा उठा लिया है। उसने 'जेनरेशनल स्मोकिंग बैन' नाम का बेहद कठोर कानून बनाया है।

सोशल फोरम

जब औरतों को अपने ही पैर वापस मिले

वे पैर चलने के लिए थे, दौड़ने के लिए थे, उनमें कोलंबस हो सकने की क्षमता थी, जिन्हें बांध दिया गया और छीन लिया गया उनका बल, उनकी गति, उनका विकास। परंपरा और ख़ूबसूरती के नाम पर। इतिहास को जब-जब स्त्रीवादी नज़र से खंगाला जाएगा, तो उसमें ऐसे-ऐसे अन्याय मिलेंगे जो मानवता को शर्मिंदा कर दें। वे आंदोलन मिलेंगे जिन्हें राष्ट्र के आंदोलन में मिलाकर ख़त्म कर दिया गया।

सुजाता चोखेरबाली

एसोसिएट प्रोफेसर

फुट बाइंडिंग- चीन में शताब्दियों तक चलती रही इस दर्दनाक प्रथा में बच्चियों के पैरों को बचपन में ही कसकर कपड़े से ऐसे बाँधा जाता था कि उसका आकार और आकृति नियंत्रित की जा सके। माना जाता था कि यह स्त्रैण सुंदरता को बढ़ाता है और प्रतिष्ठा का सूचक है। ऐसा कहा जाता है कि दसवीं शताब्दी का एक राजा अपने दरबार की एक नर्तकी के छोटे पैरों को देखकर मुग्ध हो गया था।

इसने स्त्रियों का चलना फिरना मुश्किल बना दिया था। वे घरों के बाहर नहीं निकल पाती थीं, लेकिन इसका यह बिलकुल अर्थ नहीं कि वे इतिहास में और जीवन में महज़ यौनोपयोगी वस्तु की तरह थीं और ठस्स थीं। कुछ विद्वान मानते हैं कि पैरों को बांधे जाने का अर्थव्यवस्था से नज़दीकी रिश्ता था। जब नए उद्योगों और फैक्ट्रियों में सस्ते कपड़े का उत्पादन बड़े स्तर पर शुरू हुआ, तब इन स्त्रियों के काम में कमी आई। ये स्त्रियां बैठे-बैठे ऊन, कपड़ा, जूते, चटाई जैसी चीज़ें बनाया करती थीं।

हालांकि पैरों को बांधने की प्रथा को 1902 में क़ानूनी रूप से ख़त्म कर दिया गया था, लेकिन इसके बाद भी पूरी तरह उसे ख़त्म होने में कई दशक लग गए। इसके खत्म होने में सबसे महत्वपूर्ण योगदान रहा उन सुधार आंदोलनों का जो उन्नीसवीं सदी के अंतिम दो दशकों में शुरू हुए। 1860 में ईसाइयत के प्रचार-प्रसार के लिए अपने पत्नी सहित चीन के अमॉय (पहले Xiamen) उपप्रांत में पहुंचा मेक गोवान और पैर बांधने की यह प्रथा देखकर चकित रह गया। मेक गोवान के लिए यह ईसाइयत के ख़िलाफ़ था, क्योंकि यह प्रकृति के ख़िलाफ़ था। वह लिखता है- 'इसने (पैर बाँधने ने) सुघड़ता और समरूपता को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है, जो प्रकृति ने स्त्री को दी है।

–**फेसबुक वाल से**

सामयिकी

लड़कियों को नहीं मिलते शिक्षा के समान अवसर

गांवों की किशोरियां रोज़ ऐसे फैसलों और दबावों के बीच जीती हैं, जो उनके बचपन, पढ़ाई और भविष्य को तय कर देते हैं। तमाम सरकारी योजनाओं के बावजूद उन्हें पढ़ाई के समान अवसर नहीं मिलते हैं। काग़ज़ों में साक्षरता का अर्थ सिर्फ़ नाम लिखना या पढ़ लेना नहीं होता। असली सवाल यह है कि कितनी लड़कियां पढ़ाई पूरी कर पाती हैं? कितनी आगे बढ़ पाती हैं और कितनी को अपने जीवन के फैसले खुद लेने का अवसर मिलता है।

जब किसी परिवार की आमदनी सीमित हो, तो प्राथमिकताएं भी सीमित हो जाती हैं। ऐसे में घर की लड़कियों की पढ़ाई अक्सर 'अतिरिक्त खर्च' के रूप में देखी जाने लगती है। अगर घर में स्थायी आमदनी हो, तो माता-पिता शायद बेटियों को और समय दे सकें।समाज में पढ़ाई को केवल एक सीमा तक ही स्वीकार किया जाता है। उसके बाद लड़की से अपेक्षा की जाती है कि वह अगले चरण यानी शादी के बंधन में बंध जाए, चाहे इसके लिए वह तैयार भी है या नहीं।

पूजा

एक्टिविस्ट

उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी लगातार घट रही है। इसका सीधा असर यह होता है कि परिवार में निर्णय लेने की शक्ति भी सीमित रह जाती है। जब लड़की आर्थिक रूप से निर्भर होती है, तो उसकी आवाज़ भी कमजोर पड़ जाती है। इस पूरे परिदृश्य में यह समझना ज़रूरी है कि कम उम्र में शादी केवल एक सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि आर्थिक दबाव और अवसरों की कमी का परिणाम है। जब किसी लड़की के सामने पढ़ाई के बाद न तो नौकरी का रास्ता दिखता है और न ही कौशल प्रशिक्षण का, तो परिवार को लगता है कि शादी ही सबसे सुरक्षित विकल्प है. लेकिन यह सुरक्षा अक्सर लड़की की आकांक्षाओं की कीमत पर आती है।

पिछले कई वर्षों से बागेश्वर के ग्रामीण क्षेत्रों में किशोरी सशक्तिकरण पर काम कर रहीं सामाजिक कार्यकर्ता नीलम ग्रेंडी कहती हैं, "ग्रामीण इलाकों में लड़कियों की शादी आज भी समाधान की तरह देखी जाती है। गरीबी, बेरोजगारी और शिक्षा के बाद विकल्पों की कमी इस सोच को मजबूत करती है।"

उनका अनुभव बताता है कि यह समस्या व्यक्तिगत नहीं, बल्कि पूरे सामाजिक ढांचे से जुड़ी हुई है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा किताबें, छात्रवृत्ति, साइकिल और स्कूल सुविधा देने से शुरुआती शिक्षा तक पहुंच ज़रूर बेहतर हुई है, लेकिन माध्यमिक शिक्षा के बाद का खालीपन अब भी बना हुआ है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि जब लड़कियां घर पर रहती हैं, तो उनसे घरेलू कामों की अपेक्षा बढ़ जाती है। धीरे-धीरे उनकी पहचान एक छात्रा से घर का काम करने वाली लड़की मात्र में बदल जाती है। यह बदलाव चुपचाप होता है, लेकिन बहुत गहरा असर छोड़ता है। फिर भी, इन पहाड़ियों में उम्मीद पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। कई किशोरियां अब सवाल पूछ रही हैं, अपने भविष्य को लेकर गंभीरता से सोच रही हैं और पढ़ाई को केवल डिग्री नहीं, बल्कि आगे बढ़ने और अपने पैरों पर खड़ा होने का रास्ता मान रही हैं। जब उन्हें सही मार्गदर्शन, आर्थिक सहारा और परिवार का भरोसा मिलता है, तो वे आगे बढ़ने की हिम्मत भी जुटा पाती हैं।

बागेश्वर की किशोरियों का संघर्ष सिर्फ़ आंकड़ों की कहानी नहीं है। यह कहानी है सपनों और सीमाओं के टकराव की, इच्छाओं और हालात के संघर्ष की। यदि शिक्षा के साथ-साथ रोजगार, कौशल और सुरक्षा के अवसर मजबूत किए जाएं, तो ये लड़कियां बराबरी और सम्मान से भरे भविष्य की साक्षी भी बन सकती हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

टेस्टिंग इंजीनियर
मोबाइल टेक्नोलॉजी में उभरता करियर

आज के डिजिटल युग में मोबाइल फोन, स्मार्ट गैजेट्स और नई-नई टेक्नोलॉजी हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुकी है। हर साल बाजार में सैकड़ों नए मोबाइल मॉडल और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज लॉन्च होते हैं, जिनसे उपभोक्ताओं की अपेक्षाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में किसी भी प्रोडक्ट की गुणवत्ता, परफॉर्मेंस और सुरक्षा सुनिश्चित करना कंपनियों के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता बन गया है। यहीं से टेस्टिंग इंजीनियर की भूमिका शुरू होती है। टेक्नोलॉजी के तेजी से बदलते दौर में कंपनियां किसी भी तरह की तकनीकी खामी या यूजर शिकायत से बचना चाहती हैं। इसी कारण मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग और टेक इंडस्ट्री में टेस्टिंग इंजीनियर की मांग लगातार बढ़ रही है। अगर आपको तकनीक में दिलचस्पी है, चीजों को परखने की आदत है और आप क्वालिटी पर फोकस करते हैं, तो टेस्टिंग इंजीनियर का करियर आपके लिए भविष्य की कई संभावनाओं के दरवाजे खोल सकता है।

टेस्टिंग इंजीनियर के लिए योग्यता

टेस्टिंग इंजीनियर बनने के लिए बहुत बड़ी या महंगी डिग्री होना जरूरी नहीं है। अगर आपके पास तकनीक की बुनियादी समझ और सीखने की इच्छा है, तो इस फील्ड में करियर बनाया जा सकता है। आमतौर पर Electronics, IT, Electrical, ECE या Mechanical से B.Tech करने वाले उम्मीदवारों को इस प्रोफाइल में आसानी से अवसर मिल जाते हैं। इसके अलावा Diploma in Electronics, Mobile Technology या इससे जुड़े अन्य टेक्निकल डिप्लोमा कोर्स करने वाले भी टेस्टिंग इंजीनियर के रूप में कार्य कर सकते हैं। कई मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग और टेक कंपनियां फ्रेशर्स को खुद ट्रेनिंग देती हैं, जिसमें उन्हें मोबाइल हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की टेस्टिंग सिखाई जाती है। इस प्रोफाइल के लिए जरूरी है कि उम्मीदवार को बेसिक टेक्निकल नॉलेज हो, जैसे मोबाइल के फीचर्स की समझ, सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर में अंतर तथा छोटी-छोटी तकनीकी समस्याओं को पहचानने की क्षमता। अगर आपके पास ये स्किल्स हैं और आप नई टेक्नोलॉजी सीखने के लिए तैयार रहते हैं, तो टेस्टिंग इंजीनियर के रूप में नौकरी पाना ज्यादा मुश्किल नहीं होता।

ज्ञानेंद्र कुमार दीक्षित
असिस्टेंट प्रोफेसर, बीबीडी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

टेस्टिंग इंजीनियर का कार्य

टेस्टिंग इंजीनियर का मुख्य कार्य मोबाइल फोन या किसी भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को हर स्तर पर जांचना होता है, ताकि वह बाजार में जाने से पहले पूरी तरह सही और उपयोग के लिए सुरक्षित हो। इसमें सबसे पहले फोन के हार्डवेयर की टेस्टिंग की जाती है, जैसे स्क्रीन की क्वालिटी और टच रिस्पॉन्स, कैमरे की फोटो और वीडियो क्षमता, बैटरी की परफॉर्मेंस, नेटवर्क सिग्नल, स्पीकर और माइक्रोफोन की आवाज। इसके अलावा सॉफ्टवेयर टेस्टिंग में भी टेस्टिंग इंजीनियर की अहम जिम्मेदारी होती है। वह यह जांचता है कि ऑपरेटिंग सिस्टम स्मूद तरीके से काम कर रहा है या नहीं, ऐप्स सही तरह से ओपन हो रहे हैं या नहीं और फोन हैंग या क्रैश तो नहीं हो रहा। साथ ही यूजर इंटरफेस आसान और सुविधाजनक है या नहीं, इस पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। यूजर को भविष्य में किसी तरह की परेशानी न हो, यही इस प्रोफेशन का सबसे बड़ा उद्देश्य होता है। किसी भी मोबाइल के लॉन्च से पहले अंतिम मंजूरी इसी टेस्टिंग टीम से मिलती है, इसलिए टेस्टिंग इंजीनियर की भूमिका बेहद जिम्मेदार और महत्वपूर्ण मानी जाती है।

करियर स्कोप

मोबाइल कंपनियों के साथ-साथ टैबलेट, स्मार्टवॉच, IoT डिवाइसेज और ऑटोमोबाइल टेक्नोलॉजी में भी टेस्टिंग इंजीनियर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। अनुभव के साथ सीनियर टेस्टिंग इंजीनियर, क्वालिटी एनालिस्ट या टेस्ट मैनेजर जैसे पदों तक पहुंचा जा सकता है। अगर आप टेक्नोलॉजी के साथ काम करना पसंद करते हैं और परफेक्शन की तलाश आपकी आदत है, तो टेस्टिंग इंजीनियर की नौकरी आपके लिए एक स्मार्ट और सुरक्षित करियर विकल्प हो सकती है।

सैलरी और करियर ग्रोथ

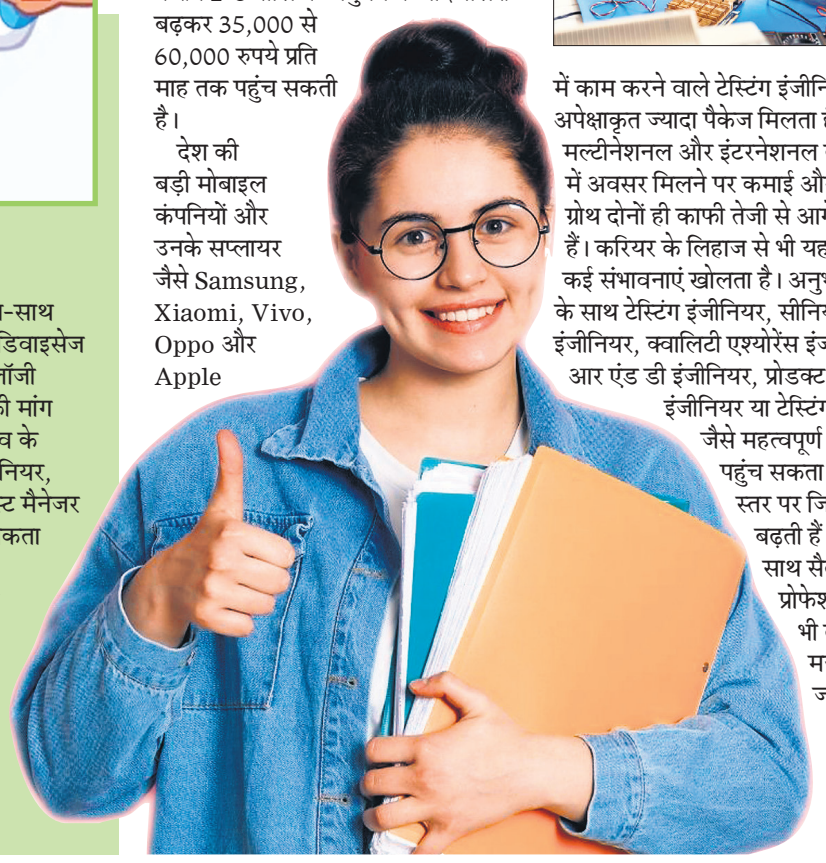

टेस्टिंग इंजीनियर की नौकरी सैलरी के मामले में भी काफी बेहतर मानी जाती है। इस क्षेत्र में करियर की शुरुआत करने वाले फ्रेशर्स को आमतौर पर 18,000 से 28,000 रुपये प्रति माह तक वेतन मिल जाता है। जैसे-जैसे काम का अनुभव और तकनीकी समझ बढ़ती है, आमदनी में भी तेजी से इजाफा होता है। करीब 2-3 साल के अनुभव के बाद सैलरी बढ़कर 35,000 से 60,000 रुपये प्रति माह तक पहुंच सकती है।

देश की बड़ी मोबाइल कंपनियों और उनके सप्लायर जैसे Samsung, Xiaomi, Vivo, Oppo और Apple में काम करने वाले टेस्टिंग इंजीनियर्स को अपेक्षाकृत ज्यादा पैकेज मिलता है। वहीं मल्टीनेशनल और इंटरनेशनल कंपनियों में अवसर मिलने पर कमाई और करियर ग्रोथ दोनों ही काफी तेजी से आगे बढ़ते हैं। करियर के लिहाज से भी यह प्रोफाइल कई संभावनाएं खोलता है। अनुभव बढ़ने के साथ टेस्टिंग इंजीनियर, सीनियर टेस्टिंग इंजीनियर, क्वालिटी एश्योरेंस इंजीनियर, आर एंड डी इंजीनियर, प्रोडक्ट वैलिडेशन इंजीनियर या टेस्टिंग टीम लीडर जैसे महत्वपूर्ण पदों तक पहुंच सकता है। हर नए स्तर पर जिम्मेदारियां बढ़ती हैं और उसके साथ सैलरी व प्रोफेशनल ग्रोथ भी लगातार मजबूत होती जाती है।

जॉब अलर्ट

भारतीय रिजर्व बैंक सेवा बोर्ड

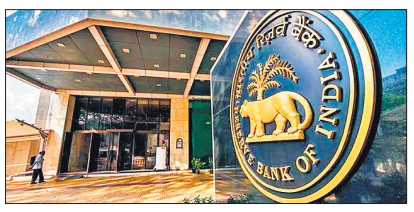

- पद का नाम - पद (डेटा साइंटिस्ट, डेटा इंजीनियर, IT सिक्योरिटी एक्सपर्ट, IT सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर, IT प्रोजेक्ट एडमिनिस्ट्रेटर, AI/ML स्पेशलिस्ट, IT-साइबर सिक्योरिटी एनालिस्ट, नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर, प्रोजेक्ट मैनेजर, रिस्क स्पेशलिस्ट, एनालिस्ट, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर)
- पदों की संख्या-93
- योग्यता- पदों के अनुसार
- आयु सीमा-21 से 62 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि- 06 जनवरी, 2026
- वेबसाइट- www.rbi.org.in

पुणे डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक

- पद का नाम- क्लर्क
- पदों की संख्या- 434
- आवेदन की अंतिम तिथि-20-12-2025
- वेबसाइट-pdcc.bank.in

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI)

- पद का नाम-स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर (VP वेल्थ SRM, AVP वेल्थ RM, कस्टमर रिलेशनशिप एग्जीक्यूटिव)
- पदों की संख्या-996
- योग्यता- सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी या संस्थान से ग्रेजुएशन
- आयु सीमा- पदों के अनुसार
- आवेदन की अंतिम तिथि- 23-12-2025
- वेबसाइट-sbi.bank.in

रेलवे भर्ती सेल, उत्तरी रेलवे

- पद का नाम-एक्ट अप्रेंटिस
- पदों की संख्या- 4116
- योग्यता-मैट्रिकुलेशन/10वीं कक्षा (न्यूनतम 50% अंक) और संबंधित ट्रेड में ITI, NCVT/SCVT मान्यता प्राप्त
- आयु सीमा- 15 से 24 वर्ष (नियमों के अनुसार आयु में छूट)
- आवेदन की अंतिम तिथि-12/24/2025
- वेबसाइट- www.rrcnr.org

कैंपस में पहला दिन

सीनियर का रहा खौफ, बाद में बने दोस्त

इंजीनियरिंग कॉलेज में मेरा पहला दिन आंखों में तैरते भविष्य के सपनों के बीच काफी सहमा, सकुचा रहा। आज का एचबीटीयू उस वक्त का एचबीटीआई में मेरा सलेक्शन हुआ। यहां पर आने से पहले मैंने सीनियर्स के बारे में काफी सुन रखा था। इन्हीं सीनियर्स के खौफ और आंखों में सपने लेकर मैं पहले दिन कैंपस पहुंचा। सीनियर्स का डर इस कदर था कि कैंपस में जाने के बाद मैंने उनसे अपने डिपार्टमेंट का रास्ता तक पूछना उचित नहीं समझा, खैर एक टीचर मिले उनसे जानकारी लेकर मैं अपनी क्लास तक पहुंचा। काफी दिन तक सीनियर्स से अनायास ही दूरी बनाता रहा, लेकिन जब उन लोगों से बात हुई तो वे काफी सपोर्टिव निकले। कुछ के साथ मित्रता ऐसी हुई कॉलेज में उन लोगों ने पढ़ाई में भी सहायता की। आज उनमें से कई मेरे बहुत अच्छे मित्र भी हैं।

कॉलेज का पहला दिन मेरे जीवन का एक अविस्मरणीय क्षण था। उच्च शिक्षा प्राप्त करना बचपन से मेरा सपना था और उस दिन मैं दिल में बड़े सपने और उम्मीदें लेकर कॉलेज के द्वार पर पहुंचा था। अपने पिता को एक इंजीनियर के रूप में कड़ी मेहनत करते हुए देखता आया था। उन्हीं के पदचिह्नों पर चलना हमेशा से मेरी आकांक्षा रही। उन्हें हर संभव तरीके से सहायता करने की इच्छा ही मेरे भीतर इंजीनियर बनने का जुनून जगाती थी। इस सपने को पूरा करने के लिए मैंने अत्यंत परिश्रम किया। कई बार बिजली न होने पर मंद रोशनी में पढ़ाई की। खुद को व्यवधानों से दूर रखने के लिए अक्सर अकेला बैठकर सिर्फ अध्ययन पर ध्यान केंद्रित किया। मेरे इन निरंतर प्रयासों का फल मुझे तब मिला जब मेरा चयन एचबीटीआई, कानपुर में हुआ। एक ऐसा परिसर, जिसने मेरे जीवन की दिशा बदल दी। उस समय न तो करियर काउंसलर थे और न ही इंटरनेट जैसी सुविधाएं। फिर भी, मुझे हमेशा विश्वास था कि एचबीटीआई ही वह स्थान है, जहां मुझे होना चाहिए। परिसर को देखने और ज्ञान से परिपूर्ण प्रोफेसरों से मिलकर यह विश्वास और भी दृढ़ हो गया कि यही वह विश्वविद्यालय है, जिसके लिए मैं बना हूं। कॉलेज जीवन शुरू हुआ, तो पढ़ाई का असली अध्याय भी शुरू हुआ। माता-पिता से दूर, एक ऐसे शहर में जहां कुछ ही लोग परिचित थे। अकेलापन कई बार चुनौती बना, पर इंजीनियर बनने की मेरी प्यास और अपने सपने को पूरा करने की लगन ने मुझे कभी रुकने नहीं दिया। मेरे प्रोफेसर वास्तव में असाधारण व्यक्तित्व थे। आज भी उनके पढ़ाए हुए सिद्धांत और अवधारणाएं मुझे उतनी ही स्पष्टता से याद हैं। पढ़ाई में मेरी रुचि केवल अंकों तक सीमित नहीं थी। मुझे यह समझने में आनंद आता था कि कोई सिद्धांत वास्तव में क्या कहता है, उसका मूल क्या है और वह वास्तविक जीवन में कैसे काम आता है। शिक्षा मेरे लिए केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि उसका व्यावहारिक उपयोग थी। इसी दृष्टिकोण का लाभ मुझे आज भी मिलता है। अपने कार्यस्थल पर बैठकर जब मैं नवाचार या किसी उत्पाद को और बेहतर बनाने के बारे में सोचता हूं, तब बचपन और कॉलेज के दिनों में सीखे गए अनेक सिद्धांत स्वतः ही मेरी आंखों के सामने उभर आते हैं। कॉलेज जीवन मित्रता, मनोरंजन और स्वतंत्रता का पहला अनुभव देता है। पर इससे भी अधिक, यह वह समय है जब हम ज्ञान की वह नींव बनाते हैं, जिस पर हमारा पूरा जीवन टिका रहता है। आज मैं कई विद्यार्थियों को केवल अच्छे अंकों के पीछे भागते देखता हूं। देश के सभी प्रतिभाशाली युवाओं से मैं यही कहना चाहता हूं, केवल अंक प्राप्त करने के लिए न पढ़ें। ज्ञान को समझिए, उसे अपनाइए और उसके वास्तविक जीवन में उपयोग को पहचानिए। देखें कि जो आप आज सीख रहे हैं, उसे अपने जीवन के अन्य क्षेत्रों में कैसे लागू कर सकते हैं। यदि आप यह दृष्टिकोण अपनाएंगे, तो सफलता स्वयं आपके कदम चूमेगी।

– **हरेंद्र मूरजानी,** एमडी, यूपी पंप प्राइवेट लिमिटेड, कानपुर

नोटिस बोर्ड

- एमजेपी रुहेलखंड विवि से संबद्ध कालेजों के स्नातक और परास्नातक प्रथम सेमेस्टर के परीक्षा फार्म भरे जा रहें हैं। फॉर्म समर्थ पोर्टल के माध्यम से भरे जा रहे हैं। इसमें जिन छात्र-छात्राओं को आवेदन करने में परेशानी हो रही है, उनके लिए विवि ने एक वीडियो भी जारी कर दी है। इसमें पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई है। परीक्षा फार्म की लास्ट डेट 19 दिसंबर है। वहीं 20 दिसंबर तक छात्र-छात्राएं आवेदन पत्र कालेज में जमा कर सकेंगे।

- लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2025-26 सेमेस्टर परीक्षा के तहत शारीरिक शिक्षा विभाग ने इंटर्नशिप वायवा परीक्षा की डेट घोषित कर दी है। विश्वविद्यालय के अनुसार बीए पंचम सेमेस्टर की इंटर्नशिप वायवा परीक्षा 20 दिसंबर को सुबह 11.30 बजे से होगी। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी विद्यार्थियों को अपनी फाइल के साथ पहुंचना होगा।

कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर बनाएं सफल करियर

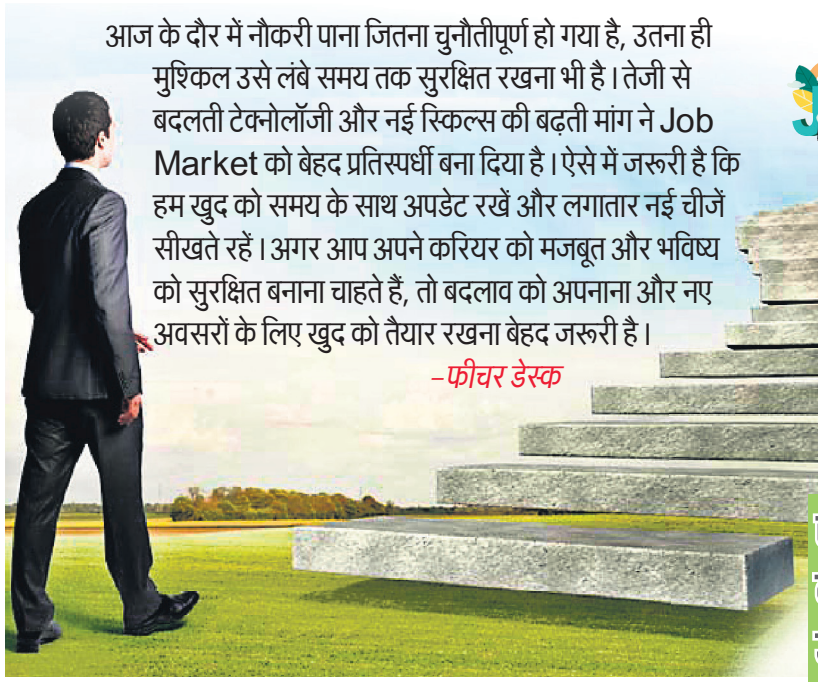

आज के दौर में नौकरी पाना जितना चुनौतीपूर्ण हो गया है, उतना ही मुश्किल उसे लंबे समय तक सुरक्षित रखना भी है। तेजी से बदलती टेक्नोलॉजी और नई स्किल्स की बढ़ती मांग ने Job Market को बेहद प्रतिस्पर्धी बना दिया है। ऐसे में जरूरी है कि हम खुद को समय के साथ अपडेट रखें और लगातार नई चीजें सीखते रहें। अगर आप अपने करियर को मजबूत और भविष्य को सुरक्षित बनाना चाहते हैं, तो बदलाव को अपनाना और नए अवसरों के लिए खुद को तैयार रखना बेहद जरूरी है।

-फीचर डेस्क

कंफर्ट जोन से बाहर निकलें

अक्सर लोग वही काम करते रहना पसंद करते हैं, जिसमें उन्हें आराम महसूस होता है, लेकिन अगर आप हमेशा परिचित कामों तक ही सीमित रहेंगे, तो आगे बढ़ना मुश्किल हो जाएगा। कभी-कभी नए कामों और नई जिम्मेदारियों को अपनाना जरूरी होता है। इससे न सिर्फ आपके अनुभव बढ़ते हैं, बल्कि करियर को भी नई दिशा मिलती है।

लगातार सीखते रहना है जरूरी

यह सोच गलत है कि पढ़ाई खत्म होते ही सीखना भी खत्म हो जाता है। असल जिंदगी में सीखने की कोई उम्र नहीं होती। नई कंप्यूटर स्किल्स, नई भाषा या नए टूल्स हर नई जानकारी आपको Job Market में आगे रखती है। छोटे-छोटे प्रयास भविष्य में बड़े अवसर बन सकते हैं।

जानकारी और नेटवर्क बढ़ाते रहें

Job Market से जुड़ी खबरों और भर्तियों पर नजर रखें। अपने क्षेत्र के लोगों से संपर्क बनाए रखें और नए लोगों से जुड़ते रहें। सही जानकारी और मजबूत नेटवर्क आपको नए और बेहतर अवसर दिला सकता है।

हमेशा तैयार रहें

नौकरी बदलने की संभावना को ध्यान में रखकर खुद को हर समय तैयार रखें। अपने फील्ड के नए ट्रेंड्स पर नजर रखें और स्किल्स को अपडेट करते रहें। वैकल्पिक करियर विकल्पों पर भी सोचें, ताकि किसी भी बदलाव के लिए आप मानसिक और पेशेवर रूप से तैयार रहें।

समय का करें सही उपयोग

समय सबसे कीमती पूंजी है। टालमटोल करने की आदत करियर को नुकसान पहुंचा सकती है। आज से ही छोटे लक्ष्य तय करें और उन्हें पूरा करने की कोशिश करें। सही समय पर उठाया गया कदम आपको सही मुकाम तक पहुंचा सकता है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,559.65	25,818.55
गिरावट	120.21	41.55
प्रतिशत में	0.14	0.16

सोना 1,36,500 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,05,800 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 18 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2445, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1875, उजाला 1910, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2155, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2330, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8000-8800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7400, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 7800, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9900, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4280, बहेड़ी 4220

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3200, मसूरी- 1200, बासमती- 5400, परमल- 1100

दाल दलहन : काला चना- 3200, साबुत चना दाल- 3000, मूंग साबुत- 4200, राजमा- 8000-12400, दाल उड़द- 6000, साबुत मसूर दाल- 4200, मसूर दाल- 3000, उड़द साबुत- 5200, काबुली चना- 9000, अरहर दाल- 10100, लोबिया/करमानी- 1900

हथियार की तरह वैश्विक व्यापार का हो रहा प्रयोग

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा- अर्थव्यवस्था की समग्र मजबूती देश को अतिरिक्त लाभ प्रदान करेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि शुल्क और अन्य उपायों के जरिये वैश्विक व्यापार का हथियार के तौर पर इस्तेमाल तेजी से बढ़ता जा रहा है और भारत को ऐसे में सावधानीपूर्वक आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था की समग्र मजबूती देश को अतिरिक्त लाभ प्रदान करेगी।

सीतारमण ने एक कार्यक्रम में कहा कि वैश्विक स्तर पर अब यह बिल्कुल स्पष्ट है कि व्यापार स्वतंत्र एवं निष्पक्ष नहीं है। वित्त मंत्री ने कहा कि शुल्क और अन्य कई उपायों के जरिये व्यापार को हथियार बनाया जा रहा है। भारत को इसलिए सावधानीपूर्वक बातचीत करनी होगी और केवल शुल्क से निपटना काफी नहीं होगा... बल्कि मुझे लगता है कि हमारी समग्र आर्थिक मजबूती ही हमें वह अतिरिक्त लाभ प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि भारत को यह कहकर उपदेश दिया जा सकता है कि आप (भारत) बहुत अंतर्मुखी हैं, आप शुल्क के बादशाह हैं इत्यादि। हालांकि शुल्क का दुरुपयोग हथियार के रूप में किया गया है।

मंत्री ने कहा कि भारत का इरादा कभी भी शुल्क का इस्तेमाल हथियार के रूप में करने का नहीं रहा। भारत ने केवल अपने घरेलू उद्योगों की रक्षा की है ताकि वे ऐसे हालात से बच सकें जहां कोई शिकारी (देश/कंपनी) अपने सस्ते या अत्यधिक सामान को बाजार में लाकर उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है।

मंत्री ने कहा कि आज व्यापार का हथियार के रूप में इस्तेमाल बिना किसी आलोचना के हो रहा है और कुछ देश कहते हैं कि शुल्क अच्छे नहीं हैं और किसी को भी यह कदम नहीं उठाना चाहिए लेकिन अचानक नए लोग सामने आकर कहते हैं कि हम शुल्क बाधाएं खड़ी करेंगे और इस पर कोई सवाल नहीं उठाया जाता। इसलिए ऐसा लगता है कि यही नया सामान्य चलन बन गया है। ये टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं क्योंकि अमेरिका द्वारा लगाए उच्च शुल्कों के कारण वैश्विक व्यापार बाधित हुआ है। मैक्सिको ने भी हाल ही में उन देशों पर उच्च शुल्क लगाने की घोषणा की है जिनके साथ उसके मुक्त व्यापार समझौते नहीं हैं।

वित्तीय प्रबंधन को लेकर केंद्र ने लक्ष्य स्पष्ट, राज्य करें अनुसरण

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्र ने राजकोषीय प्रबंधन में पारदर्शिता के लिए स्पष्ट लक्ष्य तय किए हैं और अपने ऋण स्तर को कम किया है। उन्होंने साथ ही राज्यों से भी इन्हें लागू करने का आह्वान किया है। सीतारमण ने कहा कि अगले वित्त वर्ष 2026-27 से राजकोषीय घाटे के साथ ऋण स्तर पर ध्यान दिया जाएगा। राज्यों को भी अपने ऋण स्तर को कम करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं ताकि देश 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को हासिल कर सके। केंद्र सरकार ने बजट तैयार करने में पारदर्शिता के लिए स्पष्ट लक्ष्य तय किए हैं जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि राजकोषीय प्रबंधन सभी के लिए पारदर्शी हो एवं जवाबदेही के उच्च मानकों को पूरा करे। परिणामस्वरूप, कोविड के बाद से हम ऋण-जीडीपी अनुपात को कम करने में सक्षम हुए हैं। उस समय यह 60% से अधिक हो गया था। अब यह घटता हुआ प्रतीत हो रहा है।

राजकोषीय प्रबंधन को प्राथमिकता दें राज्य सरकार

सीतारमण ने राज्यों से केंद्र की तरह राजकोषीय प्रबंधन में पारदर्शिता को प्राथमिकता देने का आह्वान किया] जिसने हर साल ऋण स्तर को कम किया है। वित्त मंत्री ने कहा कि जब तक ऋण-जीएसडीपी अनुपात को बेहतर ढंग से प्रबंधित नहीं किया जाता और इसे एफआरएमबी सीमाओं के भीतर नहीं रखा जाता और वर्षों से जमा हो रहे उच्च ब्याज दरों वाले ऋण को कम नहीं किया जाता (जिसे कई राज्य चुकाने में असमर्थ हैं).. तब तक आप ऋणों को चुकाने के लिए उधार लेते रहेंगे, विकासात्मक व्यय के लिए उधार नहीं ले पाएंगे। राजकोषीय परिदृश्य में यह एक गलत रणनीति है।

सेबी की बोर्ड बैठक में दी गई बड़े सुधारों को मंजूरी

मुंबई, एजेंसी

- बाजार नियामक ने म्यूचुअल फंड में पारदर्शिता बढ़ाने पर दिया जोर

बाजार नियामक सेबी के निदेशक मंडल की बुधवार को हुई बैठक में कई महत्वपूर्ण सुधारों को मंजूरी दी गई। इन सुधारों का मकसद कंपनियों और निवेशकों दोनों के लिए प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाना है। निदेशक मंडल ने कंपनियों के लिए कोष जुटाने के समय पेश किए जाने वाले निर्गम दस्तावेज को सरल बनाने का प्रस्ताव मंजूर किया।इससे निवेशकों को निवेश के फैसले लेने में आसानी होगी और वे कम समय में ही मुख्य बिंदुओं की जानकारी जुटा पाएंगे।

म्यूचुअल फंड में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए समग्र खर्च अनुपात (टीईआर) को अलग-अलग घटकों में तोड़ने की मंजूरी दी गई। इससे निवेशक यह समझ सकेंगे कि टीईआर में से कितनी राशि स्टांप शुल्क, प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे कानूनी मदों में जा रही है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बॉण्ड या ऋण निर्गम में भी विशेष श्रेणी के निवेशकों को प्रोत्साहन देने की अनुमति दी। निदेशक मंडल ने बड़ी कंपनियों पर अनुपालन का बोझ कम करने के लिए उच्च ऋण मूल्य वाली सूचीबद्ध इकाइयों (एचवीडीएलई) की पहचान के लिए ऋणसीमा को 1,000 करोड़ से बढ़ाकर 5,000 करोड़ करने का प्रस्ताव भी मंजूर किया। सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय की अध्यक्षता में हुई बैठक में उच्च-स्तरीय समिति की सिफारिशों की समीक्षा भी की गई।

दो दशकों में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता तय करेगी वृद्धि की रफ्तारः सीईए

नई दिल्ली, एजेंसी

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने बुधवार को कहा कि उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और प्रासंगिकता क्षमता अगले 20 वर्षों में भारत के जनसांख्या संबंधी लाभांश को वृद्धि का इंजन बनाने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। नागेश्वरन ने उद्योग मंडल सीआईआई की तरफ से उच्च शिक्षा पर सम्मेलन में कहा कि भारत में उच्च शिक्षा सुधार के अगले चरण की कुंजी राज्यों के पास है। उन्होंने शिक्षकों की कमी को तत्काल दूर करने की जरूरत पर जोर देते हुए उद्योग एवं व्यावहारिक अनुभव रखने वाले विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति जैसे विकल्पों को अपनाने का सुझाव भी दिया।

- उद्योग एवं व्यावहारिक अनुभव वाले शिक्षकों की नियुक्ति को अपनाने का दिया सुझाव

नागेश्वरन ने कहा कि राज्यों के लिए अन्य प्रमुख प्राथमिकताओं में प्रशासनिक नियंत्रण से आगे बढ़कर संरक्षण एवं मार्गदर्शन की भूमिका निभाना, इनपुट आधारित नियमन से हटकर परिणाम एवं गुणवत्ता पर आधारित नियमन, सार्वजनिक प्रशासन में उद्यमशील दृष्टिकोण अपनाना और संस्थानों को उनकी भूमिका एवं प्रदर्शन के आधार पर वित्तपोषण शामिल है। सीईए ने कहा कि भारत इस समय जनसांख्यिकीय और आर्थिक मुहाने पर खड़ा है। दो दशकों में लाखों युवा कामकाजी उम्र में प्रवेश करेंगे। जनसंख्या का यह लाभांश आर्थिक वृद्धि को रफ्तार देगा या सामाजिक दबाव का कारण बनेगा, यह काफी हद तक हमारी उच्च शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता और प्रासंगिकता पर निर्भर करेगा। नागेश्वरन ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) ने सुधारों के लिए रास्ता खोला है और नियामकीय सोच में बदलाव आ रहा है, लेकिन अब जरूरत प्रभावी क्रियान्वयन, संस्थागत साहस और सहकारी संघवाद की है।

भारत-ओमान आज करेंगे मुक्त व्यापार समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी

- वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री गोयल हस्ताक्षर के लिए मस्कट पहुंचे

भारत और ओमान आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से मस्कट में मुक्त व्यापार समझौते पर गुरुवार को हस्ताक्षर करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी उपस्थिति रहेंगे, जो तीन देशों की चार दिवसीय यात्रा पर हैं। मोदी मंगलवार को जॉर्डन से इथियोपिया पहुंचे और अदीस अबाबा से ओमान के लिए रवाना होंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए मस्कट पहुंच चुके हैं।

मुक्त व्यापार समझौते को आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) कहा जाता है। इस पर बातचीत औपचारिक रूप से नवंबर 2023 में शुरू हुई जो इस वर्ष संपन्न हो गई। इस प्रकार के समझौते में दो व्यापारिक साझेदार अपने बीच व्यापार की जाने वाली वस्तुओं की अधिकतम संख्या पर सीमा शुल्क को काफी हद तक कम कर देते हैं या समाप्त कर देते हैं। वे सेवाओं में व्यापार को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए नियमों में ढील भी देते हैं। खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों में ओमान भारत के लिए तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। इस बीच, मस्कट में ओमान-भारत व्यापार मंच को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि दोनों देशों के दलों ने समझौते को अंतिम रूप देने के लिए काफी प्रयास किए हैं।

ओमान मध्य एशिया के लिए प्रवेश द्वार

मंत्री ने कहा कि ओमान अन्य जीसीसी देशों अफ्रीका एवं मध्य एशिया के लिए प्रवेश द्वार है। हम चार्टर्ड अकाउंटेंट, अनुसंधान एवं विकास, पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसे सेवा क्षेत्रों में सहयोग पर विचार कर सकते हैं। सहयोग के चार प्रमुख क्षेत्र ऊर्जा बदलाव, अवसंरचना विकास, खाद्य सुरक्षा और स्टार्टअप हैं। भारत का पहले से ही जीसीसी के अन्य सदस्य देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ समझौता है जो मई 2022 में लागू हुआ था। जीसीसी के सदस्य बहरीन, कुवैत, सऊदी अरब और कतर हैं। भारत और कतर भी जल्द ही व्यापार समझौते के लिए बातचीत शुरू करेंगे।

2024-25 में हुआ था 10.5 अरब डॉलर का व्यापार

2024-25 में भारत-ओमान का द्विपक्षीय व्यापार 10.5 अरब डॉलर (निर्यात 4 अरब डॉलर और आयात 6.54 अरब डॉलर) था। भारत के प्रमुख आयात पेट्रोलियम उत्पाद और यूरिया हैं, जिनकी कुल आयात में हिस्सेदारी 70% से अधिक है। अन्य प्रमुख उत्पादों में प्रोपलीन और एथिलीन पॉलिमर, पेट कोक, जिप्सम, रसायन, लोहा और इस्पात तथा अपरिष्कृत एल्युमीनियम शामिल हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि ओमान 20 वर्ष के बाद मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कर रहा है। देश ने आखिरी बार जनवरी 2006 में अमेरिका के साथ इसी तरह का समझौता किया था। गोयल ने उद्योगपतियों से कहा कि मुक्त व्यापार समझौता आप सभी के लिए अपार अवसर लाता है। वस्त्र, जूते, मोटर वाहन व उसके कलपुर्जे, रत्न एवं आभूषण, कृषि रसायन तथा नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं।

राष्ट्रीय

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी वाला विधेयक पारित

सरकार ने देश के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन विधेयक को बताया ऐतिहासिक

- विपक्ष ने कहा- विधेयक में आपूर्तिकर्ता के उत्तरदायित्व का प्रावधान नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा ने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति देने के प्रावधान वाले विधेयक को विपक्ष के विरोध के बीच बुधवार को मंजूरी प्रदान की। सरकार ने 'भारत के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक, 2025' को ऐतिहासिक करार दिया है तो विपक्ष ने आरोप लगाया कि इसमें आपूर्तिकर्ता के उत्तरदायित्व का प्रावधान नहीं है तथा यह संवेदनशील क्षेत्र में निजी कॉरपोरेट समूहों के लिए रास्ता खोलने वाला है।

परमाणु ऊर्जा राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह के विधेयक पर चर्चा का जवाब देने के बाद सदन ने विपक्ष के संशोधनों को खारिज करते हुए इसे ध्वनिमत से स्वीकृति दे दी। जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस विधेयक में कुछ ऐसे प्रावधान हैं, जो पहले भी थे, लेकिन विरोध के चक्कर में विपक्ष अपने

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में भाषण देते राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह।

समय के प्रावधानों का विरोध कर देते हैं। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र के लिए 37 हजार करोड़ से अधिक का बजट है। यदि हमने 2047 तक 100 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा का लक्ष्य रखा है तो पूरा करने में परमाणु क्षेत्र महत्वपूर्ण है। सिंह ने कहा कि आज की दुनिया में अलग-थलग रहने का दौर खत्म हो चुका है।

उन्होंने कहा कि उन्हीं सुरक्षा उपायों को जारी रखा गया है जो प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के समय अमल में आए थे। सिंह ने यह भी कहा कि निजी क्षेत्र की भागीदारी होगी, लेकिन सुरक्षा का पूरा प्रबंध किया गया है। कुछ सदस्यों द्वारा 15 साल पहले भाजपा की ओर से अरुण जेटली द्वारा परमाणु ऊर्जा विधेयक के कुछ प्रावधानों का संसद में विरोध किए जाने का उल्लेख करने पर मंत्री ने कहा कि अब समय बदल गया है। मंत्री ने कहा कि नुकसान की स्थिति में संचालक को भरपाई करनी होगी तथा परमाणु उत्तरदायित्व कोष होगा। अब भारत अनुसरण नहीं करता है, बल्कि लोग भारत का अनुसरण करते हैं। सिंह ने कहा कि वह परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में नेहरू जी के योगदान को स्वीकार करते हैं।

2008 में भाजपा ने अविश्वास प्रस्ताव लाकर परमाणु कार्यक्रम को पटरी से उतारने का किया था प्रयास : कांग्रेस

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि इसे विस्तृत विचार-विमर्श के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि 2008 में जब परमाणु रंगभेद की नीति को खत्म करने का प्रयास हो रहा था तो भाजपा ने मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाकर भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को पटरी से उतारने का प्रयास किया था। तिवारी ने दावा किया कि भारत के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक में आपूर्तिकर्ता के उत्तरदायित्व का कोई प्रावधान नहीं है।

देश को नई दिशा देगा और विकसित भारत के रथ को आगे बढ़ाएगा

भाजपा के सांसद शशांक मणि ने कहा कि परमाणु ऊर्जा संबंधी विधेयक देश को नई दिशा देगा और 'विकसित भारत' के रथ को आगे बढ़ाएगा जिसका फायदा देश के हर नागरिक को होगा। उन्होंने कहा कि देश को विकसित बनाने के लिए 100 गीगावाट ऊर्जा की जरूरत होगी और इस लक्ष्य को परमाणु ऊर्जा के माध्यम से हासिल किया जा सकता है।

परमाणु अपशिष्ट से उत्पन्न जोखिम को किया गया नजरअंदाज

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने विधेयक में विभिन्न खामियों का उल्लेख करते हुए दावा किया कि इसमें रेडियोधर्मी पदार्थों के विकिरण और परमाणु अपशिष्ट से उत्पन्न होने वाले 'जोखिम को पूरी तरह से नजरअंदाज किया गया है। टीएमसी, द्रमुक और कई विपक्षी सदस्यों ने विधेयक का विरोध करते हुए इसे संसदीय समिति के पास भेजने की मांग उठाई। सिंह ने 15 दिसंबर को यह विधेयक लोकसभा में पेश किया था। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 11 दिसंबर को इसको मंजूरी दी थी। विधेयक के उद्देश्यों और कारण के अनुसार, इसका मकसद परमाणु ऊर्जा के संवर्धन एवं विकास का प्रावधान करना, परमाणु ऊर्जा उत्पादन तथा स्वास्थ्य देखभाल, खाद्य, जल, कृषि, उद्योग, अनुसंधान, पर्यावरण, परमाणु विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार के लिए इसका अनुप्रयोग सुनिश्चित करना है। इसका उद्देश्य देश के लोगों के कल्याण के लिए, और इसके सुरक्षित उपयोग के लिए एक मजबूत नियामक ढांचा और इससे संबंधित मामलों के लिए प्रावधान करना भी है।

अप्रचलित और पुराने कानूनों को निरस्त करने वाला विधेयक मंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल

- राज्यसभा में कानून मंत्री मेघवाल के जवाब के बाद ध्वनिमत से किया पारित
- विधेयक के माध्यम से छह अधिनियमों को निरस्त और 65 में संशोधन किया जाएगा

संसद ने बुधवार को अप्रचलित और पुराने हो चुके 71 कानूनों को समाप्त करने या संशोधित करने के प्रावधान वाले 'निरसन और संशोधन विधेयक, 2025' को मंजूरी दे दी। राज्यसभा ने इस विधेयक पर संक्षिप्त चर्चा और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के जवाब के बाद इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इस विधेयक को कल ही पारित कर चुकी है।

उच्च सदन में विधेयक पर मेघवाल ने कहा कि 2014 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद लगातार कानून बनाए जा रहे हैं, अनावश्यक कानूनों को निरस्त तथा कुछ में आवश्यकतानुसार संशोधन किया जा रहा है। उक्त विधेयक गुलामी के अंशों से मुक्ति पाने, विकसित भारत, विरासत पर गर्व करने, एकजुट रहने और कर्तव्य भाव को बढ़ाने के प्रधानमंत्री मोदी के 'पंच प्रण' के तहत लाया गया है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के माध्यम से छह अधिनियमों को निरस्त किया जाएगा और 65 में संशोधन किया जाएगा। विधेयक पर चर्चा में भाग लेते समय कांग्रेस के विवेक तन्खा द्वारा इसमें 'औपनिवेशिक' शब्द पर आपत्ति जताये जाने का जिक्र करते हुए मेघवाल ने कहा कि 1925 का भारतीय उत्तराधिकार कानून है, वह भारत की संसद में पारित नहीं है तो उसे औपनिवेशिक नहीं तो और क्या कहा जाए? उन्होंने इस कानून के एक प्रावधान को भेदभावपूर्ण बताया। मेघवाल ने कहा कि इस कानून में प्रावधान है कि कलकत्ता, मद्रास और बंबई प्रेसिडेंसी के न्याय क्षेत्राधिकार की कोई वसीयत होगी तो उसमें हिंदू, सिख, जैन, बौध और पारसी समुदाय के लोगों को प्रशासन पत्र (प्रोबेट) लेना होगा, और यह काम मुस्लिम करेगा तो उसे प्रशासन पत्र नहीं लेना होगा।

कानून मंत्री ने कहा कि यह भेदभावपूर्ण प्रावधान था जिसे हम हटा रहे हैं। संविधान कहता है कि जाति, धर्म के आधार पर भेद नहीं होगा। कोई भेदभावपूर्ण प्रावधान है तो नरेन्द्र मोदी जी के शासन में किताबों (कानून की) में नहीं रह सकता। उन्होंने कहा कि कुछ कानूनों में रजिस्टर्ड पोस्ट का उल्लेख है किंतु अब रजिस्टर्ड पोस्ट सेवा बंद हो चुकी है। मेघवाल ने कहा कि सरकार ने सुधारों की प्रक्रिया में मई 2014 से अब तक 1,577 अप्रचलित कानूनों को निरस्त किया है, जिनमें 1,562 समाप्त किये जा चुके हैं और 15 को संशोधित करके लागू किया।

पाठ्यक्रम में सुपाठ्य पर्चे लिखने का महत्व करें शामिल मेडिकल कॉलेज : एनएमसी

नई दिल्ली, एजेंसी

- स्वास्थ्य विभाग के सचिवों, प्रधान सचिवों, चिकित्सा संस्थानों के निदेशकों और डीन को भेजा था पत्र
- पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के 27 अगस्त को जारी किए आदेशों पर आयोग ने जारी किया निर्देश

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) ने सभी मेडिकल कॉलेजों को चिकित्सकों द्वारा पर्चे पर दवाओं के नाम समेत अन्य बातें लिखने के तौर-तरीकों की निगरानी के लिए उप-समितियां गठित करने और पाठ्यक्रम में सुपाठ्य तथा स्पष्ट पर्चे लिखने के महत्व को भी शामिल करने का निर्देश दिया है। एनएमसी ने 15 दिसंबर को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य विभाग के सचिवों और प्रधान सचिवों तथा इसके अधीन सभी चिकित्सा संस्थानों के निदेशकों और डीन को इस संबंध में एक पत्र भेजा था।

आयोग ने सूचित किया कि यह निर्देश पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा 27 अगस्त को जारी किए आदेशों पर आधारित हैं। न्यायालय के आदेशानुसार, एनएमसी को देश के सभी मेडिकल कॉलेजों और संस्थानों के पाठ्यक्रम के तहत दवा के पर्चों में स्पष्ट लिखावट के महत्व को अनिवार्य रूप से शामिल कर इसे सुदृढ़ करना होगा। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि चिकित्सा संबंधी सुपाठ्य पर्चा या दस्तावेज, संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत ''स्वास्थ्य के अधिकार'' का एक अभिन्न हिस्सा है। इसमें कहा गया कि प्रत्येक मेडिकल कॉलेज को औषधि एवं चिकित्सा समिति (डीटीसी) के अंतर्गत समर्पित उप-समिति बनानी होगी। यह समिति चिकित्सकों के पर्चों की निगरानी करेगी और वैधानिक, नियामक तथा नैतिक मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करेगी आयोग ने वर्तमान विनियमों का हवाला देते हुए मेडिकल कॉलेजों को सूचित किया है कि प्रत्येक चिकित्सक को दवाओं के जेनेरिक नाम स्पष्ट रूप से और अधिमानतः बड़े अक्षरों में लिखकर देने चाहिए। साथ ही उन्हें पर्चे पर दवाओं के बारे में तर्कसंगत परामर्श और उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए।

आरजी कर दुष्कर्म-हत्या का मामला कलकत्ता हाईकोर्ट स्थानांतरित

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षु चिकित्सक के दुष्कर्म-हत्या के मामले में अपने आदेशों के कार्यान्वयन की निगरानी को बुधवार को कलकत्ता हाईकोर्ट स्थानांतरित कर दिया। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कागजात उच्च न्यायालय को भेजने का निर्देश दिया।

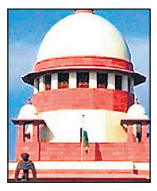

शीर्ष अदालत ने कहा कि स्थिति रिपोर्ट की एक प्रति मृतका के माता-पिता को दी जानी चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने 2024 में इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया था। जूनियर और सीनियर चिकित्सकों के संघ का प्रतिनिधित्व कर रही वरिष्ठ अधिवक्ता करुणा नंदी ने कहा कि शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय सहमति बनाने की आवश्यकता को पहचानते हुए एक राष्ट्रीय कार्य बल (एनटीएफ) का गठन किया था।

जूता फेंकने जैसी घटनाओं को रोकने के उपाय सुझाए

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार और 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन' (एससीबीए) से पूर्व प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता फेंकने के प्रयास जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने को उपाय सुझाने को कहा। साथ ही इसमें मीडिया को लेकर मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के सुझाव भी मांगे। प्रधान न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और एससीबीए अध्यक्ष विकास सिंह से सुझाव देने को कहा।

राष्ट्रीय राजमार्ग की 574 परियोजनाएं समय से पीछे : गडकरी

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को संसद में बताया कि 3.60 लाख करोड़ की निर्माणाधीन 574 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के कार्यान्वयन में देरी हुई है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पांच वर्ष में आवंटित इन 574 विलंबित परियोजनाओं में से 300 में एक साल से कम की देरी हुई है। उन्होंने बताया कि 253 परियोजनाओं में एक से तीन साल तथा 21 परियोजनाओं में तीन साल से अधिक की देरी हुई है। एक लाख करोड़ की लागत वाली 133 परियोजनाओं को आवंटित तो कर दिया गया है, लेकिन भूमि अधिग्रहण और वन एवं वन्यजीव विभाग से मंजूरी जैसे पूर्व-आवश्यक शर्तों के पूरा नहीं होने से काम शुरू होने की तारीख की घोषणा नहीं की जा सकी है। मंत्रालय ने राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर बाधाओं को दूर करने के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को सरल बनाने की खातिर कदम उठाए हैं।

ओमान पहुंचे मोदी, गर्मजोशी से स्वागत

● उपप्रधानमंत्री सैयद शिहाब से मोदी ने साझा किए विचार

मस्कट, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को ओमान के रक्षा मामलों के उप प्रधानमंत्री सैयद शिहाब बिन तारिक अल सईद से बातचीत की और दोनों देशों के बीच मित्रता पर अपने विचार साझा किए। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को दो दिवसीय यात्रा पर ओमान पहुंचे जहां वह खाड़ी देश के शीर्ष नेतृत्व से बातचीत करेंगे।

इस दौरान दोनों देशों के बीच एक महत्वाकांक्षी व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा कि मैं मस्कट, ओमान पहुंचा हूं। यह भारत के साथ अटूट मित्रता और गहरे ऐतिहासिक संबंधों की भूमि है। यह यात्रा सहयोग के नए रास्ते तलाशने और हमारी साझेदारी को नई गति प्रदान करने का अवसर है। हवाई अड्डे पर ओमान के उप प्रधानमंत्री सैयद शिहाब बिन तारिक अल सईद ने प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री सुल्तान हसीम बिन तारिक के निमंत्रण पर ओमान की यात्रा पर हैं। मोदी की इस खाड़ी देश की यह दूसरी यात्रा है और दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है।

ओमान के मस्कट पहुंचने पर एक होटल में भारतीय और स्थानीय कलाकारों ने नृत्य प्रस्तुतियों से प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया।

हर साल जा रही हजारों की जान

पिछले कुछ दिनों से दिल्ली-एनसीआर का कोहरा और प्रदुषण सुर्खियों में है। एक ओर एटर क्वालिटी इंडेक्स का स्तर बढ़ता जा रहा है तो दूसरी ओर धुंध और कोहरे की वजह से लोगों की जान पर आफत बन आई है। मथुरा, नूंह, मेरठ और एनसीआर के कई इलाकों से सड़क हादसे सामने आए हैं। इसमें कई लोगों ने जान गंवाई है। ऐसा पहली बार नहीं है कि कोहरे के कारण हुए सड़क हादसों में लोगों की जान गई हो। सड़क एवं परिवहन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 2015 से 2021 तक हर साल करीब 1150 एक्सीडेंट हुए जिनमें करीब 800 लोगों की मौत हुई। रिपोर्ट के अनुसार होने वाले कुल सड़क हादसों में करीब 9 फीसदी धुंध की वजह से होते हैं। धुंध की वजह से होने वाले सड़क हादसों में मौतों से दोगुनी संख्या घायलों की होती है। कई हजार से ज्यादा लोग घायल हो जाते हैं।

सड़क पर कोहरा बना काल

अच्छी सड़कें पर ओवरस्पीड से हादसे

● भारत में एक्सप्रेस-वे और हाईवे के जाल ने सफर की दूरी तो कम कर दी है, लेकिन कोहरा और स्मॉग इन सड़कों को डेथ ट्रैप में बदल देते हैं। अच्छी सड़कें हमारी सुविधा के लिए हैं, लेकिन वे सुरक्षा की गारंटी नहीं हैं। एक्सप्रेस वे और हाईवे पर वाहन 100-120 किमी/घंटा की रफ्तार से चलते हैं। कोहरे में जब दृश्यता शून्य के करीब होती है, तो इतनी तेज गति पर ब्रेक मारना असंभव हो जाता है, जिससे अक्सर चेन रिएक्शन होता है। घने कोहरे के बावजूद कई वाहन चालक हजार्ड लाइट्स का गलत उपयोग करते हैं या बिना फॉग लाइट्स के तेज गति से चलते हैं। एक्सप्रेस-वे पर सड़क किनारे अवैध रूप से वाहन खड़े करना कोहरे में घातक सिद्ध होता है।

7 साल में पौने दो लाख हादसे

● सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2019 में 33,602 हादसे हुए जबकि 2020 में 26,541, वर्ष 2021 में 28,934 और वर्ष 2022 में 34,262 दुर्घटनाएं हुईं। 2019-2025 तक अनुमानित दुर्घटनाएं 1 लाख 75 हजार से अधिक हैं। इन सालों में मौतों की अनुमानित संख्या 85 हजार से 1 लाख 05 हजार से अधिक है। इस तरह अनुमानत : 10 से 15 हजार मौतें हर साल होती हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की 2021 की एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले सात वर्षों में कोहरे के कारण 7,994 दुर्घटनाएं हुईं। इन हादसों में 5,740 लोगों की मौत हुई, जबकि 4,322 घायल हुए।

प्रतिवर्ष 1.8 लाख मौतें

● भारत में हर साल सड़क हादसों में 1.7 लाख से 1.8 लाख लोग मारे जाते हैं। वर्ष 2023 में यह आंकड़ा लगभग 1.72 लाख था और 2024 के शुरुआती महीनों के आंकड़ों के अनुसार यह 1.77 लाख तक पहुंच गया, औसतन हर दिन 485 लोगों की मौत होती है। यह संख्या दुनिया में सबसे ज्यादा है और इसमें लगातार वृद्धि हो रही है, जिसमें युवा और व्यस्क सबसे अधिक जोखिम की स्थिति में होते हैं।

विकसित देशों में कोहरे में हादसों की स्थिति

● विकसित देशों में कोहरे के कारण सड़क हादसों की स्थिति भारत की तरह बेहद गंभीर और उतनी व्यापक नहीं है, लेकिन कोहरे से जुड़ी दुर्घटनाएं वहां भी होती हैं। ब्रिटेन में घना कोहरा साल में लगभग 10 दिनों के लिए होता है। एक पुराने सड़क सुरक्षा अध्ययन के अनुसार वहां लगभग 2 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएं कोहरे में होती हैं। एम4 मोटरवे पर 13 मार्च 1991 को कोहरे के कारण 51 वाहनों की टक्कर में लगभग 10 लोगों की मौत हो गई थी। कनाडा के ऑन्टेरियो में 3 सितंबर 1999 को 87 वाहनों की भिड़ंत में 8 लोगों की मौत हुई थी।

वर्ल्ड ब्रीफ

ग्लोबल साउथ के लिए मौका है एआई समिट

संयुक्त राष्ट्र। इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने यहां कहा कि अगले साल की शुरुआत में भारत में होने वाले एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन में ग्लोबल साउथ के देशों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एजेंडे को सक्रियता से आकार देने का अवसर मिलेगा। ग्लोबल साउथ से तात्पर्य उन देशों से है, जो प्रौद्योगिकी और सामाजिक विकास के मामले में कम विकसित माने जाते हैं। ये देश मुख्यत: दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस 19-20 फरवरी को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट में भाग लेंगे।

पाकिस्तान ने हवाई रोक एक माह बढ़ाया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए हवाई क्षेत्र पर लगाए गए प्रतिबंध को एक और माह के लिए बढ़ाते हुए 23 जनवरी तक लागू कर दिया है। पहलगाम हमले के बाद अप्रैल में पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। भारत ने भी पाकिस्तान पर इसी तरह का प्रतिबंध लगाया है। पिछला विस्तारित प्रतिबंध 24 दिसंबर को समाप्त होने वाला था, लेकिन पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण ने बुधवार को इसे 23 जनवरी तक बढ़ा दिया। प्राधिकरण ने कहा कि पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र भारतीय पंजीकृत विमानों के लिए बंद रहेगा।

सीमा पार से पुंछ में घुसी पाकिस्तानी

जम्मू। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में अपने पिता से हुए विवाद के बाद नियंत्रण रेखा पार कर जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले घुसने वाली एक पाकिस्तानी महिला को सेना के जवानों ने हिरासत में ले लिया है। अधिकारियों ने बताया, "मंगलवार को सेना के जवानों ने पीओके के कोटली जिले के गिम्मा इलाके की रहने वाली 35 वर्षीय शहनाज अख्तर को बालाकोट सेक्टर के अग्रिम क्षेत्र डब्बी से गिरफ्तार किया है।

आईएसआईएस के आठ आतंकी गिरफ्तार

इदलिब। सीरियाई सुरक्षा बलों ने इदलिब और सीरिया में आतंकवादी हमले के आरोप में आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। जो आतंकवादी इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक-सीरिया (आईएसआईएस) से उस सेल से जुड़े हैं जो उत्तरी सीरिया में सुरक्षा और सैन्य कर्मियों पर कई हमले करने के लिए जिम्मेदार है।

द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगे इजराइल-भारत

विदेश मंत्री जयशंकर की इजराइली पीएम नेतन्याहू से मुलाकात में कई मुद्दों पर चर्चा

● प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा क्षेत्र में बढ़ाएंगे सहयोग

यरुशलम, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात कर प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था, संपर्क और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने विश्वास जताया कि भारत-इजराइल की द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी। जयशंकर मंगलवार को दो दिवसीय यात्रा पर इजराइल पहुंचे। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग से भी मुलाकात की और अपने इजराइली समकक्ष गिदोन सार तथा अर्थव्यवस्था एवं उद्योग मंत्री नीर बरकत के साथ वार्ता की। बाद में दिन में उन्होंने प्रधानमंत्री नेतन्याहू से मुलाकात की।

जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि आज शाम यरुशलम में इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू से मुलाकात कर अत्यंत प्रसन्नता हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं। प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था, कौशल एवं प्रतिभा, संपर्क और सुरक्षा में सहयोग को और गहरा करने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय एवं वैश्विक घटनाक्रम पर उनके विचारों को महत्व देते हैं। विश्वास है कि हमारी रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। जयशंकर की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब नेतन्याहू की भारत यात्रा की तैयारियां जारी हैं।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से हाथ मिलाते विदेश मंत्री जयशंकर।

नेतन्याहू और मोदी में जल्द होगी मुलाकात

नेतन्याहू और प्रधानमंत्री मोदी के बीच हाल में फोन पर बातचीत हुई थी, जिसके बाद इजराइली नेता ने कहा था कि दोनों बहुत जल्द मुलाकात करेंगे। जयशंकर अबू धाबी से तेल अवीव पहुंचे, जहां उन्होंने प्रतिष्ठित सर बानी यस फोरम में हिस्सा लिया था। अबू धाबी में वह 15 दिसंबर को आयोजित भारत-यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) आयोग की 16वीं बैठक और भारत-यूएई रणनीतिक संवाद के पांचवें दौर में भी शामिल हुए थे।

इजराइल ने कनाडाई प्रतिनिधिमंडल को वेस्ट बैंक में प्रवेश से रोका

ओटावा। इजराइल ने मंगलवार को कनाडा के एक निजी प्रतिनिधिमंडल को वेस्ट बैंक में प्रवेश करने से रोक दिया, जिसमें संसद के छह सदस्य भी शामिल थे। कनाडा स्थित इजराइली दूतावास ने कहा कि इस समूह को इसलिए प्रवेश नहीं दिया गया क्योंकि इसके संबंध गैर-सरकारी संगठन 'इस्लामिक रिलीफ वर्ल्डवाइड' से हैं, जिसे इजराइल एक आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध करता है। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि कनाडा ने अपने इन नागरिकों के साथ किए गए दुर्व्यवहार को लेकर आपत्तियां दर्ज कराई हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी से ओंटारियो की सांसद इकरा खालिद ने कहा कि वह इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थीं और इजराइली सीमा पर अधिकारियों ने उन्हें कई बार धक्का दिया। उन्होंने बताया कि जब समूह जॉर्डन और इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक के बीच एलेनबी सीमा चौकी पर था, तब प्रतिनिधिमंडल के लगभग 30 सदस्यों में से एक को पूछताछ के लिए अलग ले जाया गया। उसी सदस्य की स्थिति जानने की कोशिश पर उन्हें धक्का दिया गया। खालिद ने कहा कि सीमा अधिकारियों को पता था कि वह सांसद हैं, क्योंकि उन्होंने उनका विशेष पासपोर्ट जब्त कर लिया था, जो सामान्य कनाडाई पासपोर्ट से अलग होता है। वहीं, इजराइली दूतावास ने कहा कि इजराइल नामित आतंकवादी संगठनों से जुड़े संगठनों और व्यक्तियों को प्रवेश की अनुमति नहीं देगा। द कैनेडियन-मुस्लिम वोट नामक समूह द्वारा प्रायोजित इस प्रतिनिधिमंडल की योजना वेस्ट बैंक में विस्थापित फलस्तीनियों से मिलने की थी। हाल में इजराइली सरकार ने वहां यहूदी बस्तियों में 764 नए घरों के निर्माण को मंजूरी दी है। इजराइली बयान में कहा गया कि द कैनेडियन-मुस्लिम वोट को अधिकांश वित्त इस्लामिक रिलीफ कनाडा से मिलता है।

वेनेजुएला के तेल टैंकरों पर अब होगी अमेरिकी नाकेबंदी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने वेनेजुएला में आने-जाने वाले सभी प्रतिबंधित तेल टैंकरों की नाकेबंदी का आदेश दिया है। इस कदम से दक्षिण अमेरिकी देश के नेता निकोलस मादुरो पर दबाव और बढ़ गया है तथा इसका उद्देश्य वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को और कमजोर करना प्रतीत होता है। यह घोषणा उस घटना के एक सप्ताह बाद आई है, जब अमेरिकी बलों ने वेनेजुएला के तट के पास एक तेल टैंकर जब्त किया था। यह असामान्य कार्रवाई क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य जमावड़े के बाद की गई थी। मंगलवार रात को सोशल मीडिया पर नाकेबंदी की घोषणा करते हुए ट्रंप ने आरोप लगाया कि वेनेजुएला तेल का इस्तेमाल मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य अपराधों के वित्तपोषण के लिए कर रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका सैन्य दबाव तब तक बढ़ाता रहेगा, जब तक वेनेजुएला अमेरिका को उसका तेल, ज़मीन और संपत्तियां लौटा नहीं देता। ट्रंप ने कहा दक्षिण अमेरिका के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी नौसेना द्वारा वेनेजुएला को पूरी तरह घेर लिया गया है। वहीं, वेनेजुएला सरकार ने आरोप लगाया कि ट्रंप अंतर्राष्ट्रीय कानून, मुक्त व्यापार और नौवहन की स्वतंत्रता का उल्लंघन कर रहे हैं। उसने कहा कि अमेरिका इस कथित नौसैनिक नाकेबंदी के जरिए देश की संपदा लूटना चाहता है।

अमेरिका ने 20 और देशों पर लगाए यात्रा प्रतिबंध

वाशिंगटन, एजेंसी

● राष्ट्रपति ट्रंप के प्रशासन ने की घोषणा, दायरे में अब 40 देश

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने मंगलवार को घोषणा की कि उसने 20 और देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगाए हैं जिसमें फलस्तीनी प्राधिकरण भी शामिल है। अमेरिका की यात्रा करने और वहां प्रवास करने को लेकर इस साल पहले घोषित व्यापक प्रतिबंधों से प्रभावित देशों की संख्या ट्रंप प्रशासन की इस घोषणा के बाद दोगुनी हो जाएगी।

ट्रंप प्रशासन ने उन देशों की सूची में पांच अन्य देशों को शामिल किया है जो यात्रा संबंधी पूर्ण प्रतिबंध झेल रहे हैं। इसके अलावा, फलस्तीनी प्राधिकरण द्वारा जारी दस्तावेजों पर यात्रा करने वाले लोगों को भी इस पूर्ण प्रतिबंध के दायरे में लाया गया है, जबकि 15 अन्य देशों पर नयी पाबंदियां लगाई गई हैं। यह कदम यात्रा और आव्रजन के लिए अमेरिका में प्रवेश के मानकों को और सख्त करने के प्रशासन के जारी प्रयासों का हिस्सा है। आलोचकों का कहना है कि इससे कई देशों के लोगों की यात्रा पर अनुचित रूप से रोक लग रही है। जिन लोगों के पास पहले से वीजा है, जो अमेरिका के वैध स्थायी निवासी हैं, जो राजनयिकों या खिलाड़ियों जैसी कुछ विशेष वीजा श्रेणियां के तहत अमेरिका आते हैं या जिनका अमेरिका में प्रवेश देश के हित में माना जाता है, उन्हें इन

प्रतिबंधों से छूट दी गई है। घोषणा में कहा गया है कि ये बदलाव एक जनवरी से प्रभावी होंगे।

जून में ट्रंप ने घोषणा की थी कि 12 देशों के नागरिकों को अमेरिका आने से पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाएगा, जबकि सात अन्य देशों के नागरिकों पर यात्रा संबंधी पाबंदियां लगाई जाएंगी। उस समय प्रतिबंध की सूची में अफगानिस्तान, म्यांमा, चाड, कांगो गणराज्य, इक्वेटोरियल गिनी, इरिट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन शामिल थे, जबकि बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला से आने वाले आगंतुकों पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए थे। ट्रंप प्रशासन ने मंगलवार घोषणा की कि अमेरिका में प्रवेश पर प्रतिबंध झेल रहे देशों की सूची का विस्तार करते हुए इसमें बुर्किना फासो, माली, नाइजर, दक्षिण सूडान और सीरिया को भी शामिल किया जा रहा है।

नवलखा को दिल्ली भेजने की अदालत ने दी अनुमति

मुंबई, एजेंसी

● एल्गार परिषद मामले में आरोपी हैं गौतम नवलखा

बंबई उच्च न्यायालय ने एल्गार परिषद-माओवादी संबंध मामले में आरोपी मानवाधिकार कार्यकर्ता गौतम नवलखा को बुधवार को दिल्ली स्थित उनके घर में स्थानांतरित करने की अनुमति दे दी लेकिन साथ ही कहा कि उन्हें जरूरत पड़ने पर सुनवाई के लिए यहां विशेष एनआईए अदालत के समक्ष पेश होना होगा।

न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायामूर्ति श्याम चंदक की पीठ ने कहा कि नवलखा को अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए प्रत्येक शनिवार को दिल्ली के स्थानीय थाने में हाजिरी लगानी पड़ेगी। साथ ही उन्हें अपना पासपोर्ट जमा कराना पड़ेगा और वह विशेष अदालत की अनुमति के बिना दिल्ली छोड़कर नहीं जा सकते। कोर्ट ने कहा कि आवेदक आरोप तय किए जाने के समय विशेष अदालत के समक्ष तब उपस्थित होगा और बुलाए जाने पर तब तक रहेगा जब तक कि अदालत द्वारा उसे छूट नहीं दी जाती।

यूक्रेन का ईयू में आने का विरोध नहीं करेगा नीदरलैंड

एम्स्टर्डम। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री डिक शूफ़ ने कहा है कि वह यूक्रेन के यूरोपीय संघ (ईयू) में शामिल होने को नहीं रोकेंगे। शूफ़ ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की के साथ बैठक के बाद मंगलवार को कहा कि डच लोग यूरोपीय संघ में यूक्रेन की पूर्ण सदस्यता का पूरी तरह समर्थन करते हैं। दूसरे देश परिषद में इस प्रक्रिया को रोकते हैं, लेकिन नीदरलैंड की तरफ से कोई राजनीतिक रुकावट नहीं होगी। जून 2022 में मोल्दोवा के साथ-साथ यूक्रेन को भी ईयू उम्मीदवार का दर्जा दिया गया था।

भारत ने बांग्लादेश के उच्चायुक्त को किया तलब

● ढाका में अपने मिशन की सुरक्षा पर चिंता जताई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने बुधवार को बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्लाह को तलब किया और कुछ चरमपंथी तत्वों द्वारा ढाका स्थित भारतीय मिशन के आसपास सुरक्षा संकट पैदा करने की साजिश के ऐलान को लेकर अपनी कड़ी चिंता जताई।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में यह भी कहा कि बांग्लादेश में हाल की कुछ घटनाओं को लेकर चरमपंथी तत्वों द्वारा गढ़ी जा रही झूठी कहानी को भारत पूरी तरह खारिज करता है। हमीदुल्लाह को तलब किए जाने के तुरंत बाद विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अंतरिम सरकार ने न तो इन घटनाओं की गहन जांच की है और न ही भारत के साथ कोई ठोस सबूत साझा किए हैं। मंत्रालय ने कहा कि अंतरिम सरकार बांग्लादेश में भारतीय मिशनों कार्यालयों की सुरक्षा करे।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में भारतीय उच्चायोग के बाहर तैनात सुरक्षाकर्मी।

भारतीय उच्चायोग की ओर किया मार्च

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में पुलिस ने भारतीय उच्चायोग की तरफ मार्च कर रहे सैकड़ों प्रदर्शनकारियों को बुधवार को बीच रास्ते में रोक दिया। यह घटनाक्रम भारत के ढाका में अपने उच्चायोग के आसपास सुरक्षा स्थिति को लेकर गंभीर चिंता जताए जाने के कुछ घंटों बाद हुआ। जुलाई यूनिटी के बैनर तले मार्च निकाल रहे प्रदर्शनकारियों ने भारत-विरोधी नारे लगाए और पिछले साल जुलाई-अगस्त में छात्रों के नेतृत्व में हुए आंदोलन के बाद देश छोड़कर भागीं प्रधानमंत्री शेख हसीना व अन्य के प्रत्यर्ण की मांग की।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 18 दिसंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी 19 दिसंबर 04 .59 तक तत्पश्चात अमावस्या।

आज का पंचांग

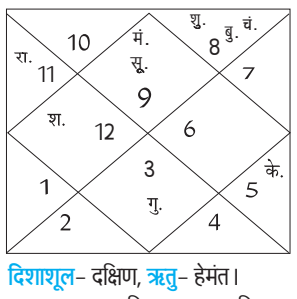

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अनुराधा 20 .07 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

मेष आज का दिन आपके लिए शुभ नहीं रहेगा। एंटीक वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं। विरोधियों के बीच आपका वर्चस्व बढ़ेगा। प्राइवेट नौकरी कर रहे लोगों को अधिकारियों से परेशानी हो सकती है।

वृष आज इंटरव्यू में आपको उत्तम सफलता मिलेगी। रुका हुआ सरकारी काम शुरू होने के योग बन रहे हैं। व्यावसायिक निवेश से आर्थिक लाभ में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश मिल सकता है।

मिथुन आज अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। अपने अहंकारी स्वभाव पर नियंत्रण करें। अपनी रुचि के अनुसार कार्य करने का प्रयास करेंगे। नई स्किल सीखने के अवसर मिल सकते हैं। प्रभावशाली लोगों के बीच आपका प्रभाव बढ़ेगा।

कर्क आज यदि यात्रा के लिए जा रहे हैं, तो सावधानी रखें। जल्दबाजी में कोई कार्य न करें। मन में विचारों की भरमार रहेगी। वरिष्ठजनों के साथ आपके संबंध अत्यंत मधुर रहेंगे। बुरी संगत से आपको दूर रहना चाहिए।

सिंह आज सहकर्मियों के साथ मनमुटाव हो सकता है। धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन कर सकते हैं। समय पर नया कार्य आरंभ करने के योग बन रहे हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को अपनी प्रतिष्ठा की चिंता रहेगी। म्यूचुअल फंड से आपको धन लाभ मिलेगा।

कन्या आज अपनी रचनात्मक क्षमता का अच्छा प्रयोग कर पाएंगे। कीमती वस्तुओं को संभालकर रखें। अपनी गलतियों का ठीकरा किसी पर न फोड़ें। व्यवसाय में किसी बड़ी कंपनी से डील हो सकती है। विरोधियों से सीधे भिड़ने से बचें।

तुला आज कोई बहुप्रतीक्षित कार्य आरंभ हो सकता है। आपके मृदु व्यवहार की प्रशंसा होगी। नई संपत्ति खरीदने के लिए समय उत्तम है। अविवाहित लोगों का विवाह तय हो सकता है। संतान की उन्नति से आपको प्रसन्नता होगी।

वृश्चिक आज कानूनी अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है। आपकी विचारधारा से सहकर्मी असहमत हो सकते हैं। सुख के साधनों पर धन खर्च करेंगे। आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लोग आपसे प्रेरणा लेंगे। जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा।

धनु आज जॉब में आपके अधिकार कम हो सकते हैं। अपरिचित लोगों पर अधिक विश्वास न करें। दोपहर के बाद नया काम शुरू न करें। आपको व्यवहारिक निर्णय लेने चाहिए। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव कम होगा। अपनी उपलब्धियों पर गर्व करेंगे।

मकर आज अपनी योजनाओं को लेकर थोड़ा कन्फ्यूज हो सकते हैं। आपको संभलकर हास्य-विनोद करना चाहिए। परिवार की सुख-सुविधाओं पर आप ध्यान देंगे। विवाह योग्य लोगों को विवाह के रिश्ते मिल सकते हैं।

कुंभ आज कारोबार में अपेक्षा से अधिक धन लाभ प्राप्त होगा। विधिक मामलों में आपको सफलता मिलेगी। एआई के क्षेत्र से जुड़े लोगों की आय बढ़ सकती है। संपत्ति को लेकर विवादों का निपटारा होगा। अविवाहित लोगों को विवाह के रिश्ते मिल सकते हैं।

मीन आज चिकित्सकों के लिए दिन बहुत ही शानदार रहने वाला है। फाइनेंस को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाले हैं। मीडिया से जुड़े लोगों को सम्मान मिल सकता है। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें। पित्त की वजह से एलर्जी की समस्या हो सकती है।

सुडोकू-5

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

				3	9		1	
		9		7	1		8	4
		7			5	6		
1		3		9		2		
	5						7	
		4		8		1		6
		2	9			3		
8	3		7	6		9		
	9		1	2				

सुडोकू - 4 का हल

6	1	9	3	5	4	2	7	8
4	8	5	2	1	7	6	9	3
2	7	3	8	9	6	1	4	5
8	6	1	9	7	3	5	2	4
3	5	7	4	2	8	9	6	1
9	2	4	5	6	1	8	3	7
1	3	2	6	4	5	7	8	9
7	4	6	1	8	9	3	5	2
5	9	8	7	3	2	4	1	6

हमारी स्क्वाश टीम का अपनी धरती पर विश्व कप जीतना गर्व का बहुत बड़ा क्षण है। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारा। मुझे खुशी है कि खेल क्षेत्र का यह विकास देश के लिए और भी गौरव लाएगा।
–डॉ. मनसुख मांडविया, खेल मंत्री

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार, 18 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

अनंतजीत-दर्शना की जोड़ी को मिश्रित स्कीट में स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। एशियाई चैंपियन निशानेबाज अनंतजीत सिंह नरूका और दर्शना राठौड़ ने 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप (शॉटगन) में सीनियर स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। राजस्थान की इस जोड़ी ने उत्तर प्रदेश के मैराज अहमद खान और अरीबा खान को करीबी मुकाबले में 45-43 से हराया। फाइनल में अनंतजीत ने 21 निशाने लगाए जबकि दर्शना ने 24 का योगदान दिया। उत्तर प्रदेश ने क्वालीफिकेशन में शूटआउट में हरियाणा को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। हरियाणा की रेजा ढिल्लों और ईशान सिंह लिबरा की टीम ने कांस्य पदक के मुकाबले में मध्यप्रदेश के रितुराज बुंदेला और मानसी रघुवंशी को हराया।

जूनियर खिलाड़ियों की निगाह सीनियर टीम पर

नई दिल्ली। विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के खिलाड़ियों की निगाह अब आगामी हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में अच्छा प्रदर्शन करके सीनियर टीम में जगह बनाने पर टिकी है। भारत ने हाल ही में समाप्त हुए जूनियर विश्व कप में तीसरे स्थान के मैच में अर्जेंटीना को 4-2 से हराकर कांस्य पदक जीता था। पुरुषों की एचआईएल लीग तीन जनवरी को चेन्नई में जबकि महिलाओं की लीग 28 दिसंबर को रांची में शुरू होगी।जूनियर खिलाड़ी इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि सीनियर टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन एचआईएल के दौरान उनके खेल पर कड़ी नजर रखेंगे। टूर्नामेंट में पांच गोल करने वाले स्ट्राइकर दिलराज सिंह ने कहा जूनियर विश्व कप अभियान का समापन पदक के साथ करना निश्चित रूप से शानदार है, लेकिन हॉकी इंडिया लीग में अच्छा प्रदर्शन करना सीनियर टीम में जगह बनाने की दिशा में अगला बड़ा कदम होगा।

घने कोहरे के कारण चौथा टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच रद्द

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के कार्यक्रम पर उठे गंभीर सवाल

लखनऊ, एजेंसी

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चौथा टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच बुधवार को खराब दृश्यता के कारण रद्द कर दिया गया जब घने कोहरे की एक परत ने इकाना स्टेडियम को घेर लिया। जिससे सर्दियों के महीनों में उत्तरी भारत में मुकाबले कराने के भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के कार्यक्रम पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पूरी सीरीज के लिए नवंबर और दिसंबर के दौरान न्यू चंडीगढ़, धर्मशाला, लखनऊ, रांची, रायपुर, विशाखापत्तनम, कटक, अहमदाबाद, गुवाहाटी और कोलकाता को आयोजन स्थल के तौर पर चुना गया था।

लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में अंपायर आपस में बातचीत करते हुए। एजेंसी

यह वह समय होता है जब लखनऊ, न्यू चंडीगढ़ और धर्मशाला जैसे मेजबान शहरों में प्रदूषण का स्तर आमतौर पर सबसे खराब होता है। चौथा टी20 अंतरराष्ट्रीय आधिकारिक तौर पर 'अत्यधिक कोहरे' के कारण बिना एक भी गेंद फेंके रद्द कर दिया गया लेकिन सच्चाई यह थी कि प्रदूषण और कोहरे की एक मोटी चादर ने इकाना स्टेडियम को घेर लिया था जिससे दृश्यता बहुत कम हो गई थी। बुधवार को लखनऊ में वायु गुणवत्ता सूचकांत (एक्यूआई) 400 से ऊपर खतरनाक स्तर में रहा जिससे खिलाड़ियों के कल्याण के प्रति बीसीसीआई की प्रतिबद्धता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को मैच से पहले भारतीय टीम के वार्म-अप के दौरान प्रदूषण से बचने के लिए सर्जिकल मास्क पहने देखा गया।

शाम सात बजे शुरू होने वाला मैच आखिरकार छठे निरीक्षण के बाद रात साढ़े नौ बजे रद्द कर दिया गया। हालांकि यह एक औपचारिकता से ज्यादा कुछ नहीं था क्योंकि वहां मौजूद सभी लोग जानते थे कि रात बढ़ने के साथ दृश्यता और खराब होती जाएगी। खिलाड़ियों ने शाम साढे.सात बजे तक अपना वार्म-अप सत्र खत्म कर दिया था और ड्रेसिंग रूम में लौट गए थे। ठंड का सामना करते हुए रात नौ बजे तक दर्शकों की भीड़ भी कम होने लगी थी। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष और उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ के राजीव शुक्ला निरीक्षण के दौरान मैदान पर आए लेकिन मैच अधिकारियों से बात करने के बाद उनकी भावभंगिमा से निराशा साफ झलक रही थी। कोई रिजर्व दिन नहीं होने के कारण दोनों टीमें अब शुक्रवार को होने वाले अंतिम टी20 अंतर्राष्ट्रीय के लिए अहमदाबाद जाएंगी। भारत सीरीज में 2-1 से आगे है। बीसीसीआई आयोजन स्थलों का आवंटन करते समय रोटेशन नीति का पालन करता है लेकिन बोर्ड 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज से पहले स्थल बदलने पर विचार कर सकता था। भारतीय टीम न्यूजीलैंड का सामना पश्चिमी और दक्षिणी भारत के स्थलों पर करेगी जो मैच वडोदरा, राजकोट, इंदौर, नागपुर, रायपुर, विशाखापत्तनम और तिरुवनंतपुरम में खेले जाएंगे।

गिल चोटिल, सीरीज से बाहर होने की आशंका

लखनऊ : खराब फॉर्म से जूझ रहे भारत के उप कप्तान शुभमन गिल पैर के अंगूठे में चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी दो टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। टीम के करीबी सूत्रों ने पीटीआई को यह जानकारी दी। पता चला है कि गिल को ट्रेनिंग सत्र के दौरान चोट लगी और उनके जल्दी ठीक होने के लिए सभी एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के एक सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर पीटीआई को बताया शुभमन ने चौथे टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले से एक दिन पहले नेट में लंबे बल्लेबाजी सत्र में हिस्सा लिया था। सत्र के आखिर में उनके पैर के अंगूठे पर चोट लग गई। उन्हें दर्द हो रहा था और वह लंगड़ा रहे थे। बुधवार को उनके लिए खेलना मुश्किल होता इसलिए वह टीम के साथ नहीं आए क्योंकि उनके इस मैच में खेलने की बहुत कम संभावना थी।

मिली एसयूवी, खिले चेहरे

टाटा मोटर्स ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को उनकी ऐतिहासिक विश्व कप जीत के लिए मुंबई में सम्मानित किया और हर खिलाड़ी को नई लॉन्च हुई टाटा सिएरा एसयूवी की पहली यूनिट गिफ्ट की। एजेंसी

सात्विक और चिराग ने बीडब्ल्यूएफ फाइनल्स में जीत के साथ की शुरुआत

हांगझोऊ, एजेंसी

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने बुधवार को यहां बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप बी के अपने पहले मैच में लियांग वेइ केंग और वैंग चैंग की चीन की ओलंपिक रजत पदक विजेता जोड़ी को तीन गेम चले कड़े मुकाबले में हराकर अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की।

सात्विक और चिराग की दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी ने पहला गेम गंवाने और मैच प्वाइंट बचाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए दुनिया की पांचवें नंबर की चीन की जोड़ी को 12-21, 22-20, 21-14 से हराया। मैच के बाद चिराग ने कहा पहले गेम में हमारी शुरुआत उतनी अच्छी नहीं रही। सच कहूं तो इसका श्रेय उन्हें जाता है। उन्होंने हम पर बहुत दबाव बनाया और हमें गेम में मौका ही

नहीं दिया। लेकिन मुझे लगता है कि दूसरे गेम से हम जानते थे कि हम अच्छी शुरुआत करना चाहते हैं। जितना हो सके उतना आक्रामक खेलना चाहते हैं और हमने वही किया। एशियाई खेलों की चैंपियन भारतीय जोड़ी अगले मुकाबले में बृहस्पतिवार को फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहीबुल फिकरी की इंडोनेशिया की जोड़ी से भिड़ेगी और इस मुकाबले के भी काफी कड़ा होने की उम्मीद है। सात्विक और चिराग की दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी ने इससे पहले लियांग और वैंग के खिलाफ तीन मैच जीते थे जबकि सात गंवाए थे लेकिन बुधवार को भारतीय जोड़ी ने महत्वपूर्ण लम्हों में धैर्य बरकरार रखते हुए जीत दर्ज की। दोनों जोड़ियों के बीच शुरुआत में कड़ी टक्कर देखने को मिली। दोनों जोड़ियां 7-7 से बराबर थी। चीन की जोड़ी ने लगातार चार अंक के साथ ब्रेक तक मजबूत बढ़त बना ली। वैंग ने नेट पर शानदार खेल दिखाया जिससे चीन की जोड़ी 14-9 से आगे हो गई और फिर उसे पहला गेम 13 मिनट में जीतने में अधिक परेशानी नहीं हुई।

दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी की शुरुआत खराब रही जिससे लियांग और वैंग ने पहले 2-4 और फिर 3-6 की बढ़त बना ली। इस बीच 31 शॉट की रैली भी हुई। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद बराबरी हासिल की और फिर सात्विक के दमदार शॉट से बढ़त बना ली। भारतीय टीम ब्रेक तक 11-7 से आगे थी जिसे उन्होंने 14-10 तक पहुंचाया और फिर धैर्य दिखाते हुए 45 शॉट की रैली जीती।

कैरी और ख्वाजा के नाम रहा तीसरे टेस्ट मैच का पहला दिन

एडिलेड टेस्ट

एडिलेड, एजेंसी

विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी के करियर के तीसरे शतक और स्टीव स्मिथ के अस्वस्थ होने के कारण अंतिम समय में टीम में जगह बनाने वाले उस्मान ख्वाजा की 82 रन की लाजवाब पारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन शुरुआती झटकों से उबरकर आठ विकेट पर 326 रन बनाए। कैरी ने अपने घरेलू मैदान पर खेलते हुए ऐसे समय में क्रीज पर कदम रखा जब टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर चार विकेट पर 94 रन था। उन्होंने 143 गेंद का सामना करके 106 रन बनाए जिसमें आठ चौके और एक छक्का शामिल है।

इससे पहले ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया को शुरुआती झटकों से उबारने में

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते एलेक्स कैरी। एजेंसी

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अनुभवी बल्लेबाज को उनके 39वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर स्मिथ के अस्वस्थ होने के कारण बाहर हो जाने से जल्दबाजी में टीम में शामिल किया गया। ख्वाजा चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे। जब वह पांच रन पर खेल रहे थे तब उन्हें जीवनदान मिला। उन्होंने इसका पूरा फायदा उठाकर मार्नस लाबुशेन (19) के साथ 61 रन की और कैरी के साथ 91 रन की दो महत्वपूर्ण साझेदारियां निभाई। कैरी ने जोश इंग्लिश (32) के साथ 59 रन और इस मैच में वापसी करने वाले कप्तान पैट कमिंस (13) के साथ 50 रन की साझेदारी की। दिन का खेल समाप्त होने के समय मिशेल स्टार्क 33 रन पर खेल रहे थे जबकि नाथन लियोन ने अभी अपना खाता नहीं खोला है। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर इंग्लैंड के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 29 रन देकर तीन विकेट लिए हैं। उनके अलावा ब्रायडन कार्स और विल जैक्स ने दो-दो विकेट हासिल किए।

श्रीलंका की महिला टीम टी-20 शृंखला के लिए भारत पहुंची

कोलंबो : श्रीलंका की महिला क्रिकेट टीम वनडे विश्व चैंपियन भारत के खिलाफ 21 दिसंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी-20 शृंखला में भाग लेने के लिए बुधवार को भारत पहुंच गई।

इस शृंखला के पहले दो मैच 21 और 23 दिसंबर को विशाखापत्तनम में खेले जाएंगे, जबकि बाकी तीन मैच 26, 28 और 30 दिसंबर को तिरुवनंतपुरम में होंगे। चमारी अटापट्टू के नेतृत्व वाली टीम सीनियर और युवा खिलाड़ियों का मिश्रण है। श्रीलंका ने पिछले लंबे समय से टीम के नियमित सदस्य रहे कुछ खिलाड़ियों को लगातार खराब प्रदर्शन के कारण टीम से बाहर कर दिया है। इन खिलाड़ियों में अनुष्का संजीवनी, उदेशिका प्रबोधनी, सुगंधिका दासनायके और अचिनी कुलसुरिया शामिल हैं। संजीवनी की अनुपस्थिति में कौशिनी नुथ्यांगना विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाल सकती है। 1स्पिनर शशिनि गिम्हानी व मध्यम गति की गेंदबाज रश्मिका सेवंदी की टीम में वापसी हुई है।

मैं आंसू नहीं रोक पा रहा था : कार्तिक

मुंबई, एजेंसी

पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स द्वारा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मिनी नीलामी में 14.20 करोड़ रुपये में खरीदे जाने के बाद 19 वर्षीय कार्तिक शर्मा भावुक होकर रो पड़े। कार्तिक आईपीएल के इतिहास में संयुक्त रूप से सबसे अधिक कीमत पाने वाले अनकैप्ड (जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला हो) खिलाड़ी बन गए हैं।

अबूधाबी में मंगलवार को हुई नीलामी में कार्तिक और उत्तर प्रदेश के प्रशांत वीर 30 लाख रुपये के आधार मूल्य के साथ नीलामी में उतरे थे, लेकिन चेन्नई ने इन दोनों पर 14.20 करोड़ रुपये खरीद कर नया रिकॉर्ड बनाया। राजस्थान के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक ने जियोहॉटस्टार की एक विज्ञप्ति में कहा जब बोली शुरू हुई तो मुझे डर था कि कहीं मैं चूक न जाऊं। लेकिन जैसे-जैसे बोली बढ़ती गई, मैं रोने लगा। बोली

● आईपीएल की मिनी नीलामी में 14.20 करोड़ रुपये में खरीदे जाने के बाद हुए भावुक

समाप्त होने के बाद मैं आंसू नहीं रोक पाया। मैं भावनाओं और खुशी से अभिभूत था। सच कहूं तो मुझे नहीं पता कि इसे शब्दों में कैसे व्यक्त करूं। कार्तिक के लिए बोली लगाने की शुरुआत मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स ने की, जिसके बाद कोलकाता नाइट राइडर्स भी इसमें शामिल हो गया। मुंबई जल्द ही बोली से बाहर हो गया जिसके बाद कोलकाता और लखनऊ ने कार्तिक की कीमत को 2.80 करोड़ रुपये तक पहुंचा दिया।

इसके बाद ही चेन्नई ने बोली में प्रवेश किया। बाद में सनराइजर्स हैदराबाद भी इसमें शामिल हो गया था लेकिन आखिर में चेन्नई ने 14.20 करोड़ रुपये में सौदा पक्का कर लिया। कार्तिक ने कहा कि वह महेंद्र सिंह धोनी के साथ खेलने को लेकर उत्साहित हैं, लेकिन उन्होंने इसके साथ ही अपने परिवार और दोस्तों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने उन्हें यहां तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, ''मेरे परिवार के सभी सदस्यों और दोस्तों को विशेष आभार। उनके समर्थन के बिना मुझे नहीं लगता कि मैं इस मुकाम तक पहुंच पाता। मेरा पूरा परिवार बहुत खुश है। सब लोग जश्न मना रहे हैं और नाच रहे हैं। महेंद्र सिंह धोनी के साथ खेलने और उनसे सीखने को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं।

सरफराज ने सीएसके को धन्यवाद दिया

नई दिल्ली : भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज सरफराज खान ने कहा है कि पांच बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की वजह से उन्हें 'नई जिंदगी' मिली है क्योंकि टीम ने उन्हें अबुधाबी में हुई खिलाड़ियों की नीलामी में 75 लाख रुपये के आधार मूल्य पर खरीदा है। मंगलवार को नीलामी से कुछ घंटे पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच में 22 गेंद में 73 रन बनाने वाले 28 साल के सरफराज के लिए पहले दौर में किसी ने बोली नहीं लगाई लेकिन बाद में सुपरकिंग्स ने उन्हें खरीद लिया। मुंबई के बल्लेबाज सरफराज ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर लिखा मुझे नई जिंदगी देने के लिए सीएसके का बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि सीएसके 2026 का खिताब जीते।

डोपिंग की समस्या

वाडा ने 2024 परीक्षण रिपोर्ट जारी की, जांचे थे पांच हजार से अधिक नमूने

भारत में सबसे अधिक पॉजिटिव दर मिली

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की डोपिंग की समस्याओं का कोई अंत नहीं दिख रहा है क्योंकि विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की 2024 के परीक्षण आंकड़ों की रिपोर्ट के अनुसार जिन देशों ने पांच हजार या उससे अधिक परीक्षण किए हैं उनमें भारत में सबसे अधिक उल्लंघन के मामले पाए गए हैं। वाडा की रिपोर्ट के अनुसार भारत ने पिछले साल 7,113 परीक्षण (6,576 मूत्र के नमूने और 537 रक्त के नमूने) किए जिसमें 260 प्रतिकूल नतीजे आए जो 3.6 प्रतिशत की पॉजिटिव दर है जो सभी प्रमुख देशों में सबसे अधिक है।

जब अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) भविष्य में 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत की बोली का मूल्यांकन करेगी तो देश

का खराब डोपिंग रिकॉर्ड प्रमुख चिंताओं में से एक होगा। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने एक नोट में कहा, ''यह स्थिति राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर चिंताजनक लग सकती है लेकिन यह बताना जरूरी है कि ये आंकड़े डोपिंग के मामलों में बढ़ोतरी के बजाय भारत के कड़े डोपिंग रोधी प्रयासों का सीधा नतीजा है जिसमें अधिक परीक्षण और प्रतिबंधित पदार्थों का पता लगाने की मजबूत प्रणाली शामिल है। वर्ष 2023 के परीक्षण आंकड़ों में 5,606 परीक्षण में 213 प्रतिकूल नतीजों के बाद भारत की पॉजिटिव परीक्षण की दर 3.8 प्रतिशत थी। चीन ने 2024 में 24,214 परीक्षण किए और उसकी पॉजिटिव परीक्षण की दर सिर्फ 0.2 प्रतिशत थी। अमेरिका की डोपिंग रोधी एजेंसी ने भारत से कम 6,592 परीक्षण किए और उसकी पॉजिटिव दर 1.1 प्रतिशत रही। डोपिंग से निपटने में नाकाम रहने के कारण दुनिया भर में अलग-थलग कर दिए गए रूस ने 10,514 परीक्षण किए और सिर्फ 76 प्रतिकूल नतीजों के साथ उसकी पॉजिटिव परीक्षण की दर 0.7 प्रतिशत रही। पाकिस्तान और मंगोलिया जैसे कुछ देशों में भारत की तुलना में पॉजिटिव परीक्षण की दर अधिक है लेकिन उन्होंने बहुत कम परीक्षण किए हैं। नाडा ने कहा कि उसने 2025 में अब तक 7,068 परीक्षण किए हैं जिसमें 110 प्रतिकूल नतीजों के साथ पॉजिटिव परीक्षण की दर 1.5 प्रतिशत रही है।

खेल मंत्री ने बुराई से निबटने के लिए जताई प्रतिबद्धता

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी बार-बार एथलेटिक्स और भारोत्तोलन जैसे पावर खेलों को पारंपरिक रूप से परेशान करने वाली इस बुराई से निपटने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। नाडा ने कहा कि वह डोपिंग उपायों के बारे में 'खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के बीच अधिक जागरूकता और बेहतर अनुपालन' देख रहा है। मिलावट वाले सप्लीमेंट की समस्या से निपटने के लिए नाडा ने कहा कि वह 'न्यूट्रिशन सप्लीमेंट परीक्षण' को मजबूत करने के लिए भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) और नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर काम कर रहा है।

सिडनी ओलंपिक में पदक चूकना सबसे बड़ा मलाल : रियाज

चेन्नई : सिडनी ओलंपिक में पदक के करीब पहुंचकर चूकने का मलाल मोहम्मद रियाज को दो दशक बाद भी है लेकिन पिछले दो ओलंपिक में भारतीय टीम के कांस्य पदक जीतने से उनका दुख जरूर कम हुआ है। तमिलनाडु के 53 वर्ष के पूर्व मिडफील्डर रियाज 1998 एशियाई खेलों में 32 साल बाद स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थे लेकिन सिडनी ओलंपिक 2000 में उस कामयाबी को नहीं दोहरा सके और क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गए। रियाज ने कहा ओलंपिक खेलना सबसे बड़ी बात है और पदक के इतने करीब पहुंचकर चूक जाना सबसे बड़ा मलाल है । मुझे पूरी जिंदगी यह मलाल रहेगा लेकिन मुझे खुशी है कि भारत ने लगातार दो कांस्य (तोक्यो ओलंपिक 2021 और पेरिस 2024) जीतकर लंबा इंतजार खत्म किया।

6 वर्षों बाद आनंद की वापसी

कोलकाता, एजेंसी

टाटा स्टील शतरंज

यह एक गुरु और उनके शिष्य के बीच एक जबरदस्त मुकाबला होगा जब पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद छह साल बाद प्रतिस्पर्धी मुकाबले में वापसी करेंगे और सात से 11 जनवरी तक यहां सातवें टाटा स्टील शतरंज में मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश और अपने दूसरे पूर्व शिष्यों का सामना करेंगे। पिछली बार 2019 में टूर्नामेंट खेलने वाले आनंद भारतीय सितारों की नई पीढ़ी के खिलाफ वापसी करेंगे जिसमें गुकेश सबसे आगे हैं। आनंद ने गुकेश का हाल के वर्षों में अपनी वेस्टब्रिज आनंद शतरंज अकादमी में करीब से मार्गदर्शन (मेंटर) किया है।

यह पहली बार होगा जब ये दोनों विश्व चैंपियन भारतीय धरती पर किसी व्यक्तिगत टूर्नामेंट में आपस में भिड़ेंगे। टाटा स्टील शतरंज इंडिया 'धोनो धन्यो ऑडिटोरियम'

● मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश से भी होगी भिड़ंत

में आयोजित किया जाएगा जिसमें रैपिड और ब्लिट्ज दोनों प्रारूप में ओपन और महिला दोनों वर्ग होंगे और दोनों वर्ग के लिए समान पुरस्कार राशि होगी। ओपन वर्ग में फिडे विश्व कप उप विजेता वेई यी, पूर्व अमेरिकी चैंपियन वेस्ली सो, हेन्स नीमेन, वोलोडार मुर्जिन और आर प्रज्ञानानंदा तथा अर्जुन एरिगेसी सहित एक मजबूत भारतीय दल भी शामिल होगा। अन्य भारतीयों में विदित गुजराती, अरविंद चिदंबरम, दिव्या देशमुख, वैशाली आर, वंतिका अग्रवाल और रक्षिता रवि शामिल हैं। महिलाओं के वर्ग में विश्व कप विजेता दिव्या के साथ पूर्व विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर एलेक्जेंड्रा गोरियाचकिना, कैटरीना लेग्नो, नेना डजाग्निदजे, डी हरिका और कैरिसा यिप मुख्य आकर्षण होंगी। खिलाड़ी के तौर पर वापसी को लेकर उत्साहित आनंद ने कहा भारत सहित पूरी दुनिया में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के उभरने से शतरंज की दुनिया में बहुत बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''मैं भारत के इस बड़े टूर्नामेंट में युवा दिग्गज शतरंज खिलाड़ियों की चुनौती स्वीकार करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। टाटा स्टील के उपाध्यक्ष (कॉर्पोरेट सर्विसेज) डी बी सुंदर रामम ने कहा कि आनंद की वापसी ने इस प्रतियोगिता में एक खास आयाम जोड़ा है।